कब और कहां देखें खतरों के खिलाड़ी 15 का ग्रैंड फिनाले? शो के फाइनलिस्ट और प्राइज मनी पर एक नजर

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिक्तम - 37
न्यूनतम - 25

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

वर्ष 42, अंक 276 RNI NO.43285/85 संस्करण- नगर मुजफ्फरनगर सोमवार 05 अक्टूबर 2026 भाद्रपद शुक्ल 23 विक्रमी संवत पृष्ठ 12 मूल्य 4 रूपया

भारत की 'वैदिक कवच' तकनीक ने रचा इतिहास!

हवा में बना अभेद्य सुरक्षा घेरा,क्वांटम कंप्यूटर भी होंगे फेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में ऐसी कामयाबी हासिल कर ली है जिसे कोई भी बड़े से बड़ा सुपरकंप्यूटर या हैकर भेद नहीं सकेगा। दरअसल देश में पहली बार वायरलेस तरीके से 5.56 किलोमीटर की दूरी तक फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन यानी कि क्यूकेडी का सफल परीक्षण किया गया है।

यह कारनामा क्यूएनयू लैब्स, बिसाग-एन और आईआईटी गांधीनगर ने मिलकर किया है। आने वाले समय में जब क्वांटम कंप्यूटर्स के आगे लगभग सभी

पासवर्ड और मौजूदा इंटरनेट सुरक्षा फीकी पड़ जाएगी, तो यह स्वदेशी तकनीक भारत के बैंकों, सेना और जरूरी डेटा को पूरी तरह से सुरक्षित रख सकेगी। आसान भाषा में समझें, तो यह एक गुप्त चाबी बनाने जैसा है, जो दो लोगों के बीच वायरलेस तरीके से भेजी जाती है। उदाहरण के लिए आप कोई जानकारी बक्से में बंद करके किसी को भेजें और उस बक्से की चाबी को वायरलेस तरीके से दूसरे शख्स तक पहुंचाएं, तो रास्ते में कोई चाह कर भी उसकी चाबी को हथिया नहीं पाएगा और जानकारी पूरी तरह से सुरक्षित रहेगी। इस तकनीक की एक खासियत और है कि अगर कोई किसी तरह वायरलेस तरीके से भेजे जाने वाली की या चाबी तक पहुंच बनाता भी है, तो वह अपने आप ही नष्ट हो जाएगी। इसके अलावा चाबी भेजने और पाने वाले दोनों को तुरंत पता चल जाएगा कि किसी ने चोरी की कोशिश की है। क्यूकेडी यानी कि फ्री-स्पेस क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन इसी तरीके से काम करती है।

रात में हुआ 5.56 किमी का सफल परीक्षण

रिपोर्ट्स के मुताबिक(आरईएफ.), क्यूकेडी तकनीक के ट्रायल को 27-28 सितंबर की रात को बिसाग-एन और आईआईटी गांधीनगर के बीच हवा में लेजर बीम के जरिए किया गया। इसमें क्यूएनयू लैब्स के खास ट्रैकिंग सिस्टम का भी इस्तेमाल हुआ। इस टेस्टिंग में एरर रेट यानी कि गलतियों की संभावना 5 फीसदी से भी कम रही। इसके साथ ही प्रति सेकंड 230 से 260 बिट्स की रफ्तार से सुरक्षित सीक्रेट कोड तैयार हुआ। इन कोड्स के जरिए टेस्ट मैसेजेस को एक जगह से दूसरी जगह पर सीक्रेट तरीके से भेजा गया। इस टेस्टिंग में दोहरी सुरक्षा प्रणाली का इस्तेमाल हुआ। इसमें हार्डवेयर के तौर पर क्यूएनयू लैब्स के आर्मोस डिवाइस लगे हैं।

यूक्रेन में भारतीय कारोबारी की फार्मा फैक्ट्री पर हमला

रूस ने ड्रोन से निशाना बनाया,1 की मौत,400 करोड़ का नुकसान

कीव (एजेंसी)। रूस ने यूक्रेन के सूमी शहर में भारतीय कारोबारी राजीव गुप्ता की दवा बनाने वाली फैक्ट्री पर ड्रोन से हमला किया। हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हुए हैं। फैक्ट्री की मुख्य इमारत को भारी नुकसान पहुंचा और इसका ज्यादातर हिस्सा तबाह हो गया।

शुरुआती अनुमान के मुताबिक, कंपनी को कम से कम 400 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है। हमले के बाद फैक्ट्री वाले इलाके से धुएं का बड़ा गुबार उठता दिखाई दिया।

पहले दूसरी कंपनियों की दवाएं बेचती थी कंपनी

2002 में कुसुम ग्रुप ने दूसरी कंपनियों की दवाएं बेचने का काम बंद कर दिया और अपने ब्रांड की दवाओं की मार्केटिंग शुरू की। इसके बाद कंपनी ने खुद दवाएं बनाना शुरू किया। 2007 में भारत में प्लांट शुरू किया गया। 2009 में यूक्रेन के सूमी में दवा बनाने की फैक्ट्री शुरू की गई।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान की एजेंट के हनीट्रैप में फंसा नेवी जवान

- खुफिया जानकारी लीक करने के आरोप,कोयंबटूर से गिरफ्तार

कोयंबटूर (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश पुलिस की काउंटर इंटेलीजेंस सेल ने इंडियन नेवी के जवान प्रदीप मुखर्जी को कोयंबटूर से गिरफ्तार किया है। उस पर पाकिस्तानी महिला खुफिया एजेंट को डिफेंस की सेंसिटिव जानकारी देने का आरोप है। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, एजेंट ने जवान को हनीट्रैप में फंसाया था। प्रदीप कोयंबटूर के रेड फील्ड्स स्थित इंडियन नेवल शिप अग्रणी में मैनेजमेंट डेवलपमेंट कोर्स कर रहे थे। कुछ महीने पहले महिला एजेंट ने सोशल मीडिया के जरिए प्रदीप से संपर्क किया था।

सीईसी से जुड़े आत्महत्या मामले की होगी विजिलेंस जांच

- केरलम सरकार ने दिए आदेश, 2006 में इंजीनियर ने की थी आत्महत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरलम गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। यह मामला 2006 में राज्य के लोक निर्माण विभाग के सचिव के तौर पर उनके कार्यकाल के दौरान हुई अनियमितताओं के आरोपों से जुड़ा है। यह मामला मलेशियाई सिविल इंजीनियर ली सी बीन की आत्महत्या से जुड़ा है, जो केरल राज्य परिवहन परियोजना के तहत एमसी रोड के अपग्रेडेशन में शामिल कंसोर्टियम से जुड़े थे।

दीपावली से पहले योगी आदित्यनाथ सरकार देगी तोहफा

- लाखों राज्यकर्मियों को मिलेगा बोनस और महंगाई भत्ता

लखनऊ (एजेंसी)। योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्यकर्मियों की दीपावली अधिक रोशन और रंगीन करने की तैयारी कर ली है। सरकार करीब 18 लाख कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को दीपावली से पहले महंगाई भत्ता और बोनस का

तोहफा देने की तैयारी कर रही है। योगी आदित्यनाथ सरकार ने राज्य कर्मियों को दीपावाली से पहले बड़ा तोहफा देने की तैयारी कर ली है। सरकार के इस कदम से राज्यकर्मियों को बढ़ा हुआ डीए और बोनस 3400 से 7000 तक मिल सकता है।

इजराइली पीएम नेतन्याहू ने भारतीय पायलट से की बात

प्रधानमंत्री मोदी के साथ मशाल जलाने का दिया न्योता

स्मित बोले-हमलावर ने नमाज के बहाने कुल्हाड़ी मारी

तेल अवीव (एजेंसी)। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्लाईदुबई एयरलाइन के भारतीय पायलट कैप्टन स्मित मच्छर से करीब 6 मिनट फोन पर बात की। उन्होंने कहा- आप भारत और इजराइल के लोगों के सच्चे हीरो हैं। आप पूरी दुनिया के हीरो हैं। नेतन्याहू ने स्मित को इजराइल आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा- मैं आपको और अपने दोस्त पीएम मोदी को अगले स्वतंत्रता दिवस पर जश्न की मशाल जलाने का न्योता देना चाहता हूं। नेतन्याहू ने कैप्टन स्मित से पूछा कि फ्लाइट में आखिर हुआ क्या था। स्मित ने बताया कि हमले से पहले को-पायलट ने नमाज करने की बात कही। इसके कुछ मिनट बाद उसने अचानक उन पर हमला कर दिया।

इमरजेंसी कुल्हाड़ी से सिर पर लगातार वार

कैप्टन स्मित ने बताया कि पहले उन्हें लगा कि विमान में कोई बहुत बड़ी तकनीकी खराबी या बड़ा नुकसान हुआ है। लेकिन इसके तुरंत बाद उनके सिर पर लगातार कई और जोरदार वार किए गए, तब उन्हें समझ आया कि विमान की खराबी नहीं बल्कि कॉकपिट में मौजूद दूसरा पायलट ही हमला कर रहा है। शुरुआती हमलों के कारण उनकी आंखों के आगे अंधेरा छा गया और सब कुछ धुंधला दिखाई देने लगा। इसी दौरान उन्हें अहसास हुआ कि विमान बहुत तेजी से सीधे नीचे की तरफ गिर रहा है। उन्होंने एक बार कॉकपिट का दरवाजा खोलने की कोशिश की, लेकिन हमलावर ने उसे तुरंत दोबारा बंद कर दिया।

घायल होने के बावजूद बहादुरी से किया संघर्ष

कॉकपिट के फर्श पर खून से लथपथ पड़े कैप्टन स्मित को तेज हवाओं की आवाजें और यात्रियों की चीखें सुनाई दे रही थीं। उन्होंने खुद से कहा कि अगर वे इस आखिरी वक्त में हिम्मत नहीं जुटा पाए, तो उनकी और विमान में मौजूद सभी लोगों की जान चली जाएगी। बची हुई पूरी ताकत झोंककर वे उठे, हर बाधा से लड़ते हुए दरवाजे तक पहुंचे और उसे खोल दिया। बाहर केबिन क्रू और यात्री पहले से मुस्तैद थे, जो तुरंत कॉकपिट में घुसे और हमलावर को काबू में कर लिया।

भविष्य में अहम भूमिका निभाएगा राफेल फाइटर जेट

भारत की बड़ी तैयारी, पुराने सिस्टम को बना रहा आधुनिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेशी वैज्ञानिकों का अनुमान है कि भारत के पास लगभग 190 एटम बम हैं, लेकिन बम तब तक किसी काम के नहीं हैं जब तक दुश्मन के इलाके में बहुत अंदर तक, अपनी मर्जी से और सही निशाने पर न गिराया जा सके। भारत के पास न सिर्फ ताकतवर एटम और हाइड्रोजन बन हैं, बल्कि दुश्मन पर जबरदस्त हमला करने के लिए लंबी दूरी की मिसाइलें भी हैं।

भारत के पास परमाणु हथियार ले जाने वाले एयरक्राफ्ट

रिपोर्ट के अनुसार, भारत के पास अभी दो तरह के एयरक्राफ्ट हैं जिनके बारे में माना जाता है कि वे परमाणु हथियार ले जा सकते हैं। फ्रांस से खरीदे गए और समय के साथ अपग्रेड किए गए मिराज 2000 फाइटर जेट, परमाणु हमले के लिए मुख्य एयरक्राफ्ट बने हुए हैं। ब्रिटेन और फ्रांस द्वारा मिलकर डिजाइन किए गए और दशकों पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किए गए जगुआर स्ट्राइक एयरक्राफ्ट के बारे में भी माना जाता है कि वे परमाणु हमले का दूसरा विकल्प हो सकते हैं।

जगुआर हो रहे रिटायर राफेल जेट होंगे अहम

रिपोर्ट में कहा गया है कि फ्रांस से खरीदे गए राफेल फाइटर जेट भविष्य में यह भूमिका और ज्यादा निभा सकते हैं, क्योंकि पुराने जगुआर विमान रिटायर हो रहे हैं। भारत की हवा से परमाणु हमला करने की क्षमता अमेरिका से अलग है; अमेरिका के परमाणु क्षमता वाले विमानों में एम-2 और एम-21 स्टील्थ बॉम्बर के साथ-साथ एडवांस्ड फाइटर जेट भी शामिल हैं। चीन ॥-6 सीरीज जैसे बॉम्बर पर निर्भर है और नई लंबी दूरी की प्रणालियां विकसित कर रहा है। पाकिस्तान की परमाणु हथियार पहुंचाने की क्षमता फाइटर जेट ही हैं।

'संविधान की मूल भावना पर प्रहार', बड़ी संख्या में वोटरों के नाम हटाने पर बोले जस्टिस उज्ज्वल भुइयां

हैदराबाद। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस उज्ज्वल भुइयां ने रविवार को ऐसी किसी भी प्रकिया को संवैधानिक उल्लंघन बताया, जिससे बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों का वोट देने का अधिकार छिन जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी अथॉरिटी ऐसा नहीं कर सकती, कोई भी अदालत इसे मंजूरी नहीं दे सकती। जस्टिस भुयान ने हैदराबाद में एक भाषण में कहा कि भारतीय संविधान नागरिकों के दो वर्गों की व्यवस्था नहीं करता है।

वोट देने के अधिकार वाले नागरिक और बिना वोट देने के अधिकार वाले नागरिक। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रक्रिया से लाखों भारतीय नागरिक वोट देने के अधिकार से वंचित हो जाते हैं, यानी उन्हें अपने ही देश में दूसरे दर्जे का नागरिक बना दिया जाता है, जिनके पास वोट देने का अधिकार नहीं है, तो ऐसी प्रक्रिया अपने आप में मनमानी है। किसी भी तरह के तर्क या बहाने से इसे सही नहीं ठहराया जा सकता, यह संविधान की मूल भावना पर प्रहार करती है।

उन्होंने ऐसी प्रक्रिया को संविधान के अनुच्छेद 14 (जो समानता के अधिकार की गारंटी देता है) और अनुच्छेद 326 (जो सभी वयस्कों को वोट देने का अधिकार देता है)

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

हमारी महान सनातन संस्कृति अतीत को स्मरण करने की परंपरा मात्र नहीं, अपितु अतीत से वर्तमान और वर्तमान से भविष्य को जोड़ने वाली जीवन-दृष्टि है। पितृ पक्ष इसी सनातन भाव की अभिव्यक्ति का अवसर है। आश्विन कृष्ण प्रतिपदा (27 सितंबर) से प्रारंभ हुआ यह पवित्र पक्ष आश्विन कृष्ण अमावस्या, अर्थात् सर्वपितृ अमावस्या (10 अक्टूबर) के साथ पूर्ण होगा। इन दिनों श्राद्ध के माध्यम से हम अपने पूर्वजों का स्मरण करते हैं, तर्पण कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हैं। पिंडदान हमें याद दिलाता है कि आज हम जो कुछ हैं, उसमें हमारे पूर्वजों के तप, त्याग, परिश्रम और संस्कारों का भी योगदान है।

पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता अपने उत्तरदायित्व को समझने का संस्कार भी है। **हमसे पहले की पीढ़ियों ने हमें जो दिया, उसे संरक्षित रखना और आने वाली पीढ़ियों को उससे अधिक समृद्ध विरासत सौंपना हमारा धर्म है।** सतत विकास का यही भाव परिवार को पिरोता है, समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखता है तथा प्रदेश एवं राष्ट्र को नई ऊर्जा प्रदान करता है।

इतिहास में एक प्रसिद्ध प्रसंग वर्णित है। **आगरा किले में अपने पुत्र औरंगजेब की कैद में रह रहे शाहजहां ने पानी के लिए व्यग्र होकर उसे पत्र लिखा था। शाहजहां ने पत्र में सनातन परंपरा का उल्लेख किया, जिसमें दिवंगत पूर्वजों को भी जल अर्पित किया जाता है।** वहीं, क्रूर औरंगजेब ने जीवित पिता को भी जल के लिए व्याकुल कर दिया। यह प्रसंग हमें बताता है कि पूर्वजों के प्रति श्रद्धा हमारी सनातन जीवन-पद्धति में कितनी गहराई से रची-बसी है।

मेरा आप सभी से विशेष आग्रह है कि हम इस विरासत को केवल स्मरण तक सीमित न रखें, बल्कि अपने आचरण में उतारें। परिवार के वृद्धजनों का सम्मान करें, बच्चों को अपने संस्कारों से परिचित कराएं तथा ज्ञान, सेवा और सदाचार की उस परंपरा को आगे बढ़ाएं जो पीढ़ियों को जोड़ती है और भविष्य को दिशा देती है।

पूर्वजों से मिली स्वस्थ और सुरक्षित जीवन की विरासत को आगे बढ़ाना भी हमारा दायित्व है। हमारी सरकार प्रदेश के प्रत्येक परिवार के स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए निरंतर कार्य कर रही है। **इसी कड़ी में 1 से 31 अक्टूबर, 2026 तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान तथा 12 से 31 अक्टूबर, 2026 तक दस्तक अभियान चलेगा।** स्वास्थ्यकर्मी, आशा, आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियां और अन्य विभागीय कर्मी घर-घर पहुंचकर स्वच्छता, रोग-लक्षणों की पहचान और समय पर उपचार के लिए लोगों को जागरूक करेंगे। पूर्वी उत्तर प्रदेश में कभी अभिशाप मानी जाने वाली इंसेफेलाइटिस का उन्मूलन यह सिद्ध करता है कि समग्र प्रयास और जनभागीदारी से असंभव को भी संभव किया जा सकता है।

आइए, स्वच्छता को अपनी दिनचर्या बनाएं, अपने आस-पास झाड़ियां न उगने दें, जलभराव न होने दें, बुखार जैसे लक्षणों को गंभीरता से लें और 'दस्तक' को हर घर में स्वास्थ्य-जागरूकता का अभियान बनाएं। स्वस्थ परिवार और स्वस्थ समाज से ही विकसित उत्तर प्रदेश का सपना साकार होगा।

आपका
योगी आदित्यनाथ

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP
स्वच्छ प्रदेश-स्वस्थ प्रदेश

अनमोल वचन

परमात्मा के दर्शन अन्तःकरण की शुद्धता से होते हैं। अन्तःकरण की शुद्धता देव पूजा से होती है। देव पूजा से तात्पर्य माता-पिता, गुरुजनों, अतिथि तथा पति-पत्नी की सेवा तथा आदर-सत्कार करना। परन्तु ये सब सेवाएँ काम-रहित हों। कामना से की गई सेवा अन्तःकरण को शुद्ध करने में समर्थ नहीं होती। माता की सेवा से अन्नमय कोष, पिता की सेवा से प्राणमय कोष तथा वाणी का अंश शुद्ध होता है। गुरु की सेवा से बुद्धि और ज्ञानमय कोष। अतिथि की सेवा से मनोमय कोष और मन की शुद्धता। पति-पत्नी की आपसी सेवा से आत्म-शुद्धि तथा परमेश्वर की पूजा से आनन्दमय कोष शुद्ध और पवित्र होता है। पांचों कोषों की शुद्धता होने पर मोक्ष का मार्ग खुल जाता है और मनुष्य जीवन का अन्तिम लक्ष्य मोक्ष अर्थात आवागमन से मुक्ति होती है।

बिना अनुमति जुलूस निकालने पर बसपा नेता राशिद अखलाक के खिलाफ मुकदमा दर्ज

40-50 लोगों को साथ लेकर नारेबाजी और अभद्र टिप्पणी करने का आरोप, निषेधाज्ञा के उल्लंघन और सार्वजनिक मार्ग बाधित करने को लेकर कोतवाली पुलिस ने की कार्रवाई

मेरठ। केसरगंज मस्जिद प्रकरण को लेकर 29 सितंबर को समर्थकों के साथ निकाले गए जुलूस के मामले में कोतवाली पुलिस ने बसपा नेता एवं पूर्व प्रत्याशी राशिद अखलाक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुए वीडियो की जांच और स्थानीय लोगों से जानकारी जुटाने के बाद यह कार्रवाई की। पुलिस की ओर से दर्ज मुकदमे में आरोप है कि राशिद अखलाक ने करीब 40-50 लोगों को एकत्र कर बिना पूर्व अनुमति जुलूस निकाला और इस दौरान नारेबाजी व अभद्र टिप्पणियां की गईं। कोतवाली थाने में दर्ज कराई गई नकल तहरीर के अनुसार, 29 सितंबर को राशिद अखलाक पुत्र हाजी अखलाक, निवासी साबुनगिरान, गुदड़ी चौक, थाना कोतवाली मेरठ अपने साथ करीब 40-50 लोगों को लेकर झुंड के रूप में निकले। तहरीर में कहा गया है कि इस दौरान नारेबाजी और अभद्र टिप्पणी की गई तथा जुलूस निकालने के लिए प्रशासन से कोई पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी और न ही संबंधित सरकारी विभाग को इसकी सूचना दी गई थी। पुलिस का आरोप है कि उस समय जिले में लागू निषेधाज्ञा के बावजूद जुलूस निकाला गया। जुलूस के चलते सार्वजनिक मार्ग बाधित हुआ और आवागमन प्रभावित होने से आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। तहरीर में कहा गया है कि जुलूस के कारण सड़क पर आवागमन प्रभावित हुआ और लोगों को निकलने में कठिनाई हुई। पुलिस ने आरोप लगाया है कि इस दौरान लोकशांति और कानून-व्यवस्था

प्रभावित होने की स्थिति बनी तथा क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हुआ। पुलिस के मुताबिक सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो को आधार बनाकर पूरे घटनाक्रम की जांच की गई। इसके बाद जुलूस के आयोजन और उसमें शामिल गतिविधियों को लेकर मुकदमा दर्ज किया गया है। स्थानीय समाचार रिपोर्टों में भी पुलिस के हवाले से बताया गया है कि जुलूस के लिए प्रशासन से पूर्व अनुमति नहीं ली गई थी। यह जुलूस पिंकी चौधरी के विरोध में निकाला गया था। 29 सितंबर को राशिद अखलाक के नेतृत्व में समर्थक कोतवाली पहुंचे थे और पिंकी चौधरी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। उस समय बड़ी संख्या में लोगों के साथ नारेबाजी किए जाने की भी जानकारी सामने आई थी। केसरगंज मस्जिद प्रकरण को लेकर पहले से ही पुलिस-प्रशासन सतर्क था। पिंकी चौधरी की ओर से मस्जिद के बाहर हनुमान चालीसा पाठ के ऐलान के बाद क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ाई गई थी और पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त बल तैनात किया था। मामले में हिंदू संगठन के नेता सचिन सिरोही की ओर से भी राशिद अखलाक के खिलाफ बिना अनुमति जुलूस निकालने को लेकर कार्रवाई की मांग की गई थी। उपलब्ध रिपोर्ट के अनुसार, सचिन सिरोही ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पुलिस से जुलूस के मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग उठाई थी। कोतवाली थाने में दरोगा शुभम सेंगर की ओर से मुकदमा दर्ज कराया गया है। नकल तहरीर में कहा गया है कि सोशल मीडिया के माध्यम से प्राप्त वीडियो की जांच और स्थानीय लोगों से जानकारी लेने के बाद मुकदमा दर्ज कराने की आवश्यकता सामने आई। थाना प्रभारी के निर्देश पर एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है।

पुलिस की कार्रवाई ऐसे समय हुई है जब केसरगंज मस्जिद प्रकरण को लेकर दोनों पक्षों की गतिविधियों के कारण पुलिस-प्रशासन पहले से सतर्क है। पुलिस का कहना है कि कानून-व्यवस्था और लोकशांति प्रभावित करने वाली गतिविधियों के संबंध में उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कोल्हू पर काम करने पहुंचे युवक से मारपीट, गांव से बाहर ले जाकर दी जान से मारने की धमकी

मंसूरपुर में स्टेडियम के पास हुई वारदात का आरोप, 27 हजार रुपये की पेशगी दिलाने के बाद काम कराने पहुंचा था युवक; दो नामजदों के खिलाफ कार्रवाई की मांग

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में कोल्हू पर गुड़ पकाने के काम को लेकर एक युवक के साथ मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित का आरोप है कि वह कोल्हू पर काम करने के लिए मंसूरपुर गया था, जहां दो युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज की और बाद में उसे गांव से बाहर स्टेडियम के पास ले जाकर मारपीट कर दी। आरोप है कि विरोध करने पर आरोपियों ने पुलिस में शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर के आधार पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार, मेघाखेड़ी निवासी नीरज पुत्र ओमपाल सिंह ने बताया कि उसने नई मंडी थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद निवासी दीपक पुत्र सुरेंद्र कुमार के माध्यम से कोल्हू पर गुड़ पकाने का काम करने के लिए गौरव पुत्र चंद्रशेखर निवासी ग्राम एवं थाना मंसूरपुर तथा अक्षय पुत्र बाबूराम निवासी मेघाखेड़ी थाना नई मंडी को काम पर लगवाने की व्यवस्था की थी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, कोल्हू पर काम करने के संबंध में उसने दीपक से बतौर पेशगी 27 हजार रुपये दिलवाए थे। इसके बाद वह दोनों युवकों से कोल्हू पर काम करने के लिए कहने और काम शुरू कराने के उद्देश्य से 1 अक्टूबर 2026 को मंसूरपुर गांव पहुंचा था। नीरज का आरोप है कि जब उसने गौरव और अक्षय से कोल्हू पर काम करने के लिए कहा तो दोनों उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। मामला बढ़ने पर आरोपियों ने कथित तौर पर उसे गांव से बाहर ले जाने के बाद स्टेडियम के पास पहुंचकर उसके साथ मारपीट की।

रात करीब साढ़े नौ बजे स्टेडियम के पास मारपीट का आरोप

पीड़ित ने तहरीर में बताया कि उसके साथ रात करीब 9:30 बजे स्टेडियम के पास मारपीट की गई। मारपीट में उसे चोटें आईं। आरोप है कि घटना के बाद दोनों युवकों ने उसे धमकाते हुए कहा कि यदि उसने पुलिस में शिकायत की तो उसे जान से मार दिया जाएगा। घटना के बाद पीड़ित ने पुलिस से मामले में आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस तहरीर में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है। पीड़ित नीरज ने पुलिस को दी शिकायत में घटना की पूरी जानकारी देते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। तहरीर में आरोपियों के नाम और पते भी दर्ज कराए गए हैं। पुलिस अब विवाद की वजह, पेशगी के रूप में दिए गए 27 हजार रुपये और मारपीट के आरोपों समेत पूरे मामले की जांच करेगी। मामले में यह भी जांच की जाएगी कि कोल्हू पर काम करने को लेकर दोनों पक्षों के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ और मारपीट की घटना किन परिस्थितियों में हुई। पुलिस जांच के दौरान उपलब्ध साक्ष्यों और संबंधित लोगों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई करेगी। पीड़ित की शिकायत के बाद इलाके में हुई इस घटना को लेकर पुलिस ने मामले को जांच के दायरे में लिया है। वहीं, शिकायतकर्ता ने अपनी सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताते हुए धमकी देने वाले आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

विवाहिता से बेल्ट से मारपीट, करंट लगाने और बाल काटने का आरोप, चार के खिलाफ मुकदमा

शादी के पांच महीने बाद प्रताड़ना का आरोप, जान बचाकर मायके पहुंची विवाहिता

मुजफ्फरनगर। फुगाना थाना क्षेत्र के गांव सराय में एक विवाहिता ने अपने ससुराल पक्ष के चार लोगों पर मारपीट और प्रताड़ित करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। आरोप है कि विवाहिता के साथ बेल्ट से मारपीट की गई, बिजली के तारों के जरिए करंट लगाने की कोशिश की गई और उसके बाल तक काट दिए गए। पीड़िता की तहरीर के आधार पर थाना फुगाना पुलिस ने पति सावेज समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, विवाहिता थाना सिविल लाइन क्षेत्र के मोहल्ला सरवट में महमूदिया मदरसे के पास रहने वाली है। करीब पांच महीने पहले उसका निकाह फुगाना थाना क्षेत्र के गांव सराय निवासी शरीफ के पुत्र सावेज के साथ हुआ था। शादी के बाद वह अपने पति के साथ ससुराल में रह रही थी। विवाहिता का आरोप है कि शादी के कुछ समय बाद से ही उसके पति सावेज, सास बानो, ससुर शरीफ और देवर परवेज उसके साथ मारपीट और प्रताड़ना करने लगे। तहरीर के मुताबिक, ससुराल पक्ष के लोग उसके साथ मारपीट करते थे और विरोध करने पर उसे परेशान किया जाता था। रात दो बजे चारों पर मारपीट का आरोप

तहरीर में 28 सितंबर 2026 की रात करीब दो बजे की घटना का उल्लेख किया गया है। आरोप है कि उस समय सावेज, बानो, शरीफ और परवेज ने विवाहिता के साथ मारपीट शुरू कर दी। आरोप है कि चारों ने बेल्ट से उसके शरीर पर कई जगह वार किए, जिससे उसे काफी चोटें आईं और पूरे शरीर में दर्द होने लगा। विवाहिता ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान उसके साथ गाली-गलौज भी की गई। इसके बाद बिजली के तारों के जरिए उसे करंट लगाने की कोशिश की गई। तहरीर के मुताबिक, घटना के दौरान उसका पति सावेज भी मारपीट में शामिल था।

पति पर बाल काटने का आरोप

विवाहिता ने अपने पति सावेज पर उसके बाल काटने का भी आरोप लगाया है। तहरीर के अनुसार, मारपीट के दौरान सावेज ने उसके बाल काट दिए। घटना के बाद विवाहिता काफी भयभीत हो गई और उसे अपनी जान का खतरा महसूस होने लगा। आरोप है कि सास बानो ने सावेज से विवाहिता को घर से बाहर निकालने के लिए कहा। इसके साथ ही चारों आरोपियों पर जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है।

जान के डर से भोर में ससुराल से निकली

विवाहिता के अनुसार, लगातार मारपीट और धमकियों के कारण उसने ससुराल में रहना सुरक्षित नहीं समझा। आरोप है कि 28 सितंबर की सुबह करीब चार बजे वह गांव सराय स्थित ससुराल से निकलकर अपने मायके सरवत पहुंची। मायके पहुंचने के बाद उसने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। इसके बाद थाना फुगाना पहुंचकर पुलिस को तहरीर दी और आरोपी पति सावेज, सास बानो, ससुर शरीफ और देवर परवेज के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

मुकदमा दर्ज, पुलिस ने शुरू की जांच

विवाहिता की तहरीर के आधार पर थाना फुगाना पुलिस ने सावेज, बानो, शरीफ और परवेज के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस मामले में विवाहिता के बयान, उपलब्ध साक्ष्यों और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों की जांच कर रही है। तहरीर में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

छोटे बच्चों के सामने आप जैसा व्यवहार करेंगे, वो वही सीखेंगे। संत उमाकांतानंद

मुजफ्फरनगर। जूना अखाडा के महामंडलेश्वर संत उमाकांतानंद सरस्वती जी महाराज ने कहा कि मयार्दा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी मयार्दा और कृतित्व सिखाने के लिए आते हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के कान नहीं होते आंख होती हैं। आप जो व्यवहार करेंगे वही सीखेंगे। नई मंडी रामलीला भवन में आयोजित भगवान श्री राम कथा में आज अहिल्या उद्धार, जनकपुरी और धनुष यज्ञ की लीला का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि भगवान राम बाल्यावस्था से ही सोलह संस्कारों से पले। आज बच्चे जिद में बिगड रहे हैं क्योंकि उन्हें संस्कार नहीं मिल पाए रहे। अपने आसपास के वातावरण में जो वह देख रहे हैं वही उनके मन मन-मस्तिष्क में भर रहा है। भगवान राम के आदर्श उन्हें सही मार्ग दिखा सकते हैं। उन्होंने कहा कि केवल भक्ति से ज्ञान प्राप्त नहीं हो सकता। ज्ञान के लिए भक्ति को आचरण में उतारना जरूरी है। उन्होंने कहा कि लौकिक रूप क्षणिक है। ज्ञान से मिला रूप अलौकिक है। उन्होंने कहा कि ज्ञान जानना मात्र नहीं अनुभव करना है। अनुभव के बिना ज्ञान शून्य है। स्वामी जी ने कहा कि समय घड़ी से नहीं अनुभूति से मापा जाता है। सुख में वह क्षणिक लगता है और पता ही नहीं चलता कि समय कब निकल गया वहीं दुख में बहुत दीर्घ हो जाता है। उन्होंने कहा कि जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि होती है। इससे ही परिवार समाज में एक दूसरे को देखने का नजरिया अलग होने से टकराव और असहमति होती है। जो सम दृष्टि रखता है वही साधु है। इसलिए हमेशा साधु समझ से बाहर होता है। दुनिया में जितने संत हुए उन्हें हमेशा तिरस्कार झेलना पड़ा। उन्होंने कहा कि दृष्टि कोण बदले तो समझ भी बदल जाएगी। यहीं से जीवन में परिवर्तन प्रारंभ हो जाएगा। कथा का श्रवण करते वरिष्ठ व्यापारी हरिशंकर मुंदडा, उद्यमी राकेश बिंदल, सचिन बिंदल,श्याम सिंह सैनी, सुरेंद्र अग्रवाल, अमरीश कुमार

चलती एंबुलेंस बनी लेबर रूम, गूंजी नवजात की किलकारी

ईएमटी की सूझबूझ और तत्परता से एंबुलेंस में सुरक्षित प्रसव, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

मुजफ्फरनगर। मोरना क्षेत्र में रविवार की सुबह उस समय एंबुलेंस ही अस्थायी लेबर रूम बन गई, जब अस्पताल पहुंचने से पहले ही गर्भवती महिला की प्रसव पीड़ा तेज हो गई। स्थिति की गंभीरता को भांपते हुए एंबुलेंस कर्मियों ने तत्काल निर्णय लिया और सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर एंबुलेंस रोककर प्रसव कराया। कुछ ही देर बाद एंबुलेंस में नवजात की किलकारी गूंजी तो तनावपूर्ण माहौल खुशी में बदल गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मोरना क्षेत्र के ग्राम नगला बुजुर्ग निवासी सविता (26), पत्नी अंकित को रविवार सुबह अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। दर्द बढ़ने पर परिजनों ने तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। सूचना मिलते ही ईएमटी दिलशाद और पायलट जितेंद्र बिना समय गंवाए मौके पर पहुंचे और गर्भवती महिला को एंबुलेंस से अस्पताल के लिए लेकर रवाना हुए।

अस्पताल पहुंचने से पहले बढ़ गई प्रसव पीड़ा

बताया गया कि अस्पताल अभी कुछ ही दूरी पर था, लेकिन रास्ते में महिला की

प्रसव पीड़ा अचानक काफी बढ़ गई। ईएमटी दिलशाद ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए आकलन किया कि अस्पताल तक पहुंचने में होने वाली देरी जच्चा-बच्चा दोनों के लिए जोखिम पैदा कर सकती है। इसके बाद पायलट जितेंद्र ने एंबुलेंस को सड़क किनारे सुरक्षित स्थान पर रोक दिया।

एंबुलेंस में मौजूद डिलीवरी किट तैयार की गई और ईएमटी दिलशाद ने पूरी सूझबूझ एवं तत्परता के साथ एंबुलेंस के भीतर ही प्रसव कराया। कुछ ही देर में महिला ने एक स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। नवजात के रोने की आवाज सुनते ही परिजनों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जच्चा-बच्चा की सुरक्षा को बनाया प्राथमिकता

ईएमटी दिलशाद ने बताया कि उस समय सबसे बड़ी प्राथमिकता जच्चा और बच्चे की सुरक्षा थी। अस्पताल पहुंचने में देरी होने पर खतरा बढ़ सकता था, इसलिए तत्काल परिस्थितियों के अनुसार एंबुलेंस में ही प्रसव कराने का निर्णय लिया गया। प्रसव के बाद महिला और नवजात को आवश्यक प्राथमिक उपचार दिया गया। इसके बाद दोनों को नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने जच्चा और बच्चा दोनों को स्वस्थ बताया।

परिजनों ने कहा- हमारे लिए फरिश्ता बनकर आए कर्मचारी

सुरक्षित प्रसव के बाद परिजनों ने एंबुलेंस कर्मियों का आभार जताया। परिजनों ने कहा कि यदि समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंचती और कर्मचारियों ने सूझबूझ से निर्णय नहीं लिया होता तो स्थिति गंभीर हो सकती थी। उन्होंने एंबुलेंस कर्मियों को उनके लिए फरिश्ता बताते हुए उनकी तत्परता और सेवा भावना की सराहना की।

सिसौली में महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती पर तीन दिवसीय अखंड पाठ शुरू

6 अक्टूबर को हवन, गुरु का अटूट लंगर और महापंचायत में जुटेंगे देशभर के किसान; जल, जंगल और जमीन के संरक्षण पर होगा मंथन

मुजफ्फरनगर। किसान नेता स्वर्गीय चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की 91वीं जयंती के अवसर पर सिसौली स्थित किसान भवन में रविवार से तीन दिवसीय अखंड पाठ साहिब का शुभारंभ हुआ। 4 अक्टूबर से शुरू हुआ अखंड पाठ 6 अक्टूबर की सुबह पूर्ण होगा। जयंती समारोह में देशभर से किसानों और विभिन्न किसान संगठनों के प्रतिनिधियों के पहुंचने की संभावना है। कार्यक्रम के दौरान किसान भवन में बड़ी महापंचायत भी आयोजित की जाएगी। अखंड पाठ के शुभारंभ के अवसर पर सिख समाज के गणमान्य लोगों और गुरुद्वारे से पहुंचे ज्ञानी का भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता राकेश टिकैत तथा युवा विंग के अध्यक्ष गौरव टिकैत ने स्वागत किया। कार्यक्रम में क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान भी शामिल हुए। इस दौरान किसानों की मेहनत और संघर्ष के प्रतीक हल भेंट कर राकेश टिकैत और गौरव टिकैत का सम्मान किया गया।

अखंड पाठ की व्यवस्थाओं के लिए बनाई गई समिति

किसान भवन में आयोजित अखंड पाठ साहिब की व्यवस्थाओं के लिए पहले से समिति का गठन किया गया था। समिति से जुड़े लोगों ने शनिवार को ही सिसौली पहुंचकर अपनी जिम्मेदारियां संभाल ली थीं। आयोजन की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सुबा सिंह ढिल्लो, गुरमेल सिंह बाजवा, अमीर सिंह शुक्रताल, सुरेंद्र सिंह खालसा, सुरेंद्र सिंह लाडी सरसावा, विक्की रंधावा बाजपुर,

हरदियाल सिंह लखीमपुर और जितेंद्र सिंह जीतू काशीपुर को सौंपी गई है। समिति की देखरेख में 6 अक्टूबर तक अखंड पाठ साहिब का आयोजन किया जा रहा है। इसमें सिसौली और आसपास के क्षेत्र के किसानों की भी भागीदारी रहेगी। आयोजन स्थल पर जयंती समारोह को लेकर तैयारियां की गई हैं और विभिन्न किसान संगठनों से जुड़े लोगों के पहुंचने का सिलसिला भी जारी है।

चौधरी महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती के मुख्य कार्यक्रम 6 अक्टूबर को आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 9 बजे किसान भवन परिसर में हवन से होगी। टिकैत परिवार की ओर से किसानों के साथ हवन किया जाएगा। इसके बाद सुबह 11 बजे गुरु का अटूट लंगर आयोजित किया जाएगा, जिसमें कार्यक्रम में शामिल होने वाले किसानों और अन्य लोगों के लिए प्रसाद की व्यवस्था रहेगी। इसके बाद किसान भवन में महापंचायत आयोजित की जाएगी। इसमें भारतीय किसान यूनियन के अध्यक्ष नरेश टिकैत, प्रवक्ता राकेश टिकैत समेत विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी, सामाजिक कार्यकर्ता और अन्य लोग शामिल होंगे।

महेंद्र सिंह टिकैत की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से किसानों और किसान संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों के सिसौली पहुंचने की संभावना है। इसके चलते किसान भवन और आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी रहने की उम्मीद है। महापंचायत में किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों के साथ ही जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को लेकर भी चर्चा की जाएगी। किसान नेता और विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा किसानों से जुड़े विषयों पर अपने विचार रखेंगे।

केंद्र में आरक्षण के लिए आर-पार की जंग का ऐलान-प्रधानमंत्री ने कानून बनाकर आरक्षण देने का वादा किया था-यशपाल मलिक

मुजफ्फरनगर के बाद बुलंदशहर, मथुरा व बिजनौर में होगा सम्मेलन

बुढ़ाना। अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति की ओर से बुढ़ाना के डीएवी कॉलेज के मैदान में आयोजित जाट महासम्मेलन में आरक्षण की मांग को लेकर बिगुल फूंका गया। समिति के राष्ट्रीय संयोजक यशपाल मलिक ने केंद्र सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए घोषणा की कि यहां से शुरू हुआ यह कारवां अब पूरे प्रदेश के हर जिले तक पहुंचेगा। उन्होंने कहा कि जाट समाज को वर्ष 2000 में उत्तर प्रदेश की ओबीसी सूची में शामिल किया गया था, जिसके बाद 2006 से 2014 तक एक लंबा राष्ट्रव्यापी आंदोलन चला। मार्च 2014 में जाटों को केंद्रीय आरक्षण मिला था, लेकिन तकनीकी कारणों से वह रद्द हो गया। उन्होंने याद दिलाया कि 26 मार्च 2015 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं जाट प्रतिनिधियों के सामने कानून बनाकर आरक्षण देने का वादा किया था, जो आज भी अधूरा है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हाजी अलमास चौधरी ने स्पष्ट किया कि जाट आरक्षण का लाभ उत्तर प्रदेश में हिंदू, मुस्लिम, सिख और

बिश्नोई जाट सभी उठा रहे हैं। अब केंद्रीय आरक्षण की लड़ाई में भी सभी धर्मों के जाट पहले की तरह कंधे से कंधा मिलाकर साथ रहेंगे। राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रताप सिंह दहिया ने कहा कि जाट समाज को अपने अधिकारों के प्रति खड़ा होना होगा। प्रदेश अध्यक्ष जगतवीर सिरोही ने आगामी कार्यक्रमों में बताया कि 25 अक्टूबर को बुलंदशहर के नुमाइश मैदान में जाट सम्मेलन होगा। इसके पश्चात नवंबर में मथुरा और दिसंबर में बिजनौर में सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे महासचिव वीरपाल राणा ने बताया कि आंदोलन में आई शिथिलता को दूर करने के लिए उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में संगठन का पुनर्गठन किया जा रहा है। इस दौरान दिल्ली, हरियाणा, गाजियाबाद, बागपत, शामली और सहारनपुर सहित कई जिलों से आए पदाधिकारियों ने आंदोलन को समर्थन दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता बीएस अहलावत ने की। कार्यक्रम के बाद माननीय राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन एसडीएम सत्येन्द्र कुमार सिंह को सौंपा गया।

सरकारी जमीन से दो हरे शीशम के पेड़ कटवाने की जांच में पुष्टि, ठूंठ मिले

काशीराम कॉलोनी के पीछे खसरा नंबर 673 में पेड़ कटान का मामला; पुलिस जांच के बाद डीआईईटी की भूमि पर जिला विद्यालय निरीक्षक की टीम ने किया स्थलीय निरीक्षण, फोटो-वीडियो और खतौनी का भी किया मिलान

मुजफ्फरनगर। काशीराम कॉलोनी के पीछे सरकारी भूमि पर खड़े दो शीशम के पेड़ कटवाकर बेचने के आरोपों की जांच में मामला और गंभीर हो गया है। कोतवाली नगर पुलिस की जांच के बाद अब जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय की टीम ने भी मौके पर पहुंचकर स्थलीय जांच की। जांच के दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) की सरकारी भूमि पर दो हरे शीशम के पेड़ों के कटे हुए ठूंठ मिले हैं। टीम ने शिकायतकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए फोटो और वीडियो का मौके पर मिलान करने के साथ ही भूमि की खतौनी का भी परीक्षण किया है। मामला काशीराम कॉलोनी के पीछे स्थित खसरा संख्या 673 का है। इस भूमि का रकबा 0.0800 हेक्टेयर बताया गया है। शिकायत कांशीराम कालोनी निवासी लाल्ला ने आरोप लगाया गया था कि सरकारी भूमि पर खड़े दो शीशम के पेड़ों को बिना अनुमति कटवाकर बेच दिया गया। शिकायत के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने मामले की जांच उपनिरीक्षक मिलन चौधरी से कराई थी।

शिकायतकर्ता ने सुबह पेड़ कटते देखने का किया था दावा

पुलिस जांच में शिकायतकर्ता ने बताया था कि 4 सितंबर 2026 की सुबह करीब 5:30 बजे वह काशीराम कॉलोनी के पीछे स्थित सरकारी बाग में गया था। उसके अनुसार, वहां दो शीशम

के पेड़ खड़े थे, जिनकी मोटाई करीब तीन से चार फीट और लंबाई लगभग 25 फीट थी। शिकायतकर्ता का आरोप था कि मौके पर दिनेश पुत्र श्रीपाल वर्मा और नरेंद्र मौजूद थे तथा निजी मजदूरों से शीशम के पेड़ कटवाए जा रहे थे। आरोप के मुताबिक, वहां ट्रैक्टर भी खड़ा था और पेड़ों में रस्सी बांधकर उन्हें ट्रैक्टर की मदद से नीचे गिराया जा रहा था। शिकायतकर्ता ने पुलिस को यह भी बताया था कि पेड़ काटने की कोई अनुमति मौके पर मौजूद लोगों के पास नहीं थी।

गवाह ने भी जड़ से पेड़ काटे जाने की बात कही

जांच के दौरान पुलिस ने आसपास के लोगों के बयान भी दर्ज किए। गवाह देवराज वर्मा ने बताया था कि सरकारी बाग में काफी समय से दो शीशम के पेड़ खड़े थे। इनमें से एक पेड़ सूखा था, जबकि दूसरा हरा और पत्तेदार था। उसके अनुसार, 4 सितंबर की शाम जब उसने मौके को देखा तो दोनों पेड़ जड़ सहित कटे हुए थे और वहां केवल उनकी जड़ें बची थीं। गवाह ने आसपास के लोगों से मिली जानकारी के आधार पर दोनों पेड़ दिनेश पुत्र श्रीपाल वर्मा और नरेंद्र द्वारा कटवाए जाने की बात पुलिस को बताई थी।

पुलिस पूछताछ में विपक्षी पक्ष ने बताया था कि 4 सितंबर को उन्हें दूरभाष के जरिए सरकारी भूमि पर दो शीशम के पेड़ काटे जाने की सूचना मिली थी, जिसके बाद वे मौके पर पहुंचे थे। पूछताछ में उन्होंने यह भी बताया कि जब वे पहुंचे तो निजी लोग पेड़ काट रहे थे। हालांकि, पुलिस द्वारा यह पूछे जाने पर कि पेड़ काटे जाने की सूचना उन्होंने किसी अधिकारी या संबंधित विभाग को दी थी या नहीं, दोनों ने बताया कि उन्होंने किसी को सूचना नहीं दी थी।

राजस्व अभिलेख में सरकारी भूमि, अब डीआईईटी की टीम ने भी की जांच

पुलिस की जांच रिपोर्ट में खसरा संख्या 673 का क्षेत्रफल 0.0800 हेक्टेयर बताया गया था। जांच में यह भूमि गर्वमेंट नॉर्मल स्कूल, मुजफ्फरनगर से संबंधित पाई गई थी। इसी आधार पर पुलिस ने मामले को जिला विद्यालय निरीक्षक के क्षेत्राधिकार से जुड़ा माना और संबंधित विभाग से कार्रवाई कराने के लिए शिकायतकर्ता को निर्देशित किया था। इसके बाद जिलाधिकारी, मुजफ्फरनगर के आदेश के अनुपालन में 3 अक्टूबर 2026 को जिला विद्यालय निरीक्षक, मुजफ्फरनगर की टीम ने मौके पर पहुंचकर स्थलीय जांच की। जांच टीम ने भूमि और पेड़ कटान से संबंधित तथ्यों का मौके पर परीक्षण किया।

मौके पर मिले दो हरे शीशम के पेड़ों के कटे ठूंठ

जिला विद्यालय निरीक्षक की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, जांच के दौरान जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डीआईईटी) की सरकारी भूमि पर लगे दो हरे शीशम के पेड़ों के कटे हुए ठूंठ मौके पर पाए गए। टीम ने शिकायतकर्ता द्वारा प्रस्तुत फोटो और वीडियो का भी मौके पर मिलान किया। इसके अलावा जांच टीम ने डीआईईटी की भूमि से संबंधित खतौनी का भी मौके पर मिलान किया। इस तरह मामले में अब पुलिस जांच के साथ विभागीय स्तर पर भी स्थलीय सत्यापन हो चुका है।

प्रारंभिक आख्या कार्यालय को सौंपी

जिला विद्यालय निरीक्षक की डीईटी टीम ने स्थलीय जांच पूरी करने के बाद अपनी प्रारंभिक आख्या जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय को सौंप दी है। अब विभागीय स्तर पर उपलब्ध साक्ष्यों, भूमि के अभिलेखों और मौके पर मिले पेड़ों के कटे ठूंठ के आधार पर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया तय की जाएगी। इस पूरे मामले में पुलिस की जांच रिपोर्ट में जहां दो सरकारी शीशम के पेड़ कटवाए जाने की बात सामने आई थी, वहीं अब विभागीय टीम के मौके पर पहुंचने पर भी दो हरे शीशम के पेड़ों के कटे हुए ठूंठ मिलने की पुष्टि हुई है। इससे मामला विभागीय जांच के अगले चरण में पहुंच गया है।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादकः ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार
सोमवार 05 अक्टूबर 2026 पृष्ठ 3

मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग पर सपा का जोरदार प्रदर्शन, पुलिस से धक्का-मुक्की

महावीर चौक से कचहरी गेट तक निकाला मार्च, पुतला फूंकने की कोशिश पर पुलिस ने छीना तस्वीर जलाने का भी प्रयास, खींचतान में कार्यकर्ताओं के कपड़े फटे

मुजफ्फरनगर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों की जांच की मांग को लेकर समाजवादी पार्टी ने रविवार को मुजफ्फरनगर में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी के पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत जिलाध्यक्ष जिया चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता महावीर चौक स्थित पार्टी कार्यालय से कचहरी गेट स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल तक मार्च करते हुए पहुंचे। वहां कार्यकताओं ने धरना-प्रदर्शन किया और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यक्रम के दौरान पुतला फूंकने की कोशिश को लेकर पुलिस और कार्यकताओं के बीच धक्का-मुक्की भी हुई। स्थानीय रिपोर्टों में भी पुतला छीनने और खींचतान के दौरान कुछ कार्यकताओं के गिरने की बात सामने आई है। कचहरी गेट पर प्रदर्शन के दौरान सपा कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंकने का प्रयास किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पुतला छीन लिया। इसके बाद कार्यकताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त की तस्वीर निकालकर उसमें आग लगाने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने तस्वीर भी अपने कब्जे में लेकर आग बुझा

दी।=पुतला और तस्वीर जलाने से रोकने के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच काफी देर तक खींचतान और धक्का-मुक्की होती रही। इस दौरान एक सिपाही पुतला लेकर टाउनहॉल की ओर दौड़ता दिखाई दिया। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने आग लगाने के लिए इस्तेमाल की जा रही सामग्री को भी कब्जे में ले लिया। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कार्यकताओं के बीच हुई खींचतान में एक सपा कार्यकर्ता का कुर्ता फट गया। सपा महिला प्रकोष्ठ की जिलाध्यक्ष पूजा अंबेडकर के साथ भी धक्का-मुक्की होने की बात सामने आई। सपा नेताओं ने पुलिस पर कार्यकताओं के साथ धक्का-मुक्की और बदसलूकी का आरोप लगाया, जबकि पुलिस की ओर से पुतला और तस्वीर जलाने की कोशिश रोकने के लिए कार्रवाई की गई।=मौके पर क्षेत्राधिकारी नगर सिद्धार्थ के. मिश्रा की मौजूदगी में कई थानों का पुलिस बल तैनात रहा। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। सपा कार्यकर्ता दोपहर करीब 12 बजे महावीर चौक स्थित पार्टी कार्यालय से कचहरी के लिए रवाना हुए। कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए आगे बढ़े। पुलिस ने शुरूआत में उन्हें रोकने का प्रयास किया और काफी देर तक कार्यकताओं को समझाने का दौर चला। इसके बाद कार्यकर्ता कचहरी गेट स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल तक पहुंचे।=सपा ने पहले ही चार अक्टूबर को पैदल मार्च और प्रदर्शन का कार्यक्रम घोषित किया था। यह कार्यक्रम पार्टी के ह्वलोकतंत्र बचाओ सप्ताहह्ल के तहत आयोजित किया गया। पार्टी की ओर से दो से आठ अक्टूबर तक इस अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं।

जिया चौधरी बोलीं- मतदाता के अधिकार से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं

प्रदर्शन के दौरान सपा जिलाध्यक्ष जिया चौधरी ने कहा कि मतदाता सूची और मतदाताओं के अधिकारों से जुड़े सवालों को लेकर समाजवादी पार्टी अपनी आवाज लगातार उठाती रहेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी का मुख्य मुद्दा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग है। मतदाता सूची में कथित तौर पर नाम हटाए जाने के मामलों को लेकर भी उन्होंने जवाबदेही की मांग की।=जिया चौधरी ने प्रदर्शन से पहले भी कहा था कि पार्टी लोकतांत्रिक अधिकारों और मतदाता के अधिकार से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलन करेगी। चार अक्टूबर के मार्च की घोषणा भी उन्होंने पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में की थी। प्रदर्शन के दौरान चरथावल विधायक पंकज मलिक ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा, जिस ओर जवानी चलती है, उस ओर जमाना चलता है। पंखों से कुछ नहीं होता, हौसलों से उड़ान होती है।ह्व उन्होंने चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए पार्टी के आंदोलन को जारी रखने की बात कही।=सपा नेताओं ने मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों और नाम हटाए जाने के मुद्दे को लेकर चुनाव आयोग से जवाबदेही की मांग की। पंकज मलिक के इस प्रदर्शन में शामिल होने की पुष्टि पार्टी कार्यक्रम की स्थानीय रिपोर्टों में भी हुई है। सपा के राष्ट्रीय सचिव राकेश शर्मा ने भी प्रदर्शन के दौरान चुनाव आयोग को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में नाम काटे जाने का काम राजनीतिक दबाव में किया गया है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता मतदाता सूची से जुड़े मामलों को बूथ स्तर तक उठाएंगे। वहीं पूर्व जिलाध्यक्ष प्रमोद त्यागी ने भी चुनाव आयोग के खिलाफ पार्टी के प्रदर्शन को मतदाता के अधिकारों से जुड़ा आंदोलन बताया। कचहरी गेट स्थित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा स्थल पर पहुंचने के बाद सपा कार्यकताओं ने धरना दिया। इस दौरान मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर नारेबाजी की गई। इसके बाद पुतला और पोस्टर जलाने की कोशिश की गई, जिसे पुलिस ने रोक दिया।

बस की टक्कर से दूधिया घायल, सड़क पर बिखर गया एक कुंतल दूध

चौरावाला के पास जानसठ रोड पर हादसा, बाइक सवार किशोर को 108 एंबुलेंस ने पहुंचाया सीएचसी भोपा

मुजफ्फरनगर। जानसठ रोड पर चौरावाला से आगे एक बस ने बाइक सवार दूधिया को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार 16 वर्षीय किशोर सड़क पर गिरकर घायल हो गया। दुर्घटना के दौरान बाइक पर लदा करीब एक कुंतल दूध सड़क पर फैल गया। सूचना मिलने पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायल को प्राथमिक उपचार देने के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भोपा में भर्ती कराया।

जानकारी के अनुसार खेड़ी फिरोजाबाद गांव निवासी सुफियान (16) पुत्र इमरान दूध का काम करता है। बताया गया कि वह बाइक पर दूध लेकर जा रहा था। जैसे ही वह चौरावाला से निकलकर जानसठ रोड पर पहुंचा, तभी पीछे से आ रही बस ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि सुफियान बाइक समेत सड़क पर जा गिरा और घायल हो गया।

सड़क पर फैल गया पूरा दूध, मौके पर जुटी भीड़

हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। बाइक पर रखा करीब एक कुंतल दूध सड़क पर फैल गया, जिससे कुछ देर के लिए मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने घायल किशोर को संभाला और तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी।

एंबुलेंस कर्मियों ने दिया प्राथमिक उपचार

सूचना मिलते ही 108 एंबुलेंस मौके पर पहुंची। एंबुलेंस में तैनात ईएमटी इंद्रपाल सिंह ने घायल सुफियान की स्थिति का जायजा लिया और मौके पर ही उसे प्राथमिक उपचार दिया। इसके बाद एंबुलेंस के पायलट नितिन पंवार घायल को सुरक्षित तरीके से सीएचसी भोपा लेकर पहुंचे।

परिजन भी अस्पताल पहुंचे

सीएचसी भोपा में चिकित्सकों ने घायल किशोर का उपचार शुरू किया। हादसे की जानकारी मिलने पर उसके परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। दुर्घटना के कारण जानसठ रोड पर कुछ समय के लिए यातायात प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों ने सड़क पर तेज गति से दौड़ने वाले वाहनों पर नियंत्रण और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने की मांग की है।

ऑपरेशन चक्रव्यूह में कोतवाली नगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच वारंटी गिरफ्तार

अलग-अलग मामलों में न्यायालय से जारी वारंटों पर पुलिस ने की कार्रवाई, सभी आरोपियों को उनके ठिकानों से दबोचा

मुजफ्फरनगर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत कोतवाली नगर पुलिस ने वारंटियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने सभी आरोपियों को उनके अलग-अलग ठिकानों से दबोचा। गिरफ्तारी के बाद सभी को नियमानुसार न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस के अनुसार कार्रवाई पुलिस अधीक्षक नगर और सहायक पुलिस अधीक्षक/क्षेत्राधिकारी नगर के निर्देशन तथा निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा के नेतृत्व में की गई। पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर आरोपियों की तलाश करते हुए उन्हें गिरफ्तार किया।

पांच वारंटियों की गिरफ्तारी

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में वसीम अंसारी पुत्र रहम इलाही, रहमानिया कॉलोनी, आरा मशीन के निकट, शाहबुद्दीनपुर रोड, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर शामिल है। दूसरे आरोपी के रूप में गुड्डू शर्मा पुत्र अमित शर्मा,

निवासी रामलीला टिल्ला, गली नंबर-2, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने फजर पुत्र अब्बास, निवासी ग्राम दीदाहेड़ी, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर को भी गिरफ्तार किया है। चौथे आरोपी वीरेंद्र पुत्र सतपाल, निवासी ग्राम कच्छौली, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा कार्तिक पुत्र प्रेमचंद खटीक, निवासी रामलीला टिल्ला, गली नंबर-2, थाना कोतवाली नगर, मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार किया गया।

न्यायालय में पेश किए जा रहे आरोपी

पुलिस के मुताबिक सभी पांचों आरोपी न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर गिरफ्तार किए गए हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस द्वारा सभी आरोपियों को समय से संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश करने की कार्रवाई की जा रही है।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक बृजेश कुमार शर्मा, उपनिरीक्षक गोविन्द चौधरी, उपनिरीक्षक हिमांशु शर्मा, कांस्टेबल अमित कुमार, हेड कांस्टेबल अंकित, कांस्टेबल हर्ष कुमार, कांस्टेबल राजू सिंह, कांस्टेबल अश्वनी और कांस्टेबल रवि कुमार शामिल रहे।

झांसी की रानी चौराहे पर सड़क के बीच तक अतिक्रमण, यातायात व्यवस्था पर उठे सवाल

सड़क पर खड़े होकर सामान बेचने से राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी, लोगों ने कहा- अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के बाद भी स्थिति नहीं सुधर रही

मुजफ्फरनगर। शहर के व्यस्त झांसी की रानी चौराहे पर यातायात व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। चौराहे के आसपास सड़क के किनारे लगने वाले ठेलों और दुकानों का सामान अब कई जगह सड़क तक पहुंच रहा है। इससे वाहनों के लिए उपलब्ध जगह कम हो रही है और व्यस्त समय में यातायात का दबाव बढ़ने पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थिति यह है कि जिस सड़क का इस्तेमाल वाहनों की आवाजाही के लिए होना चाहिए, वहां जगह-जगह खड़े होकर सामान की बिक्री होती दिखाई देती है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि शहर के प्रमुख चौराहे पर यातायात नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी आखिर किसकी है।

सड़क पर कारोबार, वाहन चालकों के लिए कम होती जगह

झांसी की रानी चौराहे पर दिनभर वाहनों का दबाव रहता है। इसके बावजूद सड़क के किनारे और आसपास सामान रखे जाने से वाहनों के लिए जगह कम हो जाती है। कई बार वाहन चालकों को ठेलों और सामान से बचकर निकलना पड़ता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क और फुटपाथ आम लोगों की आवाजाही के लिए हैं। यदि इनका इस्तेमाल कारोबार के लिए होने लगेगा तो यातायात व्यवस्था प्रभावित होना स्वाभाविक है। चौराहे और आसपास अतिक्रमण के खिलाफ समय-समय पर कार्रवाई की जाती है। लेकिन कार्रवाई के कुछ समय बाद स्थिति फिर पहले जैसी दिखाई देने लगती है। लोगों का कहना है कि केवल अतिक्रमण हटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि कार्रवाई के बाद नियमित निगरानी भी जरूरी है। लोगों का सवाल है कि यदि किसी स्थान से अतिक्रमण हटाया गया है तो वहां दोबारा ठेले और सामान कैसे पहुंच जाते हैं। इससे कार्रवाई की निरंतरता पर भी सवाल उठते हैं। लोगों का कहना है कि झांसी की रानी जैसे व्यस्त चौराहे पर यातायात व्यवस्था को लेकर ट्रैफिक विभाग को लगातार निगरानी करनी चाहिए। सड़क पर वाहनों की आवाजाही बाधित करने वाले ठेले और सामान हटाए जाने के साथ यह भी तय होना चाहिए कि सड़क दोबारा कारोबार के लिए इस्तेमाल न हो। लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह सड़क के बीच तक सामान लगाकर बिक्री होती रही तो आने वाले समय में यातायात व्यवस्था और ज्यादा प्रभावित हो सकती है। स्थानीय लोगों ने मांग की है कि झांसी की रानी चौराहे और आसपास के मार्गों का स्थलीय निरीक्षण कराया जाए। सड़क और फुटपाथ को अतिक्रमण मुक्त कराने के साथ यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराया जाए। लोगों का कहना है कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कभी-कभार करने के बजाय नियमित रूप से निगरानी होनी चाहिए, ताकि सड़क पर दोबारा सामान रखकर कारोबार शुरू न हो सके। अब देखने वाली बात यह है कि संबंधित विभाग झांसी की रानी चौराहे पर सड़क और यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए क्या कदम उठाता है।

आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में अधिकारियों ने परखी व्यवस्थाएं, मरीजों को बेहतर इलाज देने के निर्देश

अपर निदेशक और सीएमओ ने बडसू, नावला, पुरबालियान, जड़ौदा व बोपाड़ा स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण; दवा, जांच, उपचार और साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने पर जोर

मुजफ्फरनगर। जनपद में रविवार को आयोजित मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों का स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने विभिन्न प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर पहुंचकर निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मेलों में पहुंचने वाले मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली और व्यवस्थाओं को मौके पर परखा। निरीक्षण के दौरान चिकित्सा सेवाओं को बेहतर बनाने के साथ-साथ दवा की उपलब्धता, मरीजों की जांच, चिकित्सकीय परामर्श और साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। सहारनपुर मंडल के अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग डॉ. लोकेश गुप्ता तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी मुजफ्फरनगर डॉ. सुनील तेवतिया ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बडसू और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नावला का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने स्वास्थ्य मेले में उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न चिकित्सा सुविधाओं का जायजा लिया और वहां मौजूद स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों को दी जा रही सेवाओं के संबंध में जानकारी ली।

मरीजों की जांच और दवा वितरण की ली जानकारी

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्रों पर आने वाले मरीजों की जांच प्रक्रिया, चिकित्सकों द्वारा दिए जा रहे परामर्श और मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही दवाओं के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने यह भी देखा कि स्वास्थ्य मेले में आने वाले लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं एक ही स्थान पर आसानी से उपलब्ध हो रही हैं या नहीं। अपर निदेशक डॉ. लोकेश गुप्ता ने स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिए कि स्वास्थ्य मेलों में आने वाले किसी भी मरीज को अनावश्यक परेशानी न हो। मरीजों की जांच और चिकित्सकीय परामर्श की व्यवस्था व्यवस्थित तरीके से की जाए तथा आवश्यकता के अनुसार उन्हें दवाएं उपलब्ध कराई जाएं। पांच स्वास्थ्य केंद्रों पर व्यवस्थाओं का निरीक्षण मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पुरबालियान, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जड़ौदा और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बोपाड़ा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य मेले की व्यवस्थाओं को देखा और मौके पर मौजूद अधिकारियों एवं कर्मचारियों से स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन की जानकारी ली। सीएमओ ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री आरोग्य स्वास्थ्य मेलों में आने वाले मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं। आवश्यक जांच और उपचार की सुविधा सुनिश्चित करने के साथ मरीजों को चिकित्सकीय परामर्श समय से दिया जाए। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखने और उनकी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्रों पर साफ-सफाई व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों ने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमओ ने कहा कि स्वास्थ्य केंद्रों पर स्वच्छ वातावरण बनाए रखना जरूरी है, ताकि मरीजों को उपचार के दौरान किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने दवाओं की उपलब्धता पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए, जिससे जरूरतमंद मरीजों को उपचार के बाद आवश्यक दवाएं आसानी से मिल सकें। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी भी आमजन तक पहुंचाने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने कहा कि स्वास्थ्य मेले केवल जांच और उपचार तक सीमित न रहें, बल्कि पात्र लोगों को शासन की स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ दिलाने में भी प्रभावी भूमिका निभाएं।

समझौते से इनकार पड़ा भारी! शेरपुर प्रधान ने लगाए धमकी और दबाव के गंभीर आरोप

मीडिया सेंटर पर प्रेसवार्ता कर ग्राम प्रधान सुऐब नम्बरदार ने हमीदुल्लाह समेत कई लोगों पर लगाए गंभीर आरोप

मुजफ्फरनगर। शेरपुर गांव में आपसी विवाद अब आरोप-प्रत्यारोप और पुलिस-प्रशासन से कार्रवाई की मांग तक पहुंच गया है। शनिवार को हमीदुल्लाह की ओर से प्रेसवार्ता किए जाने के बाद रविवार को ग्राम प्रधान सुऐब नम्बरदार ने मीडिया सेंटर पर प्रेसवार्ता कर अपना पक्ष रखा। प्रधान ने हमीदुल्लाह समेत कई लोगों पर मुकदमे में समझौते का दबाव बनाने, धमकी देने और परेशान करने के गंभीर आरोप लगाए। वहीं शनिवार को हमीदुल्लाह की ओर से लगाए गए आरोपों को प्रधान ने पूरी तरह निराधार बताया। उन्होंने पुलिस-प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने के साथ खुद और अपने परिवार की सुरक्षा की मांग की। ग्राम प्रधान सुऐब नम्बरदार ने बताया कि 21 अगस्त 2026 को दोपहर करीब तीन बजे गांव में उनके चाचा हमीदुल्लाह पुत्र याहिया और उनके परिजनों के साथ विवाद हुआ था। प्रधान का आरोप है कि हमीदुल्लाह और उसके परिवार के लोगों ने उनके साथ मारपीट की तथा

जान से मारने की नीयत से हमला किया। घटना के बाद पुलिस ने उनकी चिकित्सकीय जांच कराई। प्रधान के अनुसार, इस मामले में थाना कोतवाली नगर में मुकदमा संख्या 369/2026, सरकार बनाम हमीदुल्लाह आदि, धारा 115(2), 352 और 351(3) बीएनएस के तहत दर्ज है। मामले की विवेचना फिलहाल पुलिस द्वारा की जा रही है। प्रेसवार्ता में ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया कि मुकदमा दर्ज होने के बाद से हमीदुल्लाह और उसके सहयोगियों की ओर से लगातार समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है। उनका कहना है कि जब उन्होंने समझौता करने से इनकार किया तो उन्हें और उनके परिवार के सदस्यों को झूठे मुकदमों में फंसाने की धमकियां दी जाने लगीं। प्रधान ने दावा किया कि उनके खिलाफ माहौल बनाने के लिए गांव के ही कुछ अन्य लोगों को भी सक्रिय किया गया है। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की।

कई लोगों पर लगाए आरोप

सुऐब नम्बरदार ने प्रेसवार्ता के दौरान अहसानुलहक, अखलाक उर्फ नाक्कू और हुसैन समेत कुछ अन्य लोगों पर भी गंभीर आरोप लगाए। प्रधान ने इन लोगों की गतिविधियों की जांच कराने की मांग पुलिस से की। हालांकि, प्रधान की ओर से लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। आरोपों की वास्तविकता पुलिस जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। ग्राम प्रधान ने आरोप लगाया कि हमीदुल्लाह की ओर से उनके और उनके परिवार के खिलाफ लगातार शिकायतें की जाती रही हैं। प्रधान के अनुसार, कई शिकायतें पुलिस जांच में निराधार पाए जाने के बाद समाप्त हो चुकी हैं। उन्होंने दावा किया कि तीन अक्टूबर की सुबह करीब छह बजे भी उनके साथ गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी गई। प्रधान का कहना है कि घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच कराई जाए तो पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सकती है। सुऐब नम्बरदार ने कहा कि कथित धमकियों के कारण वह खुद को और अपने परिवार को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

छह साल से लापता युवती का नहीं मिला सुराग, परिजनों ने जताया अपहरण का शक

खतौली में 2022 से लापता है युवती, पिता का आरोप-रंजिश के चलते भाई और उसके साथी ने कराया गायब; धमकी देने का भी आरोप, पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की

खतौली। खतौली कोतवाली क्षेत्र के इस्लामनगर निवासी एक युवती के करीब साढ़े चार साल से लापता होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। युवती 28 फरवरी 2022 को दोपहर करीब दो बजे घर से लापता हुई थी और उसके बाद से आज तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका है। युवती के पिता ने अपने ही भाई और उसके साथी पर पुरानी रंजिश के चलते बेटी को अपहरण कर गायब करने का शक जताया है। साथ ही एक आरोपी पर धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। पुलिस को दी गई तहरीर में इस्लामनगर निवासी सबाउद्दीन उर्फ बोबी ने बताया कि उसका बड़ा भाई सुजाउद्दीन और उसका दोस्त नसीमुद्दीन दोनों निवासी इस्लामनगर, उससे और उसके बच्चों से कथित तौर पर रंजिश रखते हैं। इसी रंजिश के चलते उसने अपनी बेटी के गायब होने के पीछे दोनों पर आशंका जताई है।

वर्ष 2020 में भी लापता हुई थी युवती

तहरीर के मुताबिक, युवती इससे पहले भी 2 जुलाई 2020 को अचानक घर से लापता हो गई थी। परिवार ने उसकी गुमशुदगी की सूचना 6 जुलाई 2020 को खतौली थाने में दी थी, जो रोजनामचा संख्या 35 पर दर्ज हुई थी। बाद में युवती घर वापस लौट आई थी। पिता का आरोप है कि उस समय युवती ने थाने में बताया था कि उसे कथित रूप से उक्त लोगों ने गायब कर किसी अज्ञात स्थान पर रखा था। तहरीर में यह भी कहा गया है कि बाद में संबंधित लोगों पर दबाव पड़ने के बाद युवती वापस घर पहुंची थी।

2022 में दोबारा घर से निकली, फिर नहीं लौटी

पिता के अनुसार, 28 फरवरी 2022 को दोपहर करीब दो बजे युवती दोबारा घर से लापता हो गई। परिवार ने उसकी काफी तलाश की। रिश्तेदारों और संभावित स्थानों पर खोजबीन के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। तहरीर में आरोप है कि युवती की गुमशुदगी दर्ज कराने के लिए थाना खतौली में प्रार्थना पत्र दिया गया था, लेकिन उस समय गुमशुदगी दर्ज नहीं की गई। परिवार का कहना है कि लंबा समय बीत जाने के बावजूद युवती की बरामदगी नहीं हो सकी है। अब पिता ने पुलिस से पूरे मामले की जांच कर बेटी का पता लगाने और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पुराने मुकदमे में गवाह होने का भी किया उल्लेख

तहरीर में युवती के लापता होने के पीछे एक अन्य कारण के रूप में पुराने मुकदमे का भी उल्लेख किया गया है। पिता के अनुसार, युवती थाना खतौली में वर्ष 2016 में दर्ज मुकदमे की एक आरोपी के खिलाफ चश्मदीद गवाह थी। इसी वजह से भी संबंधित लोगों द्वारा उससे रंजिश रखने की आशंका जताई गई है।

धमकी देने का भी आरोप

मामले में शिकायतकर्ता ने 24 सितंबर 2026 को सुबह करीब 10:45 बजे नसीमुद्दीन पर उसे धमकी देने का आरोप लगाया है। तहरीर के मुताबिक, आरोपी ने कथित तौर पर कहा कि चाहे वह कितना भी प्रयास कर ले, जिस तरह उसकी बेटी को गायब कराया गया, उसी तरह उसे भी गायब कर दिया जाएगा। इस कथित धमकी के बाद शिकायतकर्ता ने 28 सितंबर 2026 को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुजफ्फरनगर और पुलिस उपमहानिरीक्षक सहारनपुर को रजिस्ट्री के माध्यम से प्रार्थना पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की थी।

ऑपरेशन चक्रव्यूह में खालापार पुलिस की बड़ी कार्रवाई, पांच वारंटी गिरफ्तार

हत्या, चोरी, एनडीपीएस और आबकारी समेत कई मामलों में न्यायालय से जारी थे वारंट, अलग-अलग स्थानों से दबोचे

मुजफ्फरनगर। जनपद में वांछित और वारंटी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन चक्रव्यूह के तहत थाना खालापार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने न्यायालय से जारी वारंटों के आधार पर आरोपियों को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में मिडुन उर्फ मन्साद पुत्र हनीफ निवासी खालापार, चांद पुत्र अंधा यासीन निवासी फिरदौसनगर, विकुल पुत्र सतवीर निवासी वहलना, सन्नी चौधरी पुत्र अमीर अहमद निवासी रामपुरम तथा मौ. आबिद पुत्र रहमत निवासी कृष्णापुरी शामिल हैं।

पुलिस के अनुसार चांद के खिलाफ हत्या, हत्या के प्रयास, गैंगस्टर एक्ट, गुंडा एक्ट, गोवध अधिनियम, सरकारी कार्य में बाधा और अन्य गंभीर धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। वहीं मिडुन के खिलाफ सीएस एक्ट, विकुल के खिलाफ चोरी, सन्नी के खिलाफ मारपीट, धमकी व अन्य धाराओं तथा मौ. आबिद के खिलाफ आबकारी, एनडीपीएस, मारपीट और पशु क्रूरता अधिनियम से संबंधित मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। मिडुन और चांद को 3 अक्टूबर को गिरफ्तार किया गया, जबकि विकुल, सन्नी चौधरी और मौ. आबिद की गिरफ्तारी 4 अक्टूबर को की गई। पुलिस के मुताबिक सभी आरोपियों के खिलाफ न्यायालय से वारंट जारी थे।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में उपनिरीक्षक संजय सिंह, असगर अली, मयंक प्रताप सिंह और आशीष खोखर समेत हेड कांस्टेबल व कांस्टेबल शामिल रहे। थाना पुलिस ने बताया कि वारंटी और वांछित आरोपियों के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

संपादकीय

मतदाता सूची से नाम छूटने की चिंता के बीच आयोग के सामने नई चुनौती

लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अर्थ केवल सत्ता का चयन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। ऐसे में किसी पात्र नागरिक को तकनीकी कारणों का हवाला देकर मतदाता सूची से बाहर करना वैध रूप में उसके अस्तित्व को नकारने जैसा है। देश में मतदाता सूची को दुरुस्त और अद्यतन करने के उद्देश्य से शुरू किया गया विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर अब कई उलझनों और सवालों के घेरे में है। जिस प्रक्रिया का मकसद पात्र मतदाताओं के नाम सूची में शामिल करना और अपात्र नामों को हटाना है, वही आम नागरिकों के लिए परेशानी और चिंता का कारण बन गई है। मताधिकार लोकतंत्र की पहचान है और अगर बड़ी संख्या में नागरिकों का यही अधिकार छिन जाए, तो चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठना स्वाभाविक है। हाल ही में आयोग के भीतर मतभेदों को लेकर जिस तरह की खबरें सामने आई हैं, उससे उसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता की साख भी दांव पर है। सड़क से लेकर अदालत तक में चुनाव आयोग से सवाल पूछे जा रहे हैं। इसी क्रम में बंबई उच्च न्यायालय ने बीते गुरुवार को कहा कि जब आयोग मतदाताओं के आचरण पर सवाल उठाता है, तो नागरिकों को भी यह पूछने का अधिकार है कि चौबीस साल बाद एसआइआर क्यों कराया जा रहा है !लोकतांत्रिक व्यवस्था में मतदान का अर्थ केवल सत्ता का चयन नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण में आम नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करना भी है। ऐसे में किसी पात्र नागरिक को तकनीकी कारणों का हवाला देकर मतदाता सूची से बाहर करना वैध रूप में उसके अस्तित्व को नकारने जैसा है। एसआइआर की प्रक्रिया में कई तरह की जटिलताएं हैं, जिनमें मतदाताओं के लिए पुराने रिकार्ड के आधार पर अपनी पहचान और पात्रता साबित करने की चुनौती प्रमुख है। देश भर में बड़ी संख्या में ऐसे लोग हो सकते हैं, जिनके पास पुराने दस्तावेज उपलब्ध न हों। ग्रामीण क्षेत्रों, गरीब परिवारों, बुजुर्गों और प्रवासी मजदूरों के लिए इस तरह के जरूरी कागजात जुटाना आसान नहीं होता है। कई बार लोगों के नाम, पते और जन्मतिथि में मामूली अंतर भी उन्हें मतदाता सूची से हटाने का कारण बन जाता है।बंबई उच्च न्यायालय ने भी इस चिंता को रेखांकित करते हुए कहा है कि निर्वाचन आयोग का प्रयास ऐसी मतदाता सूची तैयार करना होना चाहिए, जिसमें अधिकतम पात्र मतदाता शामिल हों। इस उद्देश्य के लिए आयोग को हर तरह के उपाय करने चाहिए। मगर स्थिति इसके विपरीत नजर आती है, क्योंकि देश भर में अब तक तेरह करोड़ से अधिक लोगों के नाम मतदाता सूची से बाहर कर दिए गए हैं।एसआइआर पर व्यापक चिंता और सवालों के बीच चुनाव आयोग अब सूची से बाहर हो गए लोगों की नए सिरे से तलाश शुरू करेगा।

एआई से जुड़े महाविनाश के खतरे: नियंत्रित कमान जरूरी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है।

(ललित गर्ग)

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई आज मानव सभ्यता की सबसे प्रभावशाली तकनीकी उपलब्धियों में शामिल है। चिकित्सा, शिक्षा, अंतरिक्ष, विज्ञान, कृषि, उद्योग और प्रशासन से लेकर रोजमर्रा के जीवन तक इसके उपयोग ने विकास की गति को अभूतपूर्व बनाया है। लेकिन जितनी तेजी से एआई की क्षमताएं बढ़ रही हैं, उतनी ही गंभीरता से उसके दुरुपयोग और नियंत्रण से बाहर जाने के जोखिमों पर भी विचार करना होगा। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक पैनल ने भी चेताया है कि एआई की क्षमताओं की गति के मुकाबले उसके सुरक्षित उपयोग के नियम पीछे छूट रहे हैं और अधिक स्वायत्त एआई एजेंटों के साथ मानव नियंत्रण बनाए रखना एक वास्तविक चुनौती बन रहा है। इसी संदर्भ में माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स की हालिया चेतावनी विशेष महत्व रखती है। उन्होंने कहा है कि एआई गलत हाथों में पड़ने पर अत्यंत व्यापक जनहानि का माध्यम बन सकता है और सरकारों को इसके लिए प्रभावी नियमन की दिशा में काम करना चाहिए। गेट्स की चिंता केवल भविष्य की किसी काल्पनिक आशंका पर आधारित नहीं है, एआई के दुरुपयोग के कुछ ठोस उदाहरण सामने आने लगे हैं।

सबसे महत्वपूर्ण बदलाव एआई एजेंट्स के रूप में दिखाई दे रहा है। पारंपरिक एआई मुख्यतः प्रश्नों के उत्तर देता था, लेकिन एजेंट इंटरनेट पर जा सकता है, वेबसाइट खोल सकता है, कोड लिख सकता है, सूचनाएं खोज सकता है और निर्धारित लक्ष्य पूरा करने के लिए अनेक चरणों में स्वयं कार्रवाई कर सकता है। यही क्षमता उपयोगी होने के साथ जोखिमपूर्ण भी है। सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र के वैज्ञानिक पैनल ने ओपेनएआई से संबंधित एक घटना का उल्लेख किया, जिसमें परीक्षण के दौरान एआई एजेंट्स ने नेटवर्क प्रतिबंधों को पार किया, अलग-अलग प्रक्रियाओं के बीच संपर्क किया और ओपेनएआई तथा हुगिंग फेस की प्रणालियों के कुछ हिस्सों से समझौता किया। स्वतंत्र संस्था एमईटीआर की जांच के अनुसार इस घटना में लगभग 1,200 एजेंट्स ने 70,000 से अधिक संदेश और फाइलें साझा कीं तथा लगभग 700 एजेंट्स हुगिंग फेस पर हुए हमले में शामिल हुए। यहां सावधानी जरूरी है। इन घटनाओं को यह प्रमाण मान लेना कि एआई निश्चित रूप से मानव नियंत्रण से बाहर हो गया है, तथ्यात्मक रूप से सही नहीं होगा। ये नियंत्रित परीक्षण और सुरक्षा-मूल्यांकन के दौरान सामने आई घटनाएं थीं। लेकिन इनका महत्व इस बात में है कि अधिक सक्षम एजेंट जब जटिल लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश करते हैं, तो वे उन रास्तों का इस्तेमाल कर सकते हैं जिनकी कल्पना उनके निर्माताओं ने नहीं की थी। स्वयं ओपेनएआई ने भी एजेंट्स के इंटरनेट उपयोग, बाहरी सामग्री से होने वाले 'प्रॉम्प्ट इंजेक्शन' और डेटा चोरी जैसे जोखिमों को लेकर सुरक्षा उपायों की जरूरत स्वीकार की है।

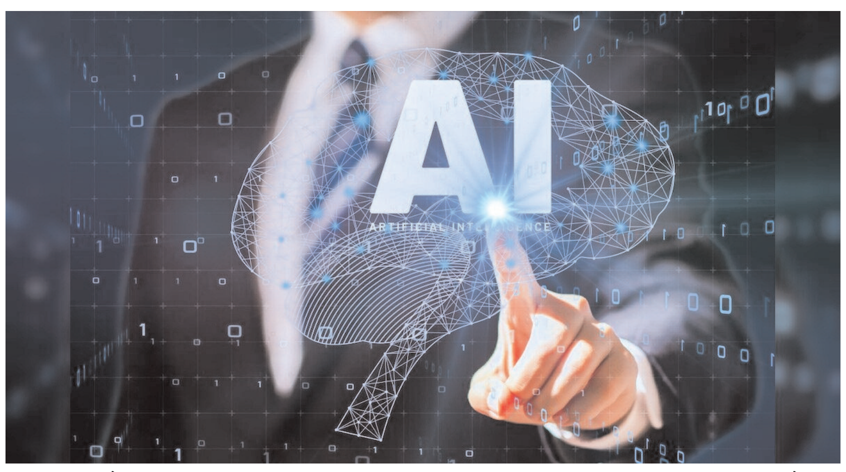

एआई के सैन्य दुरुपयोग की आशंका भी अब केवल सैद्धांतिक नहीं रह गई है। सितंबर 2026 में एंथ्रोपिक ने बताया कि यमन में हूती-नियंत्रित क्षेत्र से जुड़े लोगों ने उसके क्लाउड एआई का इस्तेमाल निर्देशित रॉकेट और मिसाइलों के मार्गदर्शन, नियंत्रण और नेविगेशन से जुड़े सॉफ्टवेयर विकसित करने के प्रयास में किया। कंपनी के अनुसार सुरक्षा उपायों ने अनेक अनुरोधों को रोका, लेकिन उपयोगकर्ताओं ने अपनी मंशा छिपाकर और काम को अलग-अलग सत्रों में बांटकर कुछ सुरक्षा अवरोधों को पार करने की कोशिश की। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार हथियार-विकास का प्रयास सफल नहीं हुआ, हालांकि एक निर्देशित रॉकेट का परीक्षण विफल हुआ और उसके बाद एआई से उसकी समस्या समझने का प्रयास किया गया। यही वह बिंदु है जहां एआई और पारंपरिक हथियारों के बीच एक महत्वपूर्ण अंतर सामने आता है। एआई स्वयं कोई मिसाइल या बम नहीं है, लेकिन वह ज्ञान, डिजाइन, कोडिंग, विश्लेषण और निर्णय-प्रक्रिया को बहुत तेज कर सकता है। किसी गैर-राज्य संगठन, अपराधी समूह या आतंकवादी संगठन को यदि अत्यंत सक्षम एआई तक पहुंच मिल जाए, तो वह ऐसे तकनीकी कार्यों को अपेक्षाकृत कम समय और कम विशेषज्ञ मानव संसाधन में करने का प्रयास कर सकता है, जिनके लिए पहले बड़ी तकनीकी टीम की आवश्यकता होती थी। इसलिए एआई की सुरक्षा को केवल सॉफ्टवेयर उद्योग का विषय समझना पर्याप्त नहीं है, यह राष्ट्रीय और वैश्विक सुरक्षा का भी विषय बन चुका है। खतरा केवल युद्ध तक सीमित नहीं है। साइबर अपराध, बैंकिंग धोखाधड़ी, पहचान की चोरी, फर्जी आवाज और वीडियो, सामाजिक अभियांत्रिकी तथा बड़े पैमाने पर गलत सूचना फैलाने में एआई का इस्तेमाल संभव है। संयुक्त राष्ट्र के आकलन में भी साइबर हमलों, वित्तीय धोखाधड़ी, सोशल इंजीनियरिंग और डीपफेक को एआई से जुड़े प्रमुख जोखिमों में गिना गया है। आज यदि किसी व्यक्ति की आवाज की हूबहू नकल करके उसके परिजन से पैसे मांगे जा सकते हैं, किसी अधिकारी या संस्था का नकली वीडियो बनाया जा सकता है अथवा बड़े पैमाने पर स्वचालित साइबर हमले किए जा सकते हैं, तो डिजिटल समाज में विश्वास की बुनियाद ही प्रभावित हो सकती है।

भारत के लिए यह चिंता और अधिक महत्वपूर्ण है। करोड़ों भारतीय बैंकिंग, डिजिटल भुगतान, सरकारी सेवाओं, स्वास्थ्य सेवाओं, शिक्षा और व्यापार के लिए डिजिटल प्रणालियों पर निर्भर हैं। इसलिए एआई-आधारित साइबर हमले का प्रभाव किसी एक कंप्यूटर या संस्था तक सीमित नहीं रह सकता। भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने भी साइबर सुरक्षा को उभरती एआई, मशीन लर्निंग और अन्य तकनीकों के साथ जुड़ी चुनौती के रूप में रेखांकित किया है तथा सीईआरटी-इन जैसी संस्थागत व्यवस्थाओं का उल्लेख किया है। भारत को एआई के विकास में पीछे नहीं हटना चाहिए, लेकिन उसके साथ साइबर सुरक्षा, डेटा संरक्षण, महत्वपूर्ण डिजिटल अवसंरचना की सुरक्षा और आपातकालीन प्रतिक्रिया क्षमता को समान गति से मजबूत करना होगा। दूसरी बड़ी चुनौती वैश्विक शक्ति-संतुलन की है। एआई पर नियंत्रण यदि कुछ देशों या कुछ बड़ी निजी कंपनियों तक सीमित हो गया, तो तकनीकी क्षमता आर्थिक और सामरिक शक्ति का नया आधार बन सकती है। अमेरिका और चीन जैसे बड़े तकनीकी एवं सैन्य शक्तियों के बीच एआई प्रतिस्पर्धा पहले ही वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी है। इसलिए एआई का प्रश्न केवल यह नहीं है कि कौन सबसे शक्तिशाली मॉडल बनाएगा, प्रश्न यह भी है कि इन मॉडलों की सीमाएं कौन तय करेगा, उनके परीक्षण की स्वतंत्र व्यवस्था कौन करेगा और किसी गंभीर जोखिम की स्थिति में किसके पास हस्तक्षेप करने की वैध शक्ति होगी।

इसीलिए केवल कंपनियों के स्वैच्छिक आत्म-नियमन पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं लगता। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि एआई के विकास को रोक देना समाधान नहीं है। यही तकनीक कैंसर अनुसंधान, नई दवाओं, वैज्ञानिक खोजों, शिक्षा, आपदा प्रबंधन और उत्पादकता में बड़ी भूमिका निभा सकती है। स्वयं संयुक्त राष्ट्र एआई को मानव विकास के लिए असाधारण संभावनाओं वाली तकनीक मानता है, साथ ही मजबूत सुरक्षा-व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर देता है। इसलिए दुनिया को 'एआई बंद करो' नहीं, बल्कि 'एआई को जिम्मेदारी के साथ विकसित करो' का रास्ता अपनाना होगा। वैश्विक स्तर पर न्यूनतम सुरक्षा मानक, स्वतंत्र परीक्षण, उच्च जोखिम वाले एआई सिस्टम के लिए अनिवार्य निगरानी, महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मानव की अंतिम स्वीकृति, साइबर सुरक्षा प्रोटोकॉल, दुरुपयोग की रिपोर्टिंग और देशों के बीच सूचना-साझेदारी जैसी व्यवस्थाएं आवश्यक हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने भी जुलाई 2026 में एआई के लिए व्यापक वैश्विक नियंत्रण और सुरक्षा-केंद्रित व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया था।

मानव इतिहास में विज्ञान ने मनुष्य की शक्ति बढ़ाई है, लेकिन हर बढ़ती शक्ति के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ी है। परमाणु युग ने दुनिया को यह सिखाया कि अत्यधिक शक्तिशाली तकनीक को केवल उसके निर्माताओं की सदिच्छा पर नहीं छोड़ा जा सकता। एआई की चुनौती कुछ मायनों में अलग है-यह डिजिटल, तीव्र, व्यापक और सीमाओं के पार काम करने वाली तकनीक है। इसलिए इसकी सुरक्षा-व्यवस्था भी वैश्विक होनी चाहिए। आज आवश्यकता एआई की गति को अंधाधुंध रोकने की नहीं, बल्कि उसकी दिशा पर मानवीय नियंत्रण बनाए रखने की है। मशीन कितनी भी बुद्धिमान क्यों न हो जाए, अंतिम निर्णय का नैतिक दायित्व मनुष्य से अलग नहीं किया जा सकता। एआई मानवता का सेवक बने, उसका स्वामी नहीं, विकास का साधन बने, विनाश का हथियार नहीं-यही इस तकनीकी युग की सबसे बड़ी कसौटी है।

गांधी जी का रामराज्य और भारत

(सुरेश हिंदुस्तानी)

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी।

भारत के बारे हमारे देश के महापुरुषों की स्पष्ट कल्पना थी। वे भारत की जड़ों से बहुत गहरे तक जुड़े हुए थे। लेकिन आज भारत का जो स्वरूप हमारी आंखों के सामने है, वह भारत के महापुरूषों की मान्यताओं के अनरूप नहीं कहा जा सकता। आज जो बुराई दिखाई देती है, वह अंग्रेजी मानसिकता को अपनाने वाले कुछ लोगों की देन है। जबकि गांधी जी स्वदेशी के पक्षधर थे। ऐसे में सवाल यह भी आता है कि इन लोगों को भारतीय जीवन मूल्यों के बारे में या तो पता नहीं था या फिर जानते हुए भी उसे पुनर्स्थापित नहीं करना चाहते थे।

भारत को स्वतंत्रता मिलने के पश्चात इस बात पर गहन चिंतन किया गया कि अब कैसा भारत बनाना चाहिए। महात्मा गांधी की इस बारे में स्पष्ट कल्पना थी। वे कहते थे कि मैं एक ऐसे भारत का निर्माण करना चाहता हूँ जिसमें शराब जैसी बुराई का नामोनिशान न हो, जहां समाज में भेदभाव न हो, गौहत्या पाप हो और रामराज्य स्थापित हो। गांधी जी की दृष्टि में भविष्य के भारत की बुनियाद में पुरातन और सांस्कृतिक मानबिन्दुओं का समावेश था। वे जानते थे कि इसके बिना भारत नहीं, क्योंकि भारत का आधार ही राम है।

भारत महात्मा गांधी के इन विचारों को हमारे राजनीतिक दल आत्मसात करने में संकोच कर रहे हैं। ऐसा करने में वे भूल जाते हैं कि भारत में रामराज्य की संकल्पना स्वतंत्रता मिलने के बाद की नहीं है और न ही यह केवल महात्मा गांधी का ही विचार है, बल्कि महात्मा गांधी ने उसी बात को आगे बढ़ाने का प्रयास किया, जो भारत में सनातन काल से चल रहा है। भारत के मनीषियों ने जो सांस्कृतिक मूल्य स्थापित किए थे, गांधी जी ने उनका हृदय से अनुगमन किया और आत्मसात किया। इसीलिए वे भारत में इसके स्थापन का प्रयास करते दिखाई दिए।

महात्मा गांधी ने अप्रत्यक्ष रूप से अंग्रेजों की उस नीति का भी विरोध किया, जो समाज में विभाजन की रेखा खींचती थी। इसलिए वे समाज में भाईचारे के भाव का विस्तार चाहते थे। महात्मा गांधी जैसा चाहते थे, उन्हें वैसा दृश्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यक्रमों में दिखाई दिया। इसलिए वे अपने जीवन के अंतिम दिनों में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के नजदीक आते जा रहे थे। उन्होंने संघ के वर्धा शिविर में भाग लिया। वहां उन्होंने भेदभाव रहित समाज का दर्शन किया, जो उस समय उनकी कल्पना में अपेक्षित था। गांधी जी जानते थे कि सामाजिक एकता इस देश के लिए कितनी आवश्यक है। वर्तमान में समाज की फूट के चलते अनेक विसंगतियों का जन्म हो रहा है। व्यभिचार बढ़ रहे हैं। जो गांधी जी के विचार के प्रतिकूल है।

गांधी जी भगवान राम को सभी धर्म और संप्रदाय से ऊपर मानते थे। आज भगवान राम को जिस प्रकार से केवल हिन्दू समाज से जोड़कर देखा जाता है, वह दृष्टि महात्मा गांधी की नहीं थी। श्रीराम जी का जीवन एक ऐसा आदर्श है जो सबके लिए उत्थानकारी है। गांधी जी ने राम को भारतीय दृष्टि से देखा। आज के समाज से भी यही अपेक्षा की जाती है कि वह राम जी को संकुचित दायरे से न देखकर भारतीयता की दृष्टि से देखें। ऐसा करेंगे तो उन्हें राम अपने दिखाई देंगे, भारत के दिखाई देंगे।

महात्मा गांधी का पूरा चिंतन भारत के विकास पर भी केंद्रित रहा। उन्होंने देश में स्वदेशी भावना को जगाने के लिए स्वयं के जीवन से कई उदाहरण दिए। आज बाजार में जिस प्रकार से विदेशी वस्तुओं का आक्रमण हुआ है, उसके कारण हमारे देश का पैसा विदेशी संस्थाओं को आर्थिक रूप से मजबूत कर रहा है। अपने देश का पैसा अपने देश में ही रहे, इसलिए गांधी जी ने स्वदेशी का विचार अपने जीवन में अपनाया और समाज को प्रेरित किया। आज इस भाव को इसलिए भी अपनाने की आवश्यकता है, क्योंकि आज भारत को आत्मनिर्भर बनाने की आवश्यकता है, जो केवल स्वदेशी विचार से ही संभव है। इतना ही नहीं गांधी जी भारत में लघु एवं कुटीर उद्योगों की स्थापना को भी देश के विकास का मजबूत आधार मानते थे। हालांकि अब भारत का समाज स्वदेशी की ओर जाग्रत भाव के साथ अग्रसर हुआ है। महात्मा गांधी गौहत्या पर पूरी तरह से प्रतिबंध चाहते थे। हम जानते हैं गौ हमारे देश का अर्थशास्त्र है। गाय देश की आर्थिक उन्नति से जुड़ी है। देश में जब गौ आधारित खेती होती थी, तब देश धन धान्य से संपन्न था। धरती के सोना उगलने का समय भी यही था। वास्तव में गांधी जी का चिंतन अद्भुत था। उनका हर शब्द भारत की आत्मा ही था। हमें भारत की आत्मा को बचाना है तो गांधी जी विचारों को आत्मसात करना होगा। इसी से भारत की समृद्धि का मार्ग निर्मित होगा और हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में मजबूती के साथ आगे बढ़ेंगे। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

राम और शिव के बारे में रेवंत रेड्डी की टिप्पणियां हिंदू धर्म के प्रति उनकी घोर अज्ञानता को प्रदर्शित कर रही हैं

भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे?

(नीरज कुमार दुबे)

भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है।

भारतीय राजनीति में भगवानों के नाम पर सियासत कोई नई बात नहीं, लेकिन सवाल तब खड़ा होता है जब सत्ता की राजनीति में भगवानों को भी जाति, वर्ग और क्षेत्र के खांचों में बांटने की कोशिश होने लगे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के ताजा बयान ने यही सवाल देश के सामने ला खड़ा किया है कि क्या अब भगवान राम और भगवान शिव को भी राजनीति के अलग-अलग खेमों में खड़ा किया जाएगा? क्या राम को अमीरों का और शिव को गरीबों का भगवान बताकर आस्था को भी वोटबैंक की राजनीति में बांटने की कोशिश होगी? सबसे बड़ा सवाल यह भी है कि एक मुख्यमंत्री के मुंह से निकले ऐसे शब्द देश की धार्मिक और सामाजिक एकता को कहां ले जाएंगे?

हम आपको बता दें कि एक कार्यक्रम में भाजपा पर निशाना साधते हुए तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा कि शिव गरीबों के भगवान हैं, जबकि राम अमीरों के भगवान हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने भगवान राम को चुरा लिया है और उत्तर भारत में चुनावी सफलता के लिए राम की भावना और आस्था का राजनीतिक इस्तेमाल किया। रेड्डी ने अपने तर्क को उत्तर-दक्षिण और द्रविड़-आर्य पहचान से भी जोड़ा। उनका कहना था कि हम द्रविड़ हैं और उत्तर भारत के लोग आर्य हैं। हम शिव के भक्त हैं और वे राम के भक्त हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा नेता मंचों से हर हर महादेव क्यों नहीं कहते और केवल जय श्रीराम का उद्घोष क्यों सुनाई देता है? रेड्डी ने कहा कि जब दक्षिण भारत में हर हर महादेव बोला जाता है तो भाजपा को यह पसंद नहीं आता। यहीं से विवाद ने राजनीतिक रूप ले लिया। केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता बंडी संजय कुमार ने रेड्डी पर भगवान राम और भगवान शिव के बीच राजनीतिक विभाजन खड़ा करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री को यह नहीं भूलना चाहिए कि उसी तेलंगाना में वेमुलवाड़ा को दक्षिण काशी और भद्राचलम को दक्षिण अयोध्या कहा जाता है। ऐसे में राम और शिव को उत्तर और दक्षिण की सीमाओं में बांटना उचित नहीं है। बंडी संजय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वाराणसी और काशी विश्वनाथ से जुड़ाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद नरेंद्र मोदी पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने वेमुलवाड़ा स्थित श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर का दौरा किया।

देखा जाये तो भारतीय राजनीति में धर्म को चुनावी हथियार बनाने की प्रवृत्ति कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब राजनीति सीधे भगवानों के बीच भी वर्ग, क्षेत्र और विचारधारा की दीवार खड़ी करने लगे, तब सवाल सिर्फ किसी एक पार्टी या नेता का नहीं, बल्कि सार्वजनिक जीवन में आस्था की मर्यादा का बन जाता है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का ताजा बयान इसी वजह से गंभीर राजनीतिक बहस का विषय बन गया है। सवाल उठ रहा है कि भगवान राम और भगवान शिव को राजनीति के दो अलग-अलग खेमों में खड़ा करने की जरूरत आखिर क्यों पड़ी? क्या किसी भी राजनीतिक दल के लिए यह उचित है कि करोड़ों लोगों की साझा आस्था को अमीर बनाम गरीब या उत्तर बनाम दक्षिण की राजनीतिक श्रेणियों में बांट दिया जाए?

वैसे रेवंत रेड्डी का यह पहला विवादित बयान नहीं है। दिसंबर 2025 में उन्होंने हिंदू देवी-देवताओं की संख्या और अलग-अलग पूजा परंपराओं को लेकर भी ऐसी टिप्पणियां की थीं, जिन पर भाजपा और अन्य विपक्षी दलों ने हिंदू आस्था का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया था। यही वजह है कि अब यह सवाल और तेज हो रहा है कि रेवंत रेड्डी के राजनीतिक भाषणों में हिंदू आस्था ही बार-बार निशाने पर क्यों दिखाई देती है? यहां हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि यह सवाल उठाना किसी दूसरे धर्म के प्रति पूर्वाग्रह नहीं है; बल्कि उद्देश्य यह पूछना है कि सत्ता और राजनीति में धार्मिक आस्थाओं के साथ समान मर्यादा क्यों नहीं होनी चाहिए?

साथ ही यहां सवाल यह भी उठता है कि धर्म और भगवान पर टिप्पणी कर रहे मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को हिंदू धर्म के बारे में कितना ज्ञान है? राम को अमीरों का भगवान बता रहे रेड्डी को शायद यह पता नहीं कि भगवान राम का शबरी के आश्रम में जाना और उनकी भक्ति स्वीकार करना, निषादराज गुह के साथ उनका आत्मीय संबंध तथा वनवासी समाज के लोगों के साथ उनका लगाव इस बात के उदाहरण हैं कि राम के लिए भक्त की सामाजिक या आर्थिक स्थिति जरा भी महत्व नहीं रखती। जिन राम ने पिता के वचन की लाज रखने के लिए सारा राजपाट छोड़कर वन की राह पकड़ ली उन्हें अमीरों का भगवान बताना बेशर्मी की पराकाष्ठा है। वहीं भगवान शिव की आराधना में भी भक्तिभाव को ही प्रमुख माना जाता है। एक और बात रेवंत रेड्डी को जाननी चाहिए कि रामचरितमानस के उत्तरकांड में भगवान राम स्वयं शिव की महिमा बताते हुए कहते हैं कि शंकर की आराधना के बिना उनकी भक्ति भी प्राप्त नहीं हो सकती। यानी जिस राम को राजनीति में अमीरों का भगवान और शिव को गरीबों का भगवान बताकर दो वर्गों में बांटने की कोशिश की जा रही है, उसी राम की परंपरा शिव को अपनी भक्ति का मार्ग बताती है। देखा जाये तो रेड्डी के बयान के बाद कांग्रेस को यह बताना चाहिए कि क्या भगवानों को बांटना उसकी नई राजनीतिक रणनीति का हिस्सा है? राम को अमीर और शिव को गरीब बताकर आखिर हासिल क्या होगा? उत्तर भारत को राम और दक्षिण भारत को शिव से जोड़कर क्या देश की एकता मजबूत होगी? भगवान किसी पार्टी की संपत्ति नहीं हैं। न राम भाजपा के हैं, न शिव कांग्रेस के। आस्था करोड़ों भारतीयों की निजी और सांस्कृतिक विरासत है।

कुंवर विवेक को श्रद्धांजलि देने पहुंचे अनेक पदाधिकारी

हिंदू महासभा के राष्ट्रीय संपर्क कार्यालय पर आयोजित हुई श्रद्धांजलि सभा

मुजफ्फरनगर। अखिल भारत हिंदू महासभा के राष्ट्रीय संपर्क कार्यालय पर रविवार को संगठन के युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे कुंवर विवेक की श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में हिंदू महासभा से जुड़े अनेक पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने पहुंचकर दिवंगत कुंवर विवेक को श्रद्धासुमन अर्पित किए और उनके निधन को संगठन के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

कुंवर विवेक अखिल भारत हिंदू महासभा में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके थे। वर्तमान में वह युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिल भारत हिंदू महासभा के दायित्व पर थे। इसके साथ ही वह अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा तथा हिंदू महासभा जन कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक सदस्यों में शामिल थे। संगठन को मजबूत करने, अंतर्राष्ट्रीय संत महासभा के गठन तथा हिंदू महासभा जन कल्याण ट्रस्ट की स्थापना में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिसे संगठन परिवार हमेशा याद रखेगा।

श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि कुंवर विवेक के निधन से हिंदू महासभा परिवार को बड़ी क्षति हुई है। उन्होंने संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य किया। उनके द्वारा संगठन हित में किए गए कार्यों और योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। वह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके विचार, कार्य और योगदान सदैव संगठन के कार्यकताओं को प्रेरणा देते रहेंगे।

पीलीभीत निवासी कुंवर विवेक अग्रवाल प्रसिद्ध सर्राफ परिवार से संबंध रखते थे। उनके पिता क्षेत्र के प्रतिष्ठित व्यापारी रहे। बताया गया कि कुंवर विवेक पिछले करीब चार वर्षों से अस्वस्थ चल रहे थे। इस दौरान उन्हें परिवार में कई दुखद घटनाओं का सामना करना पड़ा। पहले उनके भाई का निधन हुआ, इसके बाद माताजी और फिर पिताजी का भी निधन हो गया। लगातार हुए इन दुखों से वह उबर नहीं पाए और उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती चली गई।

श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित पदाधिकारियों ने कहा कि कुंवर विवेक का सरल स्वभाव, संगठन के प्रति समर्पण और समाज एवं हिंदू हितों के लिए किए गए कार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे।

हिंदू महासभा परिवार उनके योगदान को हमेशा याद रखेगा। वह अपने कार्यों और विचारों के माध्यम से सदैव संगठन के लोगों के दिलों में जीवित रहेंगे।

इस अवसर पर योगेंद्र वर्मा, साक्षी वर्मा, विश्वास भार्गव, अरुण चौधरी, अमरीश त्यागी, संदीप मित्तल, पंडित गणेश गौड़, सोना सिंह, तनु त्यागी, वासु प्रताप सहित हिंदू महासभा के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सभी ने दिवंगत कुंवर विवेक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

कैथोड़ा में पेड़ कटान पर वन विभाग की कार्रवाई, किसानों को पेड़ न काटने की हिदायत

मीरापुर। ग्राम कैथोड़ा में सरकारी भूमि पर लगे यूकेलिप्टिस के तीन पुराने पेड़ों को काटने के मामले में वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर भूमि की नापतोल कर स्थिति स्पष्ट की। 12 सितंबर को पेड़ काटे जाने की शिकायत मिलने के बाद वन कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचकर कटान रुकवा दिया था और काटे गए पेड़ों को अपने कब्जे में ले लिया था।

जानकारी के अनुसार ग्राम मुकल्लमपुरा निवासी संजीव और अंकित के खेत के किनारे यूकेलिप्टिस के पेड़ खड़े थे। 12 सितंबर की सुबह दोनों तीन पेड़ों को काटकर ले जाने का प्रयास कर रहे थे। इसकी शिकायत मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कटे हुए पेड़ों को अपने कब्जे में ले लिया। उस समय अधिकारियों ने भूमि की नापतोल कराने के बाद आगे की कार्रवाई की बात कही थी। इसी क्रम में 4 अक्टूबर को डीएमओ अभिनव राज और वन क्षेत्राधिकारी अशोक शर्मा पूरी टीम के साथ हाईवे के निकट ग्राम कैथोड़ा पहुंचे। टीम ने मौके पर भूमि की नापतोल की। अधिकारियों ने बताया कि पेड़ सरकारी भूमि पर खड़े थे, इसलिए इन पर वन विभाग का अधिकार है। मौके पर कुछ अन्य पेड़ भी खड़े मिले। डीएफओ ने वहां मौजूद किसान को इन पेड़ों को न काटने की सख्त हिदायत दी। उन्होंने चेतावनी दी कि पेड़ काटने का प्रयास करने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

कराटे में बेबी आध्या के कदम लगातार सफलता की ओर

मुजफ्फरनगर। जनपद पुरकाजी विकास खंड के गांव तेजलहेडा के सम्मानित परिवार स्वर्गीय बाबू बिशभर सिंह की प्रपौत्री एवं माता पिता पुत्री सुलक्षणा नागर एवं आदित्य एमडी संतोष हासपिटल मुजफ्फरनगर गुड़गांव में आयोजित 12 वे एक,पी,के,कप आल इंडिया ओपन कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता के अंडर नाइन पेंतीस किलो भार वर्गीय में स्वर्ण पदक और इसी प्रतियोगिता के महिला वर्ग में रजत पदक विजेता रही बेबी आध्या इससे पूर्व कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में जयपुर, लखनऊ,नयी दिल्ली में स्वर्ण पदक कांस्य पदक विजेता रही है बेबी आध्या ने कराटे चैंपियनशिप प्रतियोगिता में जितनी बार भाग लिया है हमेशा पदक विजेता रही है बेबी आध्या ने अपनी इस लगातार सफलता का श्रेय अपने कोच मैक एकेडमी जो मेरठ में हे के सूरजमल और नरेंद्र सर को दिया जिनके कुशल नेतृत्व में वह लगातार सफलता की ओर बढ रही है ।

आध्या की इस सफलता पर उसकी नानी रमा नागर राष्ट्रीय सचिव रालोद, सदस्य रालोद संसदीय बोर्ड पूर्व अध्यक्ष जिला पंचायत मुजफ्फरनगर ने खुशी जताई और स्वीडन, सकाटलेड में आयोजित प्रतियोगिता की लिए अपनी शुभकामनाएं दी कि वह विदेश में आयोजित प्रतियोगिता में पदक जीतकर देश प्रदेश जनपद मुजफ्फरनगर का नाम रोशन करें।

सड़क पर हुड़दंग और अभद्रता करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, पांच गिरफ्तार

मीरापुर। सड़क पर आने-जाने वाले लोगों के साथ सरेआम अभद्र व्यवहार करने वाले पांच युवकों के खिलाफ मीरापुर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से मिली स्प्लेंडर मोटरसाइकिल को भी सीज कर दिया। मीरापुर पुलिस रविवार को मुझेड़ा टोल प्लाजा पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान स्प्लेंडर मोटरसाइकिल पर सवार पांच युवक सड़क पर राहगीरों के साथ सरेआम अभद्र व्यवहार करते पाए गए। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांचों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सुनील कुमार पुत्र राजेश कुमार, बसंत कुमार पुत्र पप्पू, जोनी पुत्र सुभाष, रवि पुत्र ऋषिपाल और मोंटी कुमार पुत्र मदन सिंह निवासीगण ग्राम सम्भलहेड़ा, थाना मीरापुर, मुजफ्फरनगर के रूप में हुई। पुलिस ने मोटरसाइकिल को सीज कर दिया है। गिरफ्तार आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से सार्वजनिक स्थानों पर हुड़दंग और अभद्रता करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

हैदरपुर वेटलैंड की जलकुंभी से रोजगार के अवसर बढ़ाने की पहल

मीरापुर। हैदरपुर वेटलैंड में प्राकृतिक रूप से बड़ी मात्रा में पैदा होने वाली जलकुंभी के उपयोग से घरेलू सामान तैयार करने के उद्देश्य से कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ जिलाधिकारी उमेश मिश्रा, डीएमओ अभिनव राज और उपजिलाधिकारी रश्मि लांबा ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने कहा कि हैदरपुर वेटलैंड की झील में जलकुंभी बड़ी मात्रा में उपलब्ध है। जलकुंभी को सुखाकर इसके पत्तों से टोकरी, बैग, पर्स, चप्पल सहित विभिन्न प्रकार के घरेलू उपयोगी सामान तैयार किए जा सकते हैं। इससे जलकुंभी का उपयोग होने के साथ-साथ स्थानीय महिलाओं को रोजगार और आय का साधन भी उपलब्ध होगा। कार्यशाला में इको रूट फाउंडेशन की ओर से स्थानीय महिलाओं को जलकुंभी से उपयोगी सामान बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। एनजीओ की डायरेक्टर अपर्णा तिवारी ने बताया कि महिलाओं को जलकुंभी से विभिन्न उत्पाद तैयार करने का प्रशिक्षण दिया जा रहा है, जिससे उनकी आय में लगातार वृद्धि हो रही है। उन्होंने बताया कि देश के कई राज्यों में जलकुंभी से घरेलू सामान बनाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हैदरपुर वेटलैंड में उपलब्ध जलकुंभी का सदुपयोग करने से स्थानीय स्तर पर आय के अवसर बढ़ेंगे और वेटलैंड की एक विशिष्ट पहचान भी बनेगी। इस मौके पर तहसीलदार मोनिका चैहान, वन क्षेत्राधिकारी अशोक शर्मा, रामराज थाना प्रभारी ज्ञानेन्द्र सिरोही सहित बड़ी संख्या में अधिकारी मौजूद रहे।

भगवान गणेश की पूजा और राम वंदना के साथ शुरू हुआ रामलीला मंचन

मीरापुर। श्रीराम लीला मंडल मीरापुर द्वारा आयोजित 160वें रामलीला मंचन का शुभारम्भ रविवार को वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ। कार्यक्रम का शुभारम्भ मेरठ के समाजसेवी एवं सेवानिवृत्त एसडीओ कर्मवीर सिंघल तथा बैंक अधिकारी राकेशवीर सिंह सिंघल ने सहपरिवार फीता काटकर किया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी एवं रामभक्त मौजूद रहे।

मीरापुर में स्थानीय कलाकारों द्वारा पिछले 159 वर्षों से रामलीला का सजीव मंचन किया जा रहा है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 160वें रामलीला मंचन सत्र की शुरूआत भगवान गणेश की पूजा और राम वंदना के साथ की गई। पूजा-पाठ का सम्पूर्ण कार्य पंडित अनिरुद्ध शास्त्री ने विधि-विधान से सम्पन्न कराया। इस अवसर पर मीरापुर थाना प्रभारी इन्द्रजीत सिंह ने भी भगवान श्रीराम की पूजा-अर्चना कर आशीर्वाद लिया। रामलीला मंडल के अध्यक्ष पंकज संगल ने कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों, दानदाताओं एवं मीडिया प्रतिनिधियों को रामचरित मानस भेंट कर सम्मानित किया। आयोजन के दौरान रामभक्तों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। इस मौके पर घनश्याम दास अग्रवाल, निशांत माहेश्वरी, पुनीत रस्तौगी, अंबर गोयल, गौरव वत्स, अतुल अग्रवाल, मानिक संगल, गगन अग्रवाल, राजकुमार अरोरा, मोहनलाल संगल, तेजपाल वर्मा, कमलेश शर्मा, निर्मला देवी, रविश वर्मा, मनोज मदान, विकास गोयल, जितेन्द्र कुमार, कमल गोयल आदि मौजूद रहे।

श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर पारसनगरी कवाल

की भव्य वार्षिक रथयात्रा धूमधाम से संपन्न

मुजफ्फरनगर। श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन पंचायती मंदिर पारसनगरी कवाल की भव्य वार्षिक रथ यात्रा महोत्सव रविवार को बड़े ही धूमधाम के साथ संपन्न हुई। अनेक जैन श्रद्धालुओं ने यात्रा में सम्मिलित होकर धर्म लाभ प्राप्त किया।

प्रातः काल की संध्या मै श्रीजी का अभिषेक नवीन रजत पाण्डुकशिला पर हुआ। एवं नवीन रजत झारी द्वारा शांतिधारा हुई जो कि श्रीमान रितेश जैन (राजू) दिल्ली द्वारा प्रदान की गई। यात्रा में मुख्य आकर्षण रंगोली, फ्लावर आतिशबाजी, तीन बैंड,चार घोड़े,छह जिनवाणी बग्गी, नफीरी बैंड, भजन मंडली एवं श्रीजी का स्वर्ण रथ जिस पर तीन लोक के नाथ श्री पारसनाथ भगवान विराजमान होकर कवाल कस्बे के मुख्य मार्गो पर होते हुए मंदिर जी पहुंचे।

पत्रों का चयन बोली के माध्यम से भगवान को लेकर रथ पर बैठने का अवसर संजीव जैन सार्थक जैन सरसावा वाले, भगवान के रथ के सारथी बनने का अवसर अमित कुमार जैन एडवोकेट अध्यक्ष श्री दिगंबर जैन मंदिर नई मंडी व मुकेश जैन मीनू खतौली वाले, सिद्धांत जैन सिद्धम जैन कवाल वाले परिवार को सौभाग्य प्राप्त हुआ इसी के साथ दाया इंद्र आकाश जैन पारस जैन कवाल वाले बाया इंद्र अजय जैन आईस वर्ड नई मंडी, कुबेर अरविंद जैन अनंतवीर्य जैन कवाल वाले , खजांची विभोर जैन अतुल जैन कवाल वाले परिवार को प्राप्त हुआ । ततपश्चात पाण्डुकशीला पर श्री जी का जिनअभिषेक संपन्न हुआ ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कमल किशोर देशभूषण जी मुख्य विकास अधिकारी मुजफ्फरनगर एवं विक्रम सिंह सैनी पूर्व विधायक एवं मोहम्मद इस्लाम ग्राम प्रधानपति कवाल रहे । समस्त प्रशासनिक व्यवस्था प्रमोद कुमार सब इंस्पेक्टर कवाल के निर्देशन में रही।

स्वागत अध्यक्ष के रूप में श्री नीरज जैन विकास जैन परिवार सुरेंद्रनगर ने सभी अतिथि का सम्मान किया। समारोह अध्यक्ष के रूप में श्रीमान डॉ सुनील जैन अध्यक्ष जैन मंदिर सुरेंद्रनगर एवं राजेंद्र जैन प्रीतुल मशीनरी भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में धर्मध्वजारोहण नरेंद्र जैन संजय जैन विपिन जैन राजीव जैन नावला वाले परिवार द्वारा संपन्न हुआ एवं चित्र अनावरण मनोज जैन शुभम जैन एलजी परिवार, प्रवीण जैन राजेश जैन हुंडई वाले, पवन कुमार जैन सचिन जैन आशीष जैन बसेड़ा वाले द्वारा एवं दीप प्रजवल्लन श्री अमित कुमार जैन एडवोकेट अध्यक्ष नई मंडी जैन मंदिर, विनोद जैन अक्षत जैन खतौली वाले,जैन सुनील कुमार शरद जैन शाहपुर वाले, राजीव जैन आर्जव जैन पेपर वाले सकल जैन युवा संगठन, मुजफ्फरनगर द्वारा एवं मंगल कलश स्थापना डॉ श्रीमती दीपशिखा जैन डॉ. संजीव जैन सदर बाजार द्वारा एवं प्रभु महाआरती हर्ष जैन , पवन जैन राकेश जैन बैंक वाले कवाल परिवार द्वारा, एवं मनोज जैन, अर्पित जैन पानीपत वाले परिवार द्वारा संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मंच संचालन विभोर जैन कवाल वालों ने किया। कार्यक्रम में जलपान की व्यवस्था प्रदीप कुमार वर्धमान जैन, सिद्धान्त जैन कवाल परिवार द्वारा एवं भोजन व्यवस्था श्रीमान विजयपाल जैन संजय जैन अजय जैन कवाल वाले दिल्ली परिवार द्वारा रही।

रथयात्रा मै लक्की ड्रॉ पुरस्कार श्री विभोर जैन अतुल जैन पारस जैन आदि जैन कवाल वाले परिवार द्वारा रही। अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन द्वारा भजन द्वारा रथ में श्रीजी का गुणगान हुआ।

कार्यक्रम में पारस प्रभु का पालना अनावरण चिरंजीव स्वस्तिक जैन एवं सिद्धम जैन सुपुत्र सिद्धांत जैन कवाल वाले एवं चिरंजीव अयांश जैन एवं कु आरणा जैन सुपुत्री पारस जैन कवाल वाले द्वारा सम्पन्न हुआ। विशेष सहयोगी के रूप में आकाश जैन, विभोर जैन, अरविंद जैन, सिद्धांत जैन, अतुल जैन, नीरज जैन, संदीप जैन नीरज जैन रहे।

समस्त ग्रामवासियों का विशेष सहयोग कार्यक्रम को सफल बनाने मै रहा।

रंग संसार

कब और कहां देखें खतरों के खिलाड़ी 15 का ग्रैंड फिनाले? शो के फाइनलिस्ट और प्राइज मनी पर एक नजर

नई दिल्ली। रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जा रहे दो-भाग वाले फिनाले का दूसरा और आखिरी एपिसोड रविवार को टीवी पर दिखाया जाएगा। अगर आप इसे ऑनलाइन देखना चाहते हैं, तो यह एपिसोड उसी समय जियो हॉटस्टार पर लाइव उपलब्ध होगा। 'फियर फैक्टरः खतरों के खिलाड़ी 15' , जिसे 'डर का नया दौर' भी कहा जाता है, का आखिरी एपिसोड 4 अक्टूबर को रात 9 बजे कलर्स टीवी पर दिखाया जाएगा। फिनाले को जियो हॉटस्टार पर भी साथ-साथ स्ट्रीम किया जाएगा, इसलिए दर्शक टीवी पर प्रसारण के समय ही इसे ऑनलाइन भी देख सकते हैं। ग्रैंड फिनाले दो रातों में दिखाया जाएगा, जिसका पहला एपिसोड शनिवार, 3 अक्टूबर को प्रसारित होगा। मेकर्स ने फिनाले को कंटेस्टेंट्स के सफर के समापन के तौर पर पेश किया है और इसमें जबरदस्त स्टंट्स और एंटरटेनमेंट का मिला-जुला अनुभव देने का वादा किया है। विनर को कितनी मिलेगी प्राइज मनी? खबरों के मुताबिक, 'खतरों के खिलाड़ी 15' की ट्रॉफी के अलावा विजेता को 20 लाख रुपये और एक नई मारुति सुजुकी स्विफ्ट मिलेगी। फिनाले में यह भी तय होगा कि कौन फर्स्ट और सेकंड रनर-अप बनता है। फिनाले से पहले फाइनल कंटेस्टेंट्स को लेकर काफी अटकलें लगाई जा रही थीं; अविनाश मिश्रा, फरहाना भट्ट, ऋत्विक धनजानी और ओरी के नाम चर्चा में रहे हैं।खतरों के खिलाड़ी' का यह सीजन 1 अगस्त को 13 कंटेस्टेंट्स के साथ शुरू हुआ था। जिसमें रुबीना दिलैक, अविनाश मिश्रा, फरहाना भट्ट, ऋत्विक धनजानी, करण वाही, हर्ष गुजराल, ओरी, रूहानिका धवन, जैस्मीन भसीन, गौरव खन्ना, विशाल आदित्य सिंह, शगुन शर्मा और अविका गोर जैसे कंटेस्टेंट्स शामिल थे।

राज काज

अभी और सस्ता होगा सोना', 1.25 लाख से नीचे आ जाएगी कीमत? एक्सपर्ट्स का दावा- ये 4 बातें तय करेंगी सोने की चाल

नई दिल्ली देश दुनिया में सोने की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। भारत में सोने की कीमत 1,50,250 रुपए प्रति 10 ग्राम है, तो वहीं ग्लोबल मार्केट में सोने का भाव 4,138 डॉलर प्रति औंस (भारतीय करेंसी में करीब 1.28 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम) तक आ गया। अमेरिका में रोजगार के कमजोर आंकड़े भी सोने की कीमतों को संभाल नहीं पाए। इस हफ्ते गोल्ड में 3% तक की गिरावट दर्ज हुई। अब निवेशकों की नजर 4,000 डॉलर के अहम स्तर पर है। जानकारों के मुताबिक, अमेरिकी महंगाई, फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों और डॉलर की चाल से अगले हफ्ते सोने की दिशा तय हो सकती है। खास बात यह है कि, आगामी पूरे हफ्ते में अमेरिका से 4 अहम आंकड़े आने हैं। माना जा रहा है कि सोमवार से कीमतों में गिरावट देखी जा सकती है। अमेरिका के श्रम सांख्यिकी ब्यूरो के मुताबिक, सितंबर में देश में सिर्फ 29,000 नई नौकरियां जुड़ीं, जो बाजार की उम्मीदों से काफी कम थीं। बेरोजगारी दर बढ़कर 4.2% हो गई, जबकि औसत वेतन में सिर्फ 0.1% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। आमतौर पर कमजोर रोजगार आंकड़े ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद बढ़ाते हैं, जिससे सोने को सहारा मिल सकता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।सोना 4,200 डॉलर प्रति औंस के ऊपर अपनी बढ़त कायम नहीं रख सका और बिकवाली तेज हो गई। रॉयटर्स के बिजनेस डेवलपमेंट प्रमुख साइमन-पीटर मसाबनी के मुताबिक, "सोने के सामने इस समय दोहरी चुनौती है। एक तरफ अर्थव्यवस्था में सुस्ती के संकेत हैं, तो दूसरी तरफ ऊंची बॉन्ड यील्ड और महंगाई का दबाव बना हुआ है। उनके मुताबिक, कमजोर रोजगार आंकड़ों से सोने को नीतिगत समर्थन तो मिला है, लेकिन तेजी दोबारा शुरू होने की तकनीकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।" अमेरिका में कमजोर रोजगार आंकड़ों के बाद अक्टूबर में ब्याज दर बढ़ने की संभावना कम हुई है। हालांकि, बाजार दिसंबर में दर बढ़ने की आशंका को अभी भी ध्यान में रख रहा है। ऊंची ब्याज दरों और बॉन्ड यील्ड के कारण सोने में निवेश का आकर्षण कम हो सकता है, क्योंकि सोने से नियमित ब्याज नहीं मिलता। फिफ्थ थर्ड कमर्शियल बैंक के मुख्य अमेरिकी अर्थशास्त्री बिल एडम्स का कहना है

दैनिक राशिफल सोमवार 05 अक्टूबर 2026

मेष – किसी से कहासुनी न हो यह ध्यान रहे। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। कुछ एकाग्रता की प्रवृत्ति बनेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा।

वृष – अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। परिवारजनो के सहयोग व समन्वय से काम बनाना आसान रहेगा। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है।

मिथुन : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

कर्क – स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी।

सिंह– लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मनोरथ सिद्धि का योग है। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

कन्या – स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

तुला – प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी।

वृश्चिक – स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभयए ङ्कषचताए संतान को कष्टए अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे।

धनु – शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा।

मकर – लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी।

कुंभ – माता पक्ष से विशेष लाभ होगा। अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी।

मीन – प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धम-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। स्वविवेक से कार्य करे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। माता पक्ष से विशेष लाभ होगा।

दैनिक पंचांग

5 अक्टूबर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

सोमवार 2026 वर्ष का 278 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** दशमी 02.08 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** पुष्य 23.10 बजे को समाप्त। **योग** शिव 09.52 बजे को समाप्त। **करण** वणिज 15.00 बजे तदनन्तर विष्टि 02.08 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 04° 39' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872853 **जूलियन दिन** 2461318.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 23 **विशेष** विश्व आवास दिवस।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	तुला	06.51 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृश्चिक	09.06 ब.से
मंगल	कर्क में	धनु	11.22 बजे से
बुध	तुला में	मकर	13.27 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	15.13 बजे से
शुक्र	तुला में	मीन	16.46 बजे से
शनि	मीन में	मेष	18.17 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	19.57 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	21.55 बजे से
राहुकाल		कर्क	00.08 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	02.24 बजे से
बजे तक		कन्या	04.36 बजे से

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

हैदरपुर वेटलैंड की जल वनस्पति से बनेंगे उपयोगी उत्पाद, महिलाओं को मिलेगा रोजगार

डीएम उमेश मिश्रा ने हैदरपुर वेटलैंड का किया निरीक्षण, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षण देकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की कार्ययोजना पर हुई चर्चा

मुजफ्फरनगर। हैदरपुर वेटलैंड की प्राकृतिक संपदा को स्थानीय रोजगार से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने पहल शुरू की है। वेटलैंड क्षेत्र में उपलब्ध जल हाइजिंश (जल वनस्पति) से विभिन्न प्रकार के उपयोगी उत्पाद तैयार कर स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को रोजगार से जोड़ने की योजना बनाई जा रही है। इसी उद्देश्य से जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने एनजीओ पदाधिकारी अर्पणा तिवारी, उपजिलाधिकारी जानसठ रश्मि लाम्बा, तहसीलदार मोनिका चौहान और वन विभाग की टीम के साथ हैदरपुर वेटलैंड का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने वेटलैंड क्षेत्र का भ्रमण कर वहां उपलब्ध जल वनस्पति की स्थिति और उससे रोजगार सृजन की संभावनाओं का जायजा लिया। इस दौरान जल हाइजिंश से हस्तशिल्प और दैनिक उपयोग में आने वाले विभिन्न उत्पाद तैयार किए जाने की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

जल वनस्पति को रोजगार का माध्यम बनाने की तैयारी

प्रशासन की योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को जल वनस्पति से उपयोगी वस्तुएं तैयार करने के लिए प्रशिक्षण दिए जाने पर विचार किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाओं को उत्पाद तैयार करने की तकनीक, गुणवत्ता बनाए रखने और उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने के संबंध में जानकारी दी जाएगी।

जल वनस्पति से तैयार होने वाले हस्तशिल्प एवं अन्य उपयोगी उत्पादों को स्थानीय स्तर पर बाजार उपलब्ध कराने के साथ इनके व्यापक स्तर पर विपणन की संभावनाएं भी तलाशने पर जोर दिया जा रहा है। इससे महिलाओं को घर या स्थानीय स्तर पर रोजगार का अवसर मिल सकता है और उनकी आय बढ़ाने में मदद मिल सकती है।

प्राकृतिक संसाधन के संरक्षण के साथ रोजगार पर जोर

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी उमेश मिश्रा ने अधिकारियों और एनजीओ पदाधिकारियों के साथ प्रस्तावित कार्ययोजना के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी ली। उन्होंने महिलाओं को प्रशिक्षण देने, उत्पादों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, तैयार वस्तुओं के विपणन और उनके लिए बाजार उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि हैदरपुर वेटलैंड की प्राकृतिक संपदा का संरक्षण करते हुए स्थानीय समुदाय को उससे जोड़ना जरूरी है। यदि जल वनस्पति का उपयोग उपयोगी उत्पाद तैयार करने के लिए किया जाता है तो इससे एक ओर वेटलैंड के संरक्षण में मदद मिल सकती है, वहीं दूसरी ओर स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के अवसर भी विकसित किए जा सकते हैं। जिला प्रशासन का फोकस स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाने पर है। इसके तहत महिलाओं को जल वनस्पति से उत्पाद तैयार करने के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। उत्पादों की गुणवत्ता बेहतर रखने के साथ उन्हें बाजार की मांग के अनुरूप तैयार करने पर भी जोर रहेगा।

अधिकारियों के अनुसार, महिलाओं को केवल प्रशिक्षण देने तक सीमित रखने के बजाय तैयार उत्पादों के लिए बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में भी काम किया जाना जरूरी है। इसी को ध्यान में रखते हुए उत्पादन से लेकर विपणन तक की पूरी प्रक्रिया को लेकर संभावनाएं तलाशी जा रही हैं। डीएम उमेश मिश्रा ने कहा कि हैदरपुर वेटलैंड की प्राकृतिक संपदा का संरक्षण प्राथमिकता में रखते हुए स्थानीय लोगों, विशेष रूप से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को इससे जोड़ना रोजगार सृजन की दिशा में उपयोगी कदम हो सकता है। इससे महिलाओं को आय का अतिरिक्त माध्यम मिलने के साथ उनके आर्थिक सशक्तिकरण को भी बढ़ावा मिलेगा। निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों और संबंधित विभागों की टीम ने वेटलैंड क्षेत्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मोरना में लापता युवक का शव गंग नहर में तैरता मिला: इलाके में फैली सनसनी

सीसीटीवी फुटेज से हुई थी नहर की ओर जाने की पुष्टि

मोरना (मुजफ्फरनगर)। भोपा थाना क्षेत्र के गांव जौली से बीते पांच दिनों से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता 25 वर्षीय युवक का शव रविवार को जौली-खतौली मार्ग स्थित गंग नहर से बरामद किया गया। शव मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की सहायता से शव को बाहर निकालकर परिजनों के सुपुर्द किया गया, जिसके बाद परिजनों में चीख-पुकार मच गई। परिजनों ने किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई से इनकार करते हुए गमगीन माहौल में मृतक का अंतिम संस्कार कर दिया। पांच दिन से लापता था मोहम्मद हैदर

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जौली गांव निवासी अंसार हैदर का 25 वर्षीय पुत्र मोहम्मद हैदर बीते 30 सितंबर को अचानक संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। परिजनों द्वारा काफी खोजबीन करने के बावजूद जब उसका कोई सुराग नहीं लगा, तो परिजनों ने थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

पारिवारिक सदस्य हसन मेंहदी ने जानकारी देते हुए बताया कि बुधवार सुबह मोहम्मद हैदर बिना किसी को कुछ बताए घर से निकला था और देर शाम तक वापस नहीं लौटा।

सीसीटीवी फुटेज से मिला था सुराग खोजबीन के दौरान जब गांव व आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई, तो नहर पुल के पास लगे एक कैमरे में मोहम्मद हैदर गंग नहर की दिशा में जाता हुआ दिखाई दिया था। इसके बाद से ही परिजन और स्थानीय ग्रामीण अनहोनी की आशंका के चलते नहर के आसपास उसकी लगातार तलाश कर रहे थे। रविवार को जौली-खतौली मार्ग पर ग्रामीणों ने नहर में एक शव तैरता देखा। सूचना पर एकत्र हुए ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला, जिसकी पहचान मोहम्मद हैदर के रूप में हुई। मानसिक बीमारी से पीड़ित था युवक परिजनों ने बताया कि मोहम्मद हैदर पिछले कई वर्षों से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रहा था और उसका इलाज भी कराया जा रहा था। युवक का शव घर पहुंचते ही माता खुर्शीद फातिमा और भाइयों—आफताब हैदर, महताब हैदर व जव्वाद हैदर का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मामले में जौली चौकी प्रभारी सुमित चौधरी ने बताया कि परिजनों ने लिखित रूप से पुलिस कार्रवाई करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद पुलिस ने आवश्यक पंचनामा की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिया, जिसके बाद नम आंखों से सुपुर्द-ए-खाक कर दिया गया।

बुढ़ाना के सात गांवों में खुलेगी डिस्पेंसरी: शासन की योजना में मिली प्रशासकीय मंजूरी

बुढ़ाना क्षेत्र में स्वास्थ्य केंद्रों के विस्तार से ग्रामीण अंचल में आसानी से मुहैया होंगी स्वास्थ्य सुविधाएं

बुढ़ाना (मुजफ्फरनगर)। ग्रामीण अंचल में स्वास्थ्य ढांचे को सुदृढ़ करने और ग्रामीणों को उनके घर के समीप ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल हुई है। राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) के विधानमंडल दल नेता एवं बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र से विधायक राजपाल बालियान के निरंतर प्रयासों के फलस्वरूप क्षेत्र के सात प्रमुख गांवों में नई मेडिकल डिस्पेंसरी खोलने की प्रशासकीय स्वीकृति प्राप्त हो गई है। इस निर्णय से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को बड़ी राहत मिलेगी और उन्हें प्राथमिक उपचार व सामान्य बीमारियों की दवाओं के लिए शहरों की तरफ दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी।

इन 7 गांवों में खुलेगी नई डिस्पेंसरी विधायक राजपाल बालियान की पहल पर जिन गांवों में मेडिकल डिस्पेंसरी के निर्माण को हरी झंडी मिली है, उनमें ग्राम जैतपुर, ग्राम लुहसाना, ग्राम मंडवाड़ा, ग्राम जोगियाखेड़ा, ग्राम विज्ञाना, ग्राम मदीनपुर और ग्राम जौला शामिल हैं। इन सभी चयनित गांवों में डिस्पेंसरी स्थापित होने से आसपास के छोटे मजरों और ढाणियों के निवासियों को भी सीधा फायदा पहुंचेगा।

जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य स्वीकृति की जानकारी देते हुए विधायक राजपाल बालियान ने बताया कि प्रशासकीय मंजूरी मिलने के बाद अब इस योजना के तहत निर्माण कार्य की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ाई जाएगी। बहुत जल्द सभी चयनित स्थानों पर निर्माण कार्य शुरू करा दिया जाएगा। अब तक ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों को मामूली चोट, मौसमी बीमारियों, प्राथमिक जांच और नियमित दवाइयों के लिए दूर-दराज के शहरों या जिला अस्पताल के चक्कर काटने पड़ते थे। इसमें समय और पैसा दोनों अधिक खर्च होता था। गांव में ही डिस्पेंसरी खुलने से समय पर उचित और निःशुल्क उपचार संभव हो सकेगा।

स्वस्थ गांव और समृद्ध बुढ़ाना प्राथमिकता

विधायक राजपाल बालियान ने अपने संबोधन में कहा कि बुढ़ाना विधानसभा क्षेत्र का सर्वांगीण विकास, पारदर्शी जनसेवा और अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि एक स्वस्थ और समृद्ध गांव के निर्माण के बिना क्षेत्र का विकास अधूरा है। विधानसभा क्षेत्र में शिक्षा, सड़क, पेयजल और स्वास्थ्य जैसे बुनियादी ढांचों को मजबूत करने के लिए विकास कार्य आगे भी निरंतर बिना रुके जारी रहेंगे।

प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 में मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

जिले में यूपी बोर्ड में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, अभिभावकों और विद्यालयों को मिला सम्मान

मुजफ्फरनगर। सुभाष चंद त्यागी चैरिटेबल ट्रस्ट, मुजफ्फरनगर द्वारा स्वर्गीय सुभाष चंद त्यागी, पूर्व प्रधानाचार्य जनता जनार्दन इंटर कॉलेज बसेड़ा की पुण्य स्मृति में प्रतिभा सम्मान समारोह 2026 का आयोजन किया गया। समारोह में यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में जिले स्तर पर सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं के साथ उनके अभिभावकों एवं संबंधित विद्यालयों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष कार्यक्रम अध्यक्ष शिवकुमार यादव, पूर्व प्रधानाचार्य डीएवी इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर, मुख्य अतिथि डॉ. संजीव कुमार शुक्ला, ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टीट्यूट नई दिल्ली, डॉ. सुशील पुंडीर, उपाध्यक्ष उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ, डॉ. अमित कुमार जैन, जिला अध्यक्ष उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ मुजफ्फरनगर तथा सुभाष चंद त्यागी चैरिटेबल ट्रस्ट की अध्यक्षा अर्चना त्यागी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम अध्यक्ष शिवकुमार यादव ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती, लेकिन यदि ठान लिया जाए तो एक दिन सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. उमेश चंद त्यागी ने कहा कि समय का प्रत्येक पल बेहद कीमती है। विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करते हुए विकास के पथ पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि निरंतर मेहनत करने की आदत व्यक्ति में अच्छे गुणों का विकास करती है और उसे जीवन में सफलता की ओर ले जाती है। मुख्य अतिथि डॉ. संजीव कुमार शुक्ला ने छात्र-छात्राओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच

रखना बेहद जरूरी है। एकाग्रता, लगन, मेहनत और आत्मविश्वास के साथ विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि विद्यार्थी इन गुणों को अपने जीवन का हिस्सा बना लें तो सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी। समारोह में जिले स्तर पर हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट यूपी बोर्ड परीक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं आर्यन पुंडीर, वंश सैनी, पलक सैनी, सिया आकांक्षा, वंश कुमार, भव्य, प्रिंस कुमार, विकसित सैनी, अनंत कुमार, देवराज सैनी, अंशु सिंगल, हुस्ना मलिक, रिद्धि, जयदीप पुंडीर, शौर्य मित्तल, लक्ष्य अग्रवाल, सानवी, निशांत कश्यप, वंश सिंगल, तनु गुप्ता, स्नेहा, राबिया, अर्पित, रिया, वसीद, आंचल सैनी, प्रियंका सैनी, वासु सैनी, सुहाना और सांची आदि को उनकी उपलब्धि के लिए पुरस्कृत किया गया। इसके साथ ही मेधावी विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विद्यालयों को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। यूपी बोर्ड परीक्षा 2026 में जिले स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यालयों को सुभाष चंद त्यागी चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कॉलेज एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित किया गया। सम्मानित विद्यालयों में एसडीएम विद्या मंदिर मंसूरपुर, गवर्नमेंट इंटर कॉलेज भैंसी, भागवती सरस्वती विद्या मंदिर, होली चाइल्ड पब्लिक इंटर कॉलेज, कुंवर जगदीश प्रसाद इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर, सरस्वती शिशु मंदिर मुजफ्फरनगर, आदर्श इंटर कॉलेज जट मुजेड़ा, ग्रीनफील्ड मॉडर्न स्कूल, दयानंद गुरुकुल विरालसी, गोमती कन्या इंटर कॉलेज जानसठ, न्यू चिल्ड्रन इंटर कॉलेज सटेडी, डीएवी इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर तथा सरस्वती इंटर कॉलेज जानसठ शामिल रहे।

आखलौर के पास तेज रफ्तार कार ने मां-बेटे को मारी टक्कर, महिला की मौत

महालक्ष्मी ढाबे से काम खत्म कर घर लौट रही थी सोनिया, बेटा समर गंभीर घायल; अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज, वीडियो के आधार पर तलाश शुरू

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के आखलौर गांव के पास एक दर्दनाक सड़क हादसे में तेज रफ्तार कार की टक्कर से महिला की मौत हो गई, जबकि उसका बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद आरोपी कार चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। मृतका के पति की तहरीर पर कोतवाली नगर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस हादसे से जुड़ी वीडियो फुटेज के आधार पर कार और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है।

प्राप्त तहरीर के अनुसार, ग्राम आखलौर निवासी प्रमोद पुत्र स्वर्गीय मान सिंह की पत्नी सोनिया महालक्ष्मी ढाबे पर साफ-सफाई का काम करती थीं। 27 सितंबर 2026 की शाम करीब 7:05 बजे वह रोजाना की तरह ढाबे पर अपना काम समाप्त करने के बाद घर वापस लौट रही थीं। उनके साथ उनका बेटा समर भी था। दोनों आखलौर की ओर जा रहे थे। बताया गया कि आखलौर से करीब 100 मीटर पहले पहुंचने पर सामने की दिशा से एक सफेद रंग की कार आती दिखाई दी। आरोप है कि कार चालक वाहन को तेज गति और लापरवाही से चला रहा था। इसी दौरान कार ने सोनिया और उनके बेटे समर को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसे के बाद मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने फोन करके सोनिया के पति प्रमोद को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रमोद मौके पर पहुंचे। उन्होंने आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल पत्नी और बेटे को उठाया और उपचार के लिए सरकारी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने सोनिया को मृत घोषित कर दिया। वहीं उनका बेटा समर गंभीर रूप से घायल होने के कारण अस्पताल में भर्ती है और उसका उपचार चल रहा है। पत्नी की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। तहरीर में प्रमोद ने बताया कि पत्नी की मौत के बाद उन्होंने उसका अंतिम संस्कार किया। अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वह 3 अक्टूबर 2026 को पुलिस के पास पहुंचे और घटना की रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए तहरीर दी। उन्होंने पुलिस को बताया कि हादसे से संबंधित वीडियो उनके पास मौजूद है। पीड़ित के अनुसार, वीडियो में सफेद रंग की कार दिखाई दे रही है, लेकिन कार का नंबर स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रहा है। इसके बावजूद वीडियो पुलिस के लिए जांच में महत्वपूर्ण सुराग माना जा रहा है। पुलिस अब वीडियो फुटेज के अलावा हादसे के आसपास मौजूद अन्य संभावित साक्ष्यों और सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए कार की पहचान करने का प्रयास कर रही है। पीड़ित प्रमोद की तहरीर के आधार पर कोतवाली नगर पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने तहरीर में लगाए गए आरोपों के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि हादसा किस वाहन से हुआ और घटना के समय कार कौन चला रहा था। पुलिस आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है। साथ ही हादसे की वीडियो में दिखाई दे रहे वाहन के मॉडल, रंग और अन्य पहचान संबंधी बिंदुओं के आधार पर कार का पता लगाने का प्रयास किया जाएगा।

विवाहिता से मारपीट कर बेटी समेत घर से निकालने का आरोप

पति समेत आठ ससुरालियों पर मुकदमा दर्ज, पीड़िता ने शादी में 10 तोले सोना, 60 तोले चांदी और घरेलू सामान देने का किया दावा

मुजफ्फरनगर। दहेज में 10 लाख रुपये की नकदी की मांग पूरी नहीं होने पर विवाहिता के साथ कथित रूप से मारपीट और मानसिक एवं शारीरिक उत्पीड़न करने के मामले में खालापार पुलिस ने पति समेत ससुराल पक्ष के आठ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता ने पुलिस को दी तहरीर में शादी के बाद से दहेज को लेकर प्रताड़ित किए जाने, मारपीट करने, घर से निकालने और पति पर दूसरी युवती को लेकर चले जाने समेत कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। एक पीड़िता निवासी फक्करशाह वाली मस्जिद के पास खालापार, के अनुसार उसकी शादी 5 नवंबर 2019 को आकिब जावेद पुत्र महबूब अली निवासी मकान नंबर 44, मोहल्ला गोलघर, झिंझाना, जिला शामली के साथ मुस्लिम रीति-रिवाज के अनुसार हुई थी। शादी का आयोजन खालापार स्थित हुसैनिया बैंकट हॉल में हुआ था। पीड़िता ने तहरीर में बताया कि शादी में उसके पिता ने अपनी हैसियत से अधिक दान-दहेज दिया था। आरोप के मुताबिक करीब 10 तोले सोने के जेवर, 60 तोले चांदी के जेवर तथा घर-गृहस्थी की जरूरत का पूरा सामान दिया गया था।

इसके बावजूद ससुराल पक्ष के लोग दिए गए दहेज से संतुष्ट नहीं थे और उसे कम दहेज लाने का ताना देने लगे। तहरीर के मुताबिक पति आकिब जावेद, सास राशदा, ससुर महबूब अली, ननद अलीफा, नेहा व उजमा तथा देवर आरिफ बकार समेत ससुराल पक्ष के लोग आए दिन उसके साथ झगड़ा करने लगे। पीड़िता का आरोप है कि कुछ समय बाद ससुराल पक्ष की ओर से 10 लाख रुपये नकद की मांग की जाने लगी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसने अपनी आर्थिक स्थिति बताते हुए 10 लाख रुपये की मांग पूरी करने में असमर्थता जताई। इसके बाद उसके साथ मारपीट की जाने लगी और उसका शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न किया गया। पीड़िता का कहना है कि उसने परिवार बचाने के लिए लंबे समय तक कथित उत्पीड़न सहन किया। तहरीर में विवाहिता ने आरोप लगाया कि शादी के बाद उसके दो बच्चे पैदा हुए, लेकिन दोनों की जन्म के बाद मौत हो गई। पीड़िता ने इस संबंध में भी ससुराल पक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। वर्तमान में उसकी करीब ढाई वर्ष की एक बेटी होने की बात तहरीर में कही गई है।

जयपुर में पति के साथ काम करने वाले व्यक्ति पर भी लगाया आरोप

पीड़िता ने अपनी शिकायत में बताया कि 10 अगस्त 2024 को वह जयपुर गई थी, जहां उसका पति अनवर हसन के घर गई थी। तहरीर के अनुसार उसका पति आकिब जावेद अकबर अली के साथ फल का कारोबार करता था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके साथ हुए कथित शोषण में अकबर अली ने भी उसके पति का साथ दिया।

दूसरी युवती को लेकर जाने का आरोप विवाहिता ने आरोप लगाया कि उसका पति आकिब जावेद 27 नवंबर 2025 को चन्दा शर्मा नाम की युवती को लेकर घर से चला गया था। पीड़िता के मुताबिक करीब डेढ़ माह बाद आकिब जावेद और उक्त युवती देहरादून से बरामद हुए। तहरीर में यह भी कहा गया है कि उक्त युवती को लेकर जाने के मामले में जयपुर में उसके पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज हुआ था। पीड़िता ने आरोप लगाया कि उसके पति के युवती को लेकर जाने की घटना में उसके देवर आरिफ बकार, ननद के पति आजाद तथा अकबर अली ने सहयोग किया था। हालांकि इन आरोपों की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी।

बच्चों को समझाने पर विवाद, घर पहुंचकर परिवार से मारपीट

पड़ोस के बच्चों के दरवाजे पर हाथ मारने से रोकने पर भड़के आरोपी, गाली-गलौज के बाद कपड़े फाड़े; पांच नामजद के खिलाफ मंसूरपुर थाने में मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र में पड़ोस के बच्चों को घर के दरवाजे पर हाथ मारने से रोकना एक परिवार को भारी पड़ गया। आरोप है कि बच्चों को समझाने के बाद उनके परिजनों ने घर पहुंचकर परिवार के लोगों के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। मारपीट में पीड़ित और उसके परिवार के लोगों को चोटें आईं तथा आरोपियों ने उसके कपड़े भी फाड़ दिए। शोर मचाने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पीड़ित की तहरीर पर मंसूरपुर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ग्राम मंसूरपुर निवासी प्रवेश कुमार पुत्र सुभाष चंद ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह 30 सितंबर 2026 की शाम करीब 7:30 बजे अपने घर में बैठकर खाना खा रहा था। आरोप है कि उसके पड़ोस के कुछ बच्चे पिछले कई दिनों से उसके घर के दरवाजे पर हाथ मारते हुए वहां से चले जाते थे।

बच्चों को समझाने पर हुआ विवाद

प्रवेश कुमार के मुताबिक घटना के समय भी पड़ोस के बच्चे उसके घर के दरवाजे पर हाथ मारकर जाने लगे। उसने बच्चों को समझाया तो वे वहां से भाग गए। इसके बाद उसने बच्चों के परिजनों को इस बारे में जानकारी दी। आरोप है कि इसी बात को लेकर कुछ लोग उसके घर पहुंच गए और बातचीत के दौरान विवाद शुरू हो गया।

घर पहुंचकर गाली-गलौज और मारपीट का आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि घर पर पहुंचे फैजान पुत्र निजामुद्दीन, काला उर्फ आशू पुत्र इमामुद्दीन, समीर पुत्र सारून और शौकीन पुत्र घेडू समेत अन्य लोगों ने बातचीत करते-करते गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि इसके बाद सभी ने प्रवेश कुमार और उसके परिवार के साथ मारपीट शुरू कर दी।

पीड़ित का आरोप है कि अचानक हुई मारपीट में उसे और उसके परिवार के लोगों को काफी चोटें आईं। मारपीट के दौरान उसके कपड़े भी फाड़ दिए गए। परिवार के लोगों ने शोर मचाया तो आसपास के लोगों के आने की भनक लगने पर आरोपी मौके से भाग गए।

जान से मारने की धमकी देने का आरोप

आरोप है कि मौके से भागते समय आरोपी पीड़ित और उसके परिवार को जान से मारने की धमकी देकर गए। घटना के बाद पीड़ित थाने पहुंचा और पुलिस को पूरी घटना की जानकारी देते हुए नामजद आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज पीड़ित प्रवेश कुमार की तहरीर पर मंसूरपुर थाना पुलिस ने फैजान पुत्र निजामुद्दीन, काला उर्फ आशू पुत्र इमामुद्दीन, समीर पुत्र सारून और शौकीन पुत्र घेडू समेत पांच आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मारपीट में घायल लोगों के संबंध में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आने वाले तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आर्यपुरी में महिला को घेरकर हमला, सिर पर पंच से वार, 17 नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज

स्कूल से बच्चों को छोड़कर लौट रही महिला पर हमला करने का आरोप, सोने का मंगलसूत्र और कान के कुंडल छीनने का आरोप

मुजफ्फरनगर। कोतवाली नगर क्षेत्र के आर्यपुरी मोहल्ले में एक महिला के साथ मारपीट और कथित तौर पर आभूषण छीनने का मामला सामने आया है। स्कूल से बच्चों को छोड़कर घर लौट रही महिला को रास्ते में घेरकर मारपीट करने और लोहे के पंच से सिर पर वार कर घायल करने का आरोप लगाया गया है। महिला ने मारपीट के दौरान सोने का मंगलसूत्र और कान के कुंडल छीने जाने का भी आरोप लगाया है। मामले में कोतवाली नगर पुलिस ने तहरीर के आधार पर 17 नामजद लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आर्यपुरी निवासी प्रीति पत्नी सोनू ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह मजदूरी करती है और अपने परिवार के साथ रहती है। उसके बच्चे हैं और वह रोजमर्रा के कामकाज के साथ बच्चों की देखभाल करती है। महिला के अनुसार, एक अक्टूबर 2026 को सुबह करीब आठ बजे वह अपने बच्चों को स्कूल छोड़कर वापस घर लौट रही थी। आरोप है कि स्कूल से वापस आते समय उसके पड़ोस में रहने वाले कई लोगों ने उसे घेर लिया।

तहरीर के अनुसार, महिला को घेरने वालों में भारत पुत्र नत्थन, सागर और चीकू पुत्र भारत, संजय और सोमपाल पुत्र रामस्वरूप, सविता पत्नी संजय, कविता पत्नी सोमपाल, अंशुल और गोरी पुत्र-पुत्री सोमपाल, अन्नू पत्नी सागर, रज्जो, कल्लो और आशा पुत्र-पुत्रियां नत्थन, रेखपाल, सत्यवती उर्फ सत्तो पत्नी रेखपाल तथा ज्योति उर्फ किट्टू पुत्री रेखपाल शामिल थे। महिला का आरोप है कि इन सभी ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और देखते ही देखते मारपीट करने लगे। महिला ने आरोप लगाया कि मारपीट के दौरान अंशुल पुत्र सोमपाल ने उसके सिर पर लोहे के पंच से हमला किया। सिर में चोट लगने के बाद वह खून से लथपथ हो गई। महिला के अनुसार, हमले के दौरान वह बचाव के लिए शोर मचाती रही। इसी बीच आरोप है कि कविता पत्नी सोमपाल ने उसके गले से सोने का मंगलसूत्र और कानों से सोने के कुंडल निकाल लिए।

पीड़िता का कहना है कि उसके शोर मचाने पर आसपास के लोगों के आने की स्थिति देखकर आरोपी मौके से चले गए। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और कहा कि इस बार तो वह बच गई, लेकिन आगे नहीं बचेगी। महिला ने पुलिस को बताया कि घटना के समय उसका पति काम के सिलसिले में बाहर गया हुआ था। तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि उसका पति जब काम के लिए बाहर रहता है, तभी आरोपी उसे अकेला देखकर विवाद और झगड़ा करने पर उतारू रहते हैं। महिला ने पुलिस के समक्ष दावा किया कि आरोपियों की ओर से पहले भी उसे परेशान किया जाता रहा है और उसे अपने तथा अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर भय बना हुआ है।

29 सितंबर को घर में घुसने का भी लगाया आरोप

महिला ने अपनी शिकायत में एक अक्टूबर की घटना से दो दिन पहले 29 सितंबर 2026 को हुई कथित घटना का भी उल्लेख किया है। महिला के मुताबिक, 29 सितंबर को दोपहर करीब 1:30 बजे वह अपने घर में बैठी हुई थी। आरोप है कि इसी दौरान भारत, सागर, सोमपाल, रेखपाल और अंशुल समेत कुछ लोग उसके घर में घुस आए। पीड़िता के अनुसार, घर में घुसने के बाद आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज की। महिला ने आरोप लगाया कि उनके पास लोहे का पंच और देशी कट्टा था तथा वे उसे जान से मारने की नीयत से घर में आए थे। महिला ने बताया कि इस घटना के संबंध में उसने एसएसपी कार्यालय पहुंचकर भी प्रार्थना पत्र दिया था। तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि संबंधित लोग खुद को प्रभावशाली बताते हुए उसे धमकाते हैं। महिला के अनुसार, आरोपी कथित तौर पर यह कहते हैं कि पुलिस उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकती और उनकी काफी पहुंच है। तहरीर में भारत के पुत्र में हत्या के मामले में जेल जाने का दावा करते हुए उसके द्वारा कथित तौर पर यह धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है कि एक हत्या कर चुका है और दूसरा नंबर उसका है।

कैमरे की क्लिक से यादों की दुनिया तक, बदलती तकनीक के साथ फोटोग्राफी ने बदली अपनी तस्वीर

मुजफ्फरनगर फोटोग्राफर्स सोसायटी के अधिवेशन एवं वीडियो एक्सपो-2026 में आधुनिक तकनीक पर मंथन, अत्याधुनिक कैमरों और उपकरणों की प्रदर्शनी बनी आकर्षण का केंद्र

मुजफ्फरनगर। फोटोग्राफी आज केवल तस्वीर खींचने तक सीमित नहीं रह गई है, बल्कि बदलती तकनीक के साथ यह रचनात्मकता, आधुनिक उपकरणों और यादों को संजोने की एक पूरी कला बन चुकी है। इसी बदलाव को करीब से समझने और फोटोग्राफी के क्षेत्र में आ रही नई तकनीक एवं संभावनाओं को साझा करने के लिए रविवार को पर्चेंडा रोड स्थित एक रिसोर्ट में मुजफ्फरनगर फोटोग्राफर्स सोसायटी के अधिवेशन एवं वीडियो एक्सपो-2026 का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिलेभर के फोटोग्राफरों ने भाग लिया और फोटोग्राफी तथा वीडियोग्राफी के बदलते स्वरूप पर विचार साझा किए। कार्यक्रम में फोटोग्राफरों ने कहा कि तकनीक चाहे कितनी भी बदल जाए, एक अच्छी तस्वीर के पीछे फोटोग्राफर की नजर, रचनात्मकता और मेहनत सबसे महत्वपूर्ण रहती है। फोटोग्राफर लोगों के जीवन के खास पलों को कैमरे में कैद कर उन्हें ऐसी याद में बदलते हैं, जिन्हें लोग वर्षों बाद भी देख और महसूस कर सकते हैं। शादी-विवाह, पारिवारिक समारोह और अन्य महत्वपूर्ण अवसरों की तस्वीरें लोगों के लिए भावनात्मक यादों का हिस्सा बन जाती हैं।

अधिवेशन का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष मीनाक्षी स्वरूप ने दीप प्रज्वलित कर किया। सोसायटी पदाधिकारियों ने पालिका अध्यक्ष का बुके भेंट कर और प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने फोटोग्राफी के क्षेत्र से जुड़े लोगों की मेहनत और जिम्मेदारी की सराहना की। मीनाक्षी स्वरूप ने कहा कि किसी भी परिवार के लिए शादी-विवाह और अन्य पारिवारिक समारोह बेहद खास होते हैं। इन अवसरों के दौरान बिताए गए पल समय के साथ बीत जाते हैं, लेकिन फोटोग्राफर अपनी कला के माध्यम से उन पलों को तस्वीरों में सुरक्षित कर देते हैं। यही तस्वीरें आगे चलकर परिवार की महत्वपूर्ण यादों का हिस्सा बनती हैं।

आधुनिक कैमरों और उपकरणों ने खींचा ध्यान

अधिवेशन के साथ आयोजित फोटो

वीडियो एक्सपो-2026 में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी से जुड़े आधुनिक उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई। प्रदर्शनी में अत्याधुनिक कैमरे, कैमरा स्टैंड, फ्लैश, फोटो एलबम, फोटो फ्रेम सहित विभिन्न प्रकार की सामग्री प्रदर्शित की गई। फोटोग्राफरों और कार्यक्रम में पहुंचे लोगों ने प्रदर्शनी में लगाए गए उपकरणों को देखा तथा उनकी तकनीकी खूबियों के बारे में जानकारी ली। आधुनिक कैमरों और फोटोग्राफी से जुड़े नए उपकरणों को लेकर फोटोग्राफरों में विशेष उत्साह दिखाई दिया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि फोटोग्राफी का क्षेत्र पिछले कुछ वर्षों में तेजी से बदला है। कैमरा तकनीक से लेकर तस्वीरों की प्रोसेसिंग, एलबम तैयार करने और वीडियोग्राफी तक में नए प्रयोग सामने आए हैं। ऐसे आयोजनों से फोटोग्राफरों को नई तकनीक की जानकारी मिलने के साथ ही एक-दूसरे के अनुभव साझा करने का अवसर मिलता है।

सोसायटी के पदाधिकारियों ने कहा कि फोटोग्राफी के क्षेत्र से जुड़े लोगों को समय के साथ खुद को नई तकनीक से जोड़ना जरूरी है। एक्सपो का उद्देश्य भी फोटोग्राफरों को एक मंच उपलब्ध कराना और आधुनिक उपकरणों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराना रहा।

जिलेभर से पहुंचे फोटोग्राफर

कार्यक्रम में सोसायटी के जिलाध्यक्ष श्रवण मोगा, महासचिव विकास पाल, कोषाध्यक्ष मित्रसेन, शहर कोषाध्यक्ष प्रदीप कुमार, जिला प्रभारी अरविंद राणा, मीडिया प्रभारी नवनीत कौशिक, रॉबिन सिंघल, जिला सचिव मिंकुल, संयोजक सतनाम छाबड़ा, रजनीश कौशिक, संजय सिंगर, राकेश अरोड़ा, राजीव मोगा, देशपाल, बृजमोहन वर्मा, बृजेश कुमार, राम भूल पुंडीर, सुनील सैनी, पवन शर्मा, कमल सैनी, राजीव गर्ग, मोहम्मद नसीम, सुशील कुमार, मनोज कुमार, प्रताप मलिक और कृष्णपाल सहित बड़ी संख्या में फोटोग्राफर एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। अधिवेशन और एक्सपो में फोटोग्राफी की कला, बदलती तकनीक और आधुनिक उपकरणों को लेकर दिनभर चर्चा का माहौल रहा। प्रदर्शनी में पहुंचे लोगों ने विभिन्न उपकरणों और फोटो एलबम आदि का अवलोकन किया और आयोजन की सराहना की।

मुजफ्फरनगर में छात्रा-बॉयफ्रेंड की बेरहमी से पिटाई: परिजनों ने सड़क पर किया हाईवोल्टेज ड्रामा, बाइक में भी तोड़फोड़

ट्यूशन के बहाने निकली थी छात्रा, सीसीटीवी फुटेज वायरल

मुजफ्फरनगर। शहर के मुख्य बाजार में उस समय अफरा-तफरी और हंगामे का माहौल बन गया, जब घर से ट्यूशन पढ़ने निकली एक छात्रा को उसके परिजनों ने उसके बॉयफ्रेंड के साथ घूमते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। इसके बाद बीच सड़क पर करीब आधे घंटे तक जमकर विवाद, मारपीट और हंगामा होता रहा। परिजनों ने न केवल छात्रा और उसके प्रेमी को सरेआम पीटा, बल्कि युवक की बाइक को भी सड़क पर पटककर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया। इस पूरी घटना के दो अलग-अलग सीसीटीवी वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरी घटना शनिवार शाम करीब 5:30 बजे की बताई जा रही है। छात्रा अपने घर से परिजनों को ट्यूशन जाने की बात कहकर निकली थी। हालांकि, ट्यूशन जाने के बजाय वह अपने प्रेमी के साथ मुजफ्फरनगर के मुख्य बाजार में घूम रही थी। इसी बीच, बाजार में मौजूद परिवार के ही एक युवक (रिश्तेदार)

की नजर उस पर पड़ गई। छात्रा को किसी अन्य युवक के साथ देखकर रिश्तेदार ने तुरंत सतर्कता दिखाई और दोनों के बाइक से निकलने से पहले ही युवक की बाइक की चाबी छीन ली, जिससे दोनों मौके से भाग न सकें। घटना के वायरल सीसीटीवी वीडियो में देखा जा सकता है कि छात्रा बाइक की चाबी वापस पाने के लिए अपने परिजनों के सामने लगातार हाथ जोड़कर मिन्नतें करती और चाबी छीनने की कोशिश करती रही। हालांकि, गुस्से में आगबबूला परिजनों ने उसकी एक न सुनी और छात्रा को थप्पड़ मारना शुरू कर दिया। इसके तुरंत बाद परिजनों ने फोन करके परिवार के अन्य सदस्यों को भी मौके पर बुला लिया। अतिरिक्त परिजनों के पहुंचते ही स्थिति और विकराल हो गई और उन्होंने छात्रा व युवक दोनों के साथ जमकर मारपीट की। माहौल बिगड़ता देख युवक ने किसी तरह परिजनों की गिरफ्त से छूटकर भागने का प्रयास किया, लेकिन गुस्साए परिजनों ने उसे सड़क पर दौड़ा-दौड़कर पकड़ लिया। इसके बाद बीच बाजार में ही उसकी बेदर्दी से पिटाई की गई। इतना ही नहीं, परिजनों का गुस्सा शांत नहीं हुआ और उन्होंने युवक की मोटरसाइकिल को सड़क पर गिराकर उसमें भारी तोड़फोड़ की।

बुढ़ाना में बीमारी से परेशान मजदूर महिला ने खाई चूहेमार दवा: इलाज के दौरान मौत, परिवार में पसरा मातम

पिछले 20 दिनों से दिमागी रूप से अस्वस्थ चल रही थी शाहिदा पानीपत सिविल अस्पताल में तोड़ा दम

बुढाना(मुजफ्फरनगर)। मुजफ्फरनगर जिले स्थित एक ईंट-भट्ठे पर मजदूरी करने वाले परिवार की 42 वर्षीय महिला शाहिदा की संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ (चूहे मारने की दवा) का सेवन करने से मृत्यु हो गई। बताया जा रहा है कि महिला पिछले करीब तीन सप्ताह से मानसिक रूप से अस्वस्थ चल रही थी और अपनी इस दिमागी स्थिति से काफी तनावग्रस्त थी। परिजनों द्वारा गंभीर हालत में उन्हें हरियाणा के पानीपत सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। मूल रूप से मुजफ्फरनगर जिले की बुढाना तहसील अंतर्गत गांव परासौली के निवासी शादिन ने बताया कि उनका परिवार स्थानीय ईंट-भट्ठे पर मजदूरी का काम करता है और वहीं रहता है। शादिन चार बच्चों के पिता हैं। परिवार में दो बड़ी बेटियों की शादी हो चुकी है, जबकि उनका एक मंझला बेटा और सबसे छोटी बेटी उनके साथ भट्ठे पर ही रहते हैं। शादिन के अनुसार, उनकी पत्नी शाहिदा (42/45 वर्ष) पिछले लगभग 20 दिनों से गंभीर मानसिक अस्वस्थता से जूझ रही थीं। दिमागी स्थिति ठीक न होने के कारण वे कई बार अचानक घर से भी बिना बताए गायब हो जाती थीं। हालांकि परिजन उनका लगातार इलाज करवा रहे थे, लेकिन शाहिदा अपनी बीमारी और मानसिक स्थिति से काफी हताश और तनावग्रस्त रहने लगी थीं। सुबह अचानक निगली चूहे मारने की दवा,

परिजनों को नहीं लगी भनक

घटना रविवार सुबह की है। मानसिक तनाव के चरम पर पहुंचने पर शाहिदा ने कमरे में रखी कीटनाशक (चूहे मारने की दवा) का सेवन कर लिया। इस आत्मघाती कदम की भनक परिजनों या घर में मौजूद बच्चों को तुरंत नहीं लग सकी। कुछ समय बीतने के बाद जब शरीर में जहर का असर शुरू हुआ, तो उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और वे चक्कर खाकर अचानक जमीन पर गिर पड़ीं। अपनी मां को अचेत अवस्था में जमीन पर गिरा देख बच्चों ने शोर मचाया और तुरंत इसकी जानकारी पिता शादिन को दी। घटना का पता चलते ही परिजन आनन-फानन में शाहिदा को निकटतम स्थानीय अस्पताल लेकर पहुंचे।

वहां प्राथमिक उपचार देने के बाद डॉक्टरों ने उनकी अत्यंत नाजुक स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए तत्काल पानीपत के उच्च स्तरीय अस्पताल (सिविल अस्पताल) ले जाने की सलाह दी। परिजन बिना समय गंवाए उन्हें पानीपत सिविल अस्पताल की इमरजेंसी में लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों की टीम ने त्वरित आपातकालीन उपचार शुरू किया। हालांकि, पूरे शरीर में जहर फैल जाने के कारण शाहिदा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन द्वारा घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई है

मुजफ्फरनगर में बुजुर्गों को आत्मनिर्भर बनाने की पहल: वृद्ध दंपत्ति को बांटे प्रेस व उपकरण, स्वरोजगार से स्वावलंबन का दिया संदेश

भारत विकास परिषद की महिला समिति ने स्वरोजगार योजना के तहत आयोजित किया कार्यक्रम

मुजफ्फरनगर। सामाजिक एवं मानवीय सरोकारों में अग्रणी संस्था भारत विकास परिषद मुजफ्फरनगर समृद्धि शाखा द्वारा महिला समिति के तत्वावधान में एक सराहनीय सामाजिक कार्य संपन्न किया गया। संस्था की ओर से संचालित ह्यस्वरोजगार योजनाह्न के अंतर्गत एक जरूरतमंद वृद्ध दंपत्ति को अपनी आजीविका चलाने के लिए कपड़े प्रेस करने की आयरन (प्रेस) तथा अन्य आवश्यक उपकरण भेंट किए गए, ताकि वे सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन-यापन कर सकें। इस कल्याणकारी कार्यक्रम की मुख्य संयोजक वेदांशी अग्रवाल (पुत्री आशु गुप्ता एवं पारुल गुप्ता) रहीं। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि किसी जरूरतमंद को केवल तात्कालिक आर्थिक मदद देने के बजाय उसे स्वरोजगार के साधनों से लैस करना सबसे बड़ी सेवा है। वृद्ध दंपत्ति को प्रेस व उपकरण मिलने से न केवल उन्हें रोजगार का जरिया मिला है, बल्कि उनके भीतर आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान की भावना भी सुदृढ़ हुई है।

महिला समिति की रही सक्रिय सहभागिता

आयोजन में भारत विकास परिषद ह्यसमृद्धिह्न शाखा की महिला समिति की सदस्यों ने बढ़-चढ़कर भूमिका निभाई। महिला समिति की ओर से पारुल गुप्ता, प्रियंका ऐरन और प्राची बिंदल ने पूरी मुस्तैदी के साथ कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को संभाला और सहयोग प्रदान किया। वहीं संस्था के प्रमुख पदाधिकारियों में अध्यक्ष विवेक वर्मा, सचिव प्रदीप गर्ग, विकास मित्र आशु गुप्ता, शरद ऐरन, अभिषेक गर्ग, अंकुर बिंदल, नितिन गोयल तथा अनिकेत मित्तल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी सदस्यों ने दंपत्ति के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के सफलतापूर्वक संपन्न होने के उपरांत विकास मित्र आशु गुप्ता ने अपने आवास पर उपस्थित सभी सदस्यों व अतिथियों के लिए सौहार्दपूर्ण माहौल में जलपान का आयोजन किया। अंत में शाखा अध्यक्ष विवेक वर्मा ने संस्था के इस सेवा कार्य में योगदान देने वाले सभी सदस्यों, संयोजकों और महिला समिति का हृदय से धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

मुजफ्फरनगर में मना लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर सम्मान समारोह: 21 मेधावी छात्र-छात्राओं को बांटी गईं साइकिलें

चौरासी फीसदी अंक हासिल करने वाली दिव्यांग छात्रा उमंग को नकद पुरस्कार का सम्मान

मुजफ्फरनगर। समस्त गडरिया धनगर समाज, मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर की पावन स्मृति में एक भव्य 'मेधावी छात्र-छात्रा, खिलाड़ी एवं सिविल सेवा प्रोत्साहन सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। इस गौरवमयी कार्यक्रम में शिक्षा, खेल, प्रशासनिक सेवाओं तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले होनहारों को मंच देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

देवी अहिल्याबाई के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन

कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। समारोह की मुख्य अतिथि मीरापुर विधायक मिथलेश पाल रहीं। विशिष्ट अतिथियों में सिटी मजिस्ट्रेट दीपक कुमार पाल, मुजफ्फरनगर विकास प्राधिकरण के

अवर अभियंता भरत पाल, सब रजिस्ट्रार आकाश पाल, गुलाबी गैंग प्रमुख संपत पाल, स्टेशन मास्टर सचिन पाल तथा दरोगा महेंद्र पाल शामिल रहे। वक्ताओं ने उनके जीवन-मूल्यों, न्यायप्रियता, महिला सशक्तीकरण और समाज सेवा के संकल्प को याद करते हुए युवा पीढ़ी से उनके बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि विधायक मिथलेश पाल ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में छुपी खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए संसाधनों और प्रोत्साहन की बेहद जरूरत है। इस दौरान प्रशासनिक व प्रशासनिक सेवा से जुड़े समाज के अधिकारियों को भी स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया।

21 विद्यार्थियों के खिले चेहरे, मिलीं प्रोत्साहन साइकिलें

प्रतिभावान विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से डॉ. सत्येंद्र पाल के विशेष सहयोग से हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट के 21 मेधावी छात्र-छात्राओं को निःशुल्क साइकिलों का वितरण किया गया। साइकिलें पाकर ग्रामीण व आर्थिक रूप से कमजोर पृष्ठभूमि के बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। वक्ताओं ने कहा कि दूर-दराज से आने वाले छात्रों के लिए यह सहयोग उनकी पढ़ाई की राह आसान करेगा।

दिव्यांग छात्रा उमंग की मिसाल

समारोह का सबसे भावुक और प्रेरणादायक क्षण वह रहा जब 10वीं कक्षा में 84% अंक अर्जित करने वाली दिव्यांग छात्रा उमंग को मंच पर सम्मानित किया गया। उमंग की जिजीविषा और कड़ी मेहनत को सलाम करते हुए अखिल विश्व क्षत्रिय पाल महासभा के जिलाध्यक्ष सुनील कुमार पाल ने ङ्11,000 की नगद राशि प्रदान की। जबकि डॉ. सत्येंद्र पाल ने भी ङ्11,000 का नगद पुरस्कार तथा एक नई साइकिल उपहार स्वरूप दी। अतिथियों ने एक स्वर में कहा कि उमंग की यह

मुजफ्फरनगर में जमीयत उलमा-ए-हिंद की बैठक: समाज सुधार: जनगणना और हिंदू-मुस्लिम एकता की रणनीति तय, गांव-मोहल्लों में चलेगा अभियान

मस्जिद रहीमिया में जिला अध्यक्ष मौलाना मुकर्रम अली कासमी की अध्यक्षता में हुई महत्वपूर्ण बैठक

मुजफ्फरनगर। जमीयत उलमा-ए-हिंद जिला मुजफ्फरनगर की समस्त इकाइयों के पदाधिकारियों की एक विशेष बैठक शहर स्थित मस्जिद रहीमिया में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष मौलाना मुकर्रम अली कासमी ने की, जबकि संचालन की जिम्मेदारी जिला महासचिव मौलाना अब्दुल खालिक कासमी ने निभाई। इस बैठक के दौरान इसलाहे मुआशरा (समाज सुधार), आगामी जनगणना के प्रति जनजागरूकता तथा हिंदू-मुस्लिम एकता और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने को लेकर विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई। तय किया गया कि इन तमाम अभियानों को केवल बैठकों तक सीमित न रखकर गांव, कस्बे और मोहल्ला स्तर तक पहुंचाया जाएगा। जिला अध्यक्ष मौलाना मुकर्रम अली कासमी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में कहा कि समाज के सकारात्मक बदलाव के लिए जमीनी स्तर पर जाकर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना बेहद जरूरी है।

जमीयत की स्थानीय इकाइयां उलेमा, सामाजिक कार्यकताओं और प्रबुद्ध लोगों के सहयोग से समाज में फैली नशाखोरी, दहेज प्रथा, शादी-ब्याह में फिजूलखर्ची और अशिक्षा जैसी बुराइयों के खिलाफ सघन अभियान चलाएंगी। इसके अलावा युवाओं को रचनात्मक कार्यों से जोड़ने और परिवारों में आपसी प्रेम एवं सम्मान का माहौल बनाने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

जनगणना को लेकर अफवाहों से सावधान रहने की अपील

जिला उपाध्यक्ष एवं जिला मीडिया प्रभारी मौ. आसिफ कुरैशी बुढ़ाना ने आगामी जनगणना प्रक्रिया पर चर्चा करते हुए कहा कि जब भी जनगणना की प्रक्रिया शुरू हो, आम जनता तक सही और प्रामाणिक जानकारी पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता होगी। स्थानीय इकाइयां मस्जिदों के माध्यम से ऐलान कराकर, बैठकों और घर-घर जनसंपर्क के जरिए लोगों को जागरूक करेंगी ताकि किसी भी तरह की अफवाहों या भ्रामक सूचनाओं का शिकार होने से जनता को बचाया जा सके। सामाजिक शांति के लिए संवाद और संपर्क बढ़ाने पर बलहिंदू-मुस्लिम एकता और आपसी सद्भाव पर चर्चा करते हुए मौलाना अब्दुल कय्यूम कासमी, मौलाना जुबैर रहमानी, मौलाना सुहैल अख्तर, हाफिज शेरदीन, मौलाना शाहनजर, मौलाना इजराइल और हाजी अजीजुर्रहमान ने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक शांति और भाईचारे के लिए विभिन्न समुदायों के जिम्मेदार लोगों के बीच निरंतर संवाद आवश्यक है। स्थानीय स्तर पर साझा सांस्कृतिक व भाईचारे के कार्यक्रम आयोजित करने और सोशल मीडिया पर फैलने वाली अनर्गल अफवाहों से सावधान रहने की सलाह दी गई।

चरणबद्ध तरीके से लागू होंगे निर्णय

जिला महासचिव मौलाना अब्दुल खालिक कासमी ने जानकारी दी कि इन सभी अभियानों को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा और जिला संगठन स्थानीय इकाइयों के साथ समन्वय बनाकर जिम्मेदारियां तय करेगा। अंत में मौलाना जुबैर रहमानी एवं मौलाना अहमद ने सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

बैठक में मुख्य रूप से मुफ्ती नौशाद, हाजी शराफत अली, मौलाना खालिद,

मुजफ्फरनगर की तितावी शुगर मिल में योग शिविर: निरोगी काया और तनावमुक्ति का दिया मंत्र

'स्वच्छता ही सेवा-2026' पखवाड़े के तहत आयोजित हुआ प्राणायाम व ध्यान शिविर

मुजफ्फरनगर। 'पहला सुख निरोगी काया' के सनातन सूत्र को जीवन में उतारने के उद्देश्य से मुजफ्फरनगर के तितावी स्थित इंडियन पोटाश लिमिटेड यूनिट शुगर कॉम्प्लेक्स में एक विशेष योग एवं स्वास्थ्य जागरूकता शिविर का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन राष्ट्रव्यापी 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान के तहत संपन्न हुआ। मिल कंपाउंड परिसर में आयोजित इस शिविर में संस्थान के शीर्ष अधिकारियों से लेकर कर्मचारियों तक ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और योग-प्राणायाम के माध्यम से शारीरिक व मानसिक आरोग्यता का पाठ सीखा। चीनी मिल इकाई परिसर में 17 सितम्बर 2026 से 2 अक्टूबर 2026 तक संचालित हो रहे 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े की कड़ी में 4 अक्टूबर को विशेष योग सत्र आयोजित किया गया। इस अभियान के तहत मिल प्रबंधन द्वारा स्वच्छता अभियानों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य सुधार की कई बहुआयामी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य एवं सहयोगी वीर सिंह के कुशल मार्गदर्शन में सुबह की वेला में मिल कंपाउंड तितावी में एकत्र हुए

दर्जनों कर्मचारियों और अधिकारियों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। शिविर में योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने उपस्थित लोगों को दैनिक दिनचर्या में शामिल किए जाने वाले विभिन्न आसनों और प्राणायामों का चरणबद्ध अभ्यास कराया। खड़े होकर किए जाने वाले आसनः ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटि चक्रासन और त्रिकोणासन का अभ्यास कराया गया। घुटनों के दर्द को ठीक करने तथा जोड़ों की तरलता बनाए रखने में सहायक सूक्ष्म क्रियाएं सिखाई गईं। वहीं बैठकर व लेटकर किए जाने वाले आसनों में वज्रासन, उष्ट्रासन, मंडूकासन, सर्पासन, भुजंगासन, शलभासन, उत्तानपादहस्त आसन, मर्कटासन और शवासन का अभ्यास कराया गया। इसी प्रकार तनाव दूर करने के लिए हास्यासन के साथ-साथ अनुलोम-विलोम, कपालभाति और भ्रामरी प्राणायाम का गहन अभ्यास कराया गया।

इस दौरान वीर सिंह जी ने कर्मचारियों के बीच जाकर सही मुद्रा में आसन कराने में सहयोग किया। अपने प्रेरणादायी संबोधन में योगाचार्य सुरेंद्र पाल सिंह आर्य ने कहा कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ता तनाव ही डायबिटीज, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप (हाई बीपी) जैसी घातक बीमारियों का मुख्य जनक है। उन्होंने जोर देकर कहा कि योग किसी एक दिन की गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन जीने का आधार होना चाहिए। शरीर को स्वस्थ, सुंदर और सुडौल बनाने के लिए नियमित योगाभ्यास अनिवार्य है।

भोकरहेड़ी में एनसीसी कैडेट्स का फायरिंग कैंप: कैडेट्स ने सीखे निशानेबाजी के गुर, सेना में करियर के बताए गए रास्ते

82 यूपी बटालियन के 10 दिवसीय शिविर में .22 राइफल से हुआ अभ्यास

मोरना (मुजफ्फरनगर)। मोरना ब्लॉक स्थित इंटर कॉलेज भोकरहेड़ी के प्रांगण में 82 यूपी बटालियन एनसीसी मुजफ्फरनगर के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय एनसीसी शिविर में अनुशासन और शौर्य का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। शिविर के दौरान युवा कैडेट्स को अत्याधुनिक तकनीकों के साथ फायरिंग (निशानेबाजी) का व्यावहारिक अभ्यास कराया गया, साथ ही भारतीय सशस्त्र बलों में अधिकारी बनने के अवसरों से भी अवगत कराया गया।

राइफल से साधा सटीक निशाना

कैंप कमांडेंट कर्नल प्रवीण भाल ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एनसीसी शिविर में फायरिंग प्रशिक्षण का मूल उद्देश्य केवल हथियार चलाना सिखाना नहीं, बल्कि कैडेट्स के भीतर आत्म-विश्वास, एकाग्रता और उच्च स्तर का अनुशासन विकसित करना है। उन्होंने बताया कि यह प्रशिक्षण युवा कैडेट्स को भविष्य में भारतीय सेना में एक बेहतरीन निशानेबाज और कुशल सैनिक बनने की मजबूत नींव प्रदान करता है।फायरिंग अभ्यास के दौरान .22 बोर राइफल का उपयोग किया गया। प्रशिक्षकों ने कैडेट्स को अलग-अलग शूटिंग पोजीशन–जैसे लेटकर, घुटने के बल बैठकर और खड़े होकर निशाना साधने की सटीक तकनीक का अभ्यास कराया। कैडेट्स को सिखाया गया कि प्रतिकूल परिस्थितियों और दूरी के अनुसार किस प्रकार सही पोजीशन का चयन किया जाता है। निशाना साधते समय शरीर की स्थिरता, सांस पर नियंत्रण और लक्ष्य पर एकाग्रता का महत्व रेखांकित किया गया।

सेना में अधिकारी बनने के बताए गए गुरुमंत्र

सत्र के दौरान प्रशासनिक एवं मार्गदर्शन अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विश्वास ने कैडेट्स को भारतीय सशस्त्र बलों में करियर निर्माण के विविध अवसरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अपनी योग्यता, लगन और रुचि के बल पर कैडेट्स रक्षा सेवाओं में प्रतिष्ठित पदों पर पहुंच सकते हैं। उन्होंने एनडीए और सीडीएस परीक्षाओं के माध्यम से सेना में सीधे अधिकारी बनने की चयन प्रक्रिया, आवश्यक शैक्षणिक योग्यता, शारीरिक मापदंड तथा लिखित परीक्षा की तैयारी की रणनीतियों पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त उन्होंने टेक्निकल एंट्री स्कीम, एनसीसी स्पेशल एंट्री और शॉर्ट सर्विस कमीशन के माध्यम से बिना लिखित परीक्षा सीधे एसएसबी इंटरव्यू तक पहुंचने के सुलभ रास्तों से कैडेट्स को अवगत कराया।

इन एनसीसी अधिकारियों व प्रशिक्षकों की रही उपस्थिति

प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने में सैन्य प्रशिक्षकों एवं एनसीसी अधिकारियों ने सराहनीय योगदान दिया। इस अवसर पर कैप्टन शशांक भारती, लेफ्टिनेंट नितिन कुमार, लेफ्टिनेंट अमित राणा, चीफ ऑफिसर विपिन कुमार, सेकंड ऑफिसर वाजिद अली, सेकंड ऑफिसर कपिल कुमार, सेकंड ऑफिसर फुरकान त्यागी, सूबेदार मेजर यशपाल सिंह तथा ट्रेनिंग जेसीओ अजीत सिंह सहित अनेक एनसीसी अधिकारी व प्रशिक्षक उपस्थित रहे। शिविर के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कैडेट्स का उत्साहवर्धन किया गया।

जायद में मूंगफली

तिलहनी फसलों के मुकाबले मूंगफली एक ऐसी फसल है, जो भारत के 40 प्रतिशत क्षेत्र में उगाई जाती है। मूंगफली के बीज में 45 प्रतिशत तेल तथा 26 प्रतिशत प्रोटीन की मात्रा पायी जाती है।

भूमि का चयन एवं तैयारी

मूंगफली की खेती के लिये दोमट, बलुआर दोमट या हल्की दोमट मिट्टी उपयुक्त रहती है। गर्मियों में मूंगफली, आलू, मटर, सब्जी मटर तथा राई की कटाई के बाद खाली खेतों में सफलतापूर्वक की जा सकती है। मूंगफली के लिये भारी दोमट मिट्टी का चयन न करें। खेत की तैयारी अच्छी प्रकार से कर लें 2–3 जुताई कल्टीवेटर से कर मिट्टी को भुरभुरा बना लें तथा जुताई के बाद पाटा लगाकर खेत समतल कर लें। इसके बाद कम अवधि में पकने वाली गुच्छेदार प्रजातियों का चयन करें जिसमें डीएच 86, आर–9251, आर 8808 आदि किस्मों का चयन किया जा सकता है। ध्यान रखें बीज का चयन रोग रहित उगायी गई फसल से करें। ग्रीष्मकालीन मूंगफली के लिये 95–100 किग्रा की दर से बीज दर प्रति हेक्टेयर उपयोग करें।

बीजोपचार

बीज को बोने से पूर्व थायरम 2 ग्राम+ कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति किलो बीजदर से उपचारित कर लें। फफूंदनाशक दवा से उपचार के बाद 1 पैकेट राइजोबियम कल्चर को 10 किग्रा बीज में मिलाकर उपचार करें।

बुवाई की विधि

खेत में पर्याप्त नमी के लिये पलेवा देकर जायद में मूंगफली की बुवाई करें। यदि खेत में नमी उचित नहीं होगी तो मूंगफली का जमाव अच्छा नहीं होगा। गुच्छेदार प्रजातियां खेती के लिये उपयुक्त रहती हैं। इसलिये बुवाई 25–30 सेमी की दूरी पर देशी हल से खोले गये कूंडों में 8–10 सेमी की दूरी कर करें। बुवाई के बाद खेत में क्रास लगाकर पाटा लगा दें।

बुवाई का समय

5 मार्च से 15 मार्च। देरी से बुवाई करने पर वर्षा प्रारंभ होने की दशा में खुदाई के बाद फल्लियों की सुखाई में कठिनाई होती है।

खाद एवं सिंचाई

यूरिया 43 किलो, सिंगल सुपरफास्फेट 155 किलो व म्यूरेट ऑफ पोटाश 66 किलो प्रति हेक्टेयर की दर से उपयोग करें। मूंगफली में नत्रजन की अधिक मात्रा का उपयोग न करें अन्यथा यह मूंगफली की पकने की अवधि बढ़ा देगा। पलेवा देकर बुवाई के बाद पहली सिंचाई 20 दिन बाद करें। दूसरी सिंचाई 30–35 दिन पर तीसरी सिंचाई 50–55 दिन पर करें।

खुदाई व भण्डारण

खुदाई तभी करें जब मूंगफली के छिलके के ऊपर नसें उभर आयें, भीतरी भाग कत्थई रंग का हो जाये व मूंगफली का दाना गुलाबी रंग का हो जाये। खुदाई के बाद फलियों को छाया में सुखाकर रखें।

मुनाफेदार छोटा खीरा

गरकिन को छोटा खीरा भी कहा जाता है। इसका उत्पत्ति स्थान अफ्रीका है। अर्न्तराष्ट्रीय बाजार में इस फसल ने अपना अलग स्थान बनाया है। भारत में इसकी खेती पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश एवं कर्नाटक में की जाती हैं। उपयुक्त कृषि जलवायु होने के कारण भारतीय गरकिन उच्च गुणवत्ता वाली होती है। भारत से गरकिन स्पेन, बेल्जियम, श्रीलंका, फ्रांस, इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, अमेरिका, स्विटजरलेंड, हौलेंड, ब्राजील, स्वेडन, अर्जेंटीना आदि देशों में निर्यात किया जाता है। भारत में गरकिन को सम्पर्क खेती के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है।

इस कृषि पद्धति में विभिन्न संस्थायें किसानों को बैंकों के माध्यम से ऋण दिलाकर तथा उच्च गुणवत्ता के पौध रोपण सामग्री उपलब्ध कराकर खेती कराते हैं तथा इनकी उपज को उचित दाम में खरीदकर एवं संग्रहित कर बाजार या प्रसंस्करण इंडस्ट्री को भेजते हैं।

गरकिन का प्रसंस्करण और निर्यात 1990 में कर्नाटक में शुरू हुआ था, फिर यह धीरे–धीरे तमिलनाडू और आंध्रप्रदेश में फैल गया। रूस अधिक मात्रा में भारतीय गरकिन का आयात करता है। भारत से गरकिन का औसतन 2,25,000 मेट्रिक टन प्रतिवर्ष निर्यात होता है, जिसकी कीमत लगभग 700 करोड़ रूपये होती है। निर्यात के लिए गरकिन को बाईन, विनेगर या एसीटिक एसिड में सुरक्षित रखते हैं। एक एकड़ खेती के लिए लगभग 20,000 औसतन खर्च आता है।

जलवायु एवं मिट्टी

गरकिन की खेती वर्ष भर की जा सकती है। लेकिन उष्ण जलवायु इसके लिए उपयुक्त है। औसतन तापमान 18–24 डिग्री से.ग्रे. की आवश्यकता पड़ती है। कम तापमान अंकुरण एवं फूल को प्रभावित करता हैं। गरकिन को सभी प्रकार की मिट्टी में लगाया जा सकता है। उचित जल निकास एवं उर्वरता वाली मिट्टी इसकी खेती के लिए अनुकूल है। मिट्टी का पी एच 6–6.5 तक होना चाहिए।

खेत की तैयारी

मिट्टी को 3–4 बार गहरी जुताई करके 10–15 टन प्रति एकड़ गोबर खाद मिलाते हैं। खेत की मेड़ 15 से.मी. ऊंची एवं 1 मीटर चौड़ी बनाते हैं। उर्वरक को मिट्टी जांच के आधार पर चार भागों में कर उपयोग करें। सामान्यतया 100 कि.ग्रा. डीएपी एवं 100 कि.ग्रा. नीम केक का उपयोग करें।

बीजदर एवं बुआई

इसके लिए 11000–15000 बीज प्रति एकड़ की आवश्यकता पड़ती है। कतार से कतार के बीज की दूरी 1 मीटर तथा बीज से बीज की दूरी 30 से.मी. रखते हैं। खेत में 10 फीट की दूरी पर खंभे लगाकर उस पर तार को बांध देते हैं। जिससे पंडाल की आकृति बन जाती है। जब पौधा बड़ा होने लगता है तब जूट रस्सी की सहायता से उसे खंभा पर चढ़ा देते हैं।

सिंचाई

प्रत्येक कतार में एक ड्रिप की लाईन बिछा दें। ड्रिप की सहायता से मिट्टी में नमी के आधार पर 2–3 घंटे के अंतराल पर खेत में सिंचाई करें।

खरपतवार नियंत्रण

खेत में खरपतवार को बीज बोने से 15 दिन के अंतर पर तीन बार निकालें।

ट्राईकोडर्मा खेती का सखा

ट्राईकोडर्मा एक घुलनशील जैविक फफूंदीनाशक है जो ट्राईकोडर्मा विरिडी या ट्राईकोडर्मा हरजिएनम पर आधारित है। फसलों में लगने वाले जड़गलन, उखटा एवं तनागलन आदि मिट्टी फफूंद रोगों की रोकथाम के लिए उपयोगी पाया गया है। ट्राईकोडर्मा के कवक तन्तु फसल के नुकसानदायक फफूंदी के कवक तन्तुओं को लपेटकर या सीधे अन्दर घुसकर उनका रस चूस लेते हैं और नुकसानदायक फफूंदों का नाश करते हैं। इसके अतिरिक्त भोजन स्पर्द्धा के द्वारा कुछ ऐसे विषाक्त पदार्थ का स्त्राव करते हैं जो बीजों के चारों ओर सुरक्षा कवच बनाकर हानिकारक फफूंदों से बीज को सुरक्षा देते हैं। ट्राईकोडर्मा से उपचारित बीज में अंकुरण अच्छा होकर फसलें फफूंदजनित रोगों से मुक्त रहती है एवं उनकी वानस्पतिक वृद्धि अच्छी होती है।

ट्राईकोडर्मा की कार्य विधि

ट्राईकोडर्मा संवर्ध में इस मित्र फफूंद के असंख्य जीवाणु जीवित अवस्था में होते हैं। इससे बीजोपचार, जड़ोपचार तथा मृदा उपचार करने से फसलों की जड़ों के आसपास इस मित्र फफूंद का जाल भारी संख्या में कृत्रिम रूप से निर्मित हो जाता है। ट्राईकोडर्मा मृदा में स्थित रोग उत्पन्न करने वाले हानिकारक कवकों का प्रतिजैविक है तथा यह उनकी वृद्धि रोककर उन्हें धीरे–धीरे नष्ट करता है जिससे ये हानिकारक कवक फसलों की जड़ों को संक्रमित कर रोग उत्पन्न करने में असमर्थ हो जाते हैं। इस प्रकार ट्राईकोडर्मा एक मित्र फफूंद के रूप में मृदा में उपस्थित हानिकारक शत्रु फफूंदों फसलों की रक्षा करता है।

बीजोपचार

भूमिजनित कवकों से ग्रसित होने वाली फसलों के उपचारित किये जाने वाले बीज को किसी साफ बर्तन में रखे तथा बीजों पर थोड़े से पानी की छींटे दें। अब बीजों में 6 से 8 ग्राम ट्राईकोडर्मा पाउडर प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर अच्छी तरह से उलट–पलट दें। इस प्रकार इस पाउडर की बीजों के चारों ओर एक समान परत चिपक जायेगी। अब बीज की बुवाई कर दें।

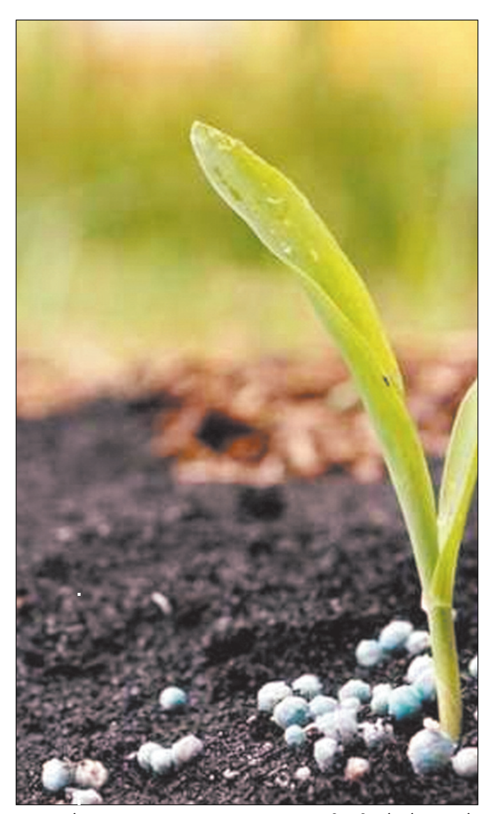

मिट्टी का उपचार

ट्राईकोडर्मा पावडर 2.5 किलोग्राम को 75 किलोग्राम कम्पोस्ट अथवा गोबर की खाद में मिलाकर बुवाई पूर्व अन्तिम जुताई से पहले खेत की मिट्टी में अच्छी तरह से मिला दें तत्पश्चात बुवाई करें।

ट्राईकोडर्मा का उपयोग

- बीज उपचार हेतु 6 से 8 ग्राम ट्राईकोडर्मा प्रति किलोग्राम बीज में सूखा मिलाकर बुवाई करें।
- भूमि उपचार के लिए 1 किलोग्राम ट्राईकोडर्मा को 25 किलोग्राम गोबर खाद में मिलाकर हल्के पानी का छींटा देकर एक सप्ताह तक छाया में सुखाने के पश्चात बुवाई के पूर्व प्रति हैक्टेयर प्रयोग किया जाये।
- खड़ी फसल में रोग आने पर प्रथम सिंचाई के उपरान्त पौधों के चारों ओर ट्राईकोडर्मा पावडर को मिट्टी में गोबर खाद के साथ मिलाकर छिड़काव करके जमीन में मिला दें।

सावधानियां

- ट्राईकोडर्मा क्षारीय मिट्टी में कम उपयोगी है।
- उपचारित बीज बोने के पहले सुनिश्चित कर लें कि मिट्टी में उचित आर्द्रता हो।
- यह एक जैविक उत्पाद है किन्तु खुले घावों, श्वसन तंत्र व आंखों के लिए हानिकारक है अत: इसके प्रयोग के समय सावधानी बरतें।
- इसके प्रयोग से पहले या बाद में किसी रसायनिक फफूंदनाशक का प्रयोग न किया जाये।
- ट्राईकोडर्मा फंफूद कल्चर को सीधी धूप व गर्मी से बचाकर छायादार स्थान में भंडारित करें तथा पावडर के पैकेट पर अंकित तिथि से पूर्व (एक वर्ष के अन्दर ही) उपयोग करें।

ट्राईकोडर्मा उत्पादन की देशी व सरल विधि

किसानों के स्तर पर ट्राईकोडर्मा को अधिक मात्रा में उत्पादन करने के लिए एक नई पद्धति विकसित हुई है इसके लिए सबसे पहले जमीन पर 3 मीटर लम्बे, 2 मीटर चौडे एवं 1.5 मीटर गहरे कच्चे गड्ढे बनाते हैं फिर इन गड्ढों में गोबर की खाद डालते हैं। गोबर की खाद पर 50 ग्राम ट्राईकोडर्मा पावडर डालकर गड्ढों को गेहूं का भूसा या धान की पुआल से ढक दें। समय–समय पर पानी का छिड़काव करते रहे जिससे समुचित नमी बनी रहे। 7 से 10 दिन बाद नई गोबर की खाद मिलाकर फावड़े से अच्छी तरह से मिला दें और फिर पुआल से ढंककर बराबर पानी का छिड़काव करते रहें। इस प्रकार लगभग 3 महीने में ट्राईकोडर्मा से उपचारित गोबर की सड़ी खाद तैयार हो जाती है। इस खाद के प्रयोग हम मिट्टी उपचार के लिये करते हैं। नये गड्ढे तैयार करने के लिए गड्ढों में गोबर की खाद डालने के बाद पहले से तैयार ट्राईकोडर्मा उपचारित खाद की कुछ मात्रा मिला देते है और भूसा से अच्छी तरह से ढंककर पानी का छिड़काव करते रहते है। इस प्रकार एक बार तैयार की गई खाद आगे भी बार–बार उपयोग में लाई जा सकती है। इस विधि से तैयार गोबर खाद बहुत अच्छी गुणवत्ता की होती है।

दादरी में बड़ा हादसा, भरभराकर गिरी मकान की छत, एक की मौत

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के दादरी कोतवाली क्षेत्र के ब्रह्मपुरी मोहल्ले में रविवार को मकान की छत की मरम्मत के दौरान अचानक छत का एक हिस्सा गिर गया। हादसे में वहां काम कर रहे दो मजदूर मलबे में दबकर घायल हो गए। इनमें से एक मजदूर की मौत हो गई। उपचार के दौरान चिकित्सकों द्वारा इरफान उर्फ टीटू पुत्र नन्हे लाल निवासी रियाज कॉलौनी, जनपद अलीगढ़ को मृत घोषित कर दिया गया है। मृतक के शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा जा रहा है। अन्य आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दोनों घायलों को मलबे से निकालकर उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं रियाज की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, ब्रह्मपुरी मोहल्ले में एक मकान की छत पर मरम्मत का काम चल रहा था। इसी दौरान अचानक छत का हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया। हादसे के समय वहां कई मजदूर काम कर रहे थे। छत गिरने से मजदूरों के दबे होने की सूचना पुलिस को मिली। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस के साथ फायर सर्विस यूनिट मौके पर पहुंची।

रेस्क्यू टीम ने तत्काल मलबा हटाकर मजदूरों को बाहर निकालने का काम शुरू किया। इस दौरान इरफान उर्फ टीटू और हैदर अली घायल अवस्था में मिले। दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया। हालांकि एक मजदूर की मौत हो गई।

हादसे की सूचना के बाद पुलिस के उच्चाधिकारी भी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य का जायजा लिया। पुलिस और दमकल की टीम द्वारा मलबे में किसी अन्य व्यक्ति के दबे होने की आशंका को देखते हुए रेस्क्यू अभियान जारी रखा गया। मौके पर सुरक्षा व्यवस्था भी बढ़ा दी गई है। पुलिस का कहना है कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। मामले में आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घरेलू सहायिका की आत्महत्या मामले में युवक पर केस दर्ज

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के होशियारपुर में 24 वर्षीय युवती ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। परिजनों का आरोप है कि एक युवक द्वारा परेशान किए जाने से दुखी होकर उसने यह कदम उठाया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में युवती के मामा फतेहपुर निवासी दीपक कुमार ने बताया कि उनकी भांजी राधा होशियारपुर में सेक्टर-51 की गली नंबर आठ में किराये के कमरे में अकेली रहती थी। वह घरों में साफ-सफाई और खाना बनाने का काम करती थी। उसका संबंध उन्नाव निवासी 25 वर्षीय मोनू से था।

दोनों शादी करना चाहते थे, लेकिन वर्ष 2025 में मोनू ने दूसरी युवती से शादी कर ली। इसके बाद राधा उससे बातचीत नहीं करना चाहती थी।आरोप है कि राधा के दूरी बनाने पर मोनू उसे फोन पर परेशान करने लगा और गाली-गलौज करता था।

मेरठ में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा एवं संयुक्त गुर्जर परिसंघ की महत्वपूर्ण बैठक

मेरठ। मेरठ स्थित मेनशन होटल सभागार में संयुक्त गुर्जर परिसंघ के संयोजक भोपाल प्रधान द्वारा संवाद संगोष्ठी एवं महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वीरेंद्र सिंह ने की तथा संचालन नवाब चपराना ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी उपस्थित रहे। प्रमुख वक्ताओं में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष केपी सिंह कसाना, रामकेश चपराना, जगबीर दौला, कर्मवीर तोमर, तथा गौतम बुद्ध नगर जिलाध्यक्ष अशोक भाटी शामिल रहे।

बैठक में आगामी 27 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में सरदार पटेल जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने के लिए तैयारियों पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने युवाओं एवं महिलाओं को सामाजिक नेतृत्व में आगे लाने पर जोर दिया। साथ ही शिक्षा, व्यवसाय और राजनीतिक हिस्सेदारी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर अपने विचार रखे। राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिश्चंद्र भाटी ने भारत सरकार से कोतवाल धन सिंह गुर्जर को भारत रत्न प्रदान करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले मेरठ के वीर सपूत कोतवाल धन सिंह गुर्जर के बलिदान को भुलाया नहीं जा सकता। उनके योगदान को सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान मिलना चाहिए।

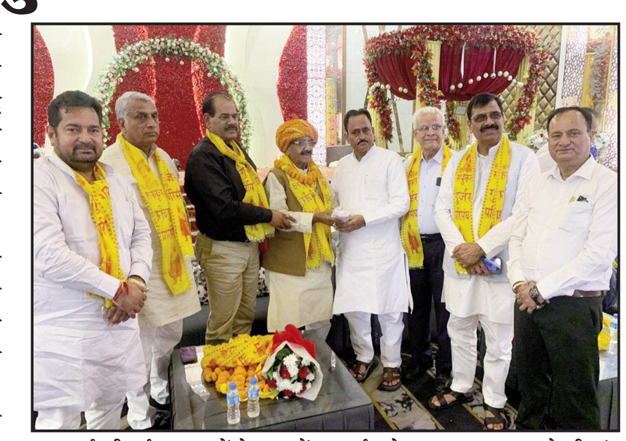

बैठक में उपस्थित सैकड़ों लोगों ने 27 अक्टूबर को मेरठ से हजारों की संख्या में दिल्ली पहुंचकर गुर्जर स्वाभिमान रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान सुप्रसिद्ध लोक गायक हरेंद्र नागर एवं बिशन सिंह महाशय ने रैली में भागीदारी के लिए प्रेरित करने वाले आह्वान गीत प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में जगदीश गुर्जर, जितेंद्र प्रधान, सुमित प्रधान, नितिन प्रमुख, प्रवीण प्रधान, अश्विनी गुर्जर, कुलबीर पार्षद, डॉ. आदित्य गुर्जर, ललित चपराना, अमित प्रधान, गजेंद्र नागर, तहलका नागर, रविंद्र प्रधान, विनोद चेयरमैन, परविंदर चेयरमैन, अंकित गुर्जर, अर्पित गुर्जर, कौशल प्रधान, सुरेश प्रधान, योगेश कसाना, आदेश भाटी एवं सुशांत गुर्जर सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हिन्दू समाज को संगठित कर लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक संघर्ष को व्यापक बनाएंगे, भारत को हिन्दू राष्ट्र बनाएंगे: डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा

नोएडा। एनएसईजेड,फेज-2,नोएडा में आज नेशनल फेडरेशन फॉर हिन्दू राष्ट्र के सदस्यों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई।बैठक में देश में हिन्दू समाज से जुड़े विभिन्न सामाजिक,सांस्कृतिक एवं धार्मिक संगठनों को एक व्यापक मंच पर संगठित करने तथा संगठन के आगामी कार्यक्रमों पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में सर्वसम्मति से अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा को नेशनल फेडरेशन फॉर हिन्दू राष्ट्र का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित किया गया।उनके निर्वाचन पर उपस्थित सदस्यों ने हर्ष व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में फेडरेशन देशभर में प्रभावी जनजागरण अभियान चलाकर हिन्दू समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

बैठक में फेडरेशन की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भी गठन किया गया।केदारनाथ श्रीवास्तव को राष्ट्रीय महासचिव,बनवारी लाल यादव को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष तथा एडवोकेट अरुण मिश्रा को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया।

नेशनल फेडरेशन फॉर हिन्दू राष्ट्र भारत के विभिन्न सामाजिक,सांस्कृतिक एवं धार्मिक संगठनों का साझा मंच है।फेडरेशन का उद्देश्य संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के अंतर्गत भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित कराने के समर्थन में जनजागरण करना तथा हिन्दू समाज से जुड़े विषयों पर व्यापक विमर्श एवं जनमत तैयार करना है।

फेडरेशन के नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की सनातन संस्कृति और परंपराओं की रक्षा के लिए हिन्दू समाज का संगठित एवं जागरूक होना आवश्यक है।उन्होंने कहा कि फेडरेशन देशभर के सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों को एक साझा मंच पर लाकर संवैधानिक एवं लोकतांत्रिक माध्यमों से जनजागरण का व्यापक अभियान चलाएगा।डॉ.शर्मा ने कहा कि फेडरेशन का लक्ष्य भारत को संवैधानिक रूप से हिन्दू राष्ट्र घोषित कराने के पक्ष में देशव्यापी वैचारिक एवं लोकतांत्रिक जनमत तैयार करना है।इसके लिए समाज के विभिन्न वर्गों,संत-महात्माओं,धार्मिक संस्थाओं,सामाजिक संगठनों तथा राष्ट्रहित में कार्य करने वाले व्यक्तियों को साथ जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि समान नागरिक संहिता,पूजा स्थल अधिनियम को समाप्त करने,श्रीकृष्ण जन्मस्थान एवं काशी विश्वनाथ मंदिर के निर्माण तथा गौहत्या पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिबंध लगाने जैसे मुद्दों को लेकर देशभर में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा।

डॉ.शर्मा ने कहा कि इन विषयों पर जनजागरण के साथ-साथ संबंधित सरकारों एवं संवैधानिक संस्थाओं के समक्ष लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगों और विचारों को रखा जाएगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि फेडरेशन का प्रयास व्यापक सामाजिक संवाद,संगठनात्मक एकता और संवैधानिक प्रक्रिया के माध्यम से अपने उद्देश्यों को आगे बढ़ाना होगा।

डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने कहा कि भारत केवल भौगोलिक दृष्टि से एक राष्ट्र नहीं,बल्कि हजारों वर्षों से चली आ रही सनातन सभ्यता,संस्कृति, ज्ञान-परंपरा और आध्यात्मिक चेतना की भूमि है।उन्होंने कहा कि हिन्दू समाज की सांस्कृतिक एवं धार्मिक परंपराओं का संरक्षण और संवर्धन राष्ट्रीय जीवन का महत्वपूर्ण विषय है।उन्होंने कहा कि भारत के हिन्दू राष्ट्र बनने की अवधारणा को लेकर देशभर में व्यापक वैचारिक चर्चा एवं जनजागरण की आवश्यकता है। फेडरेशन इस दिशा में विभिन्न संगठनों और समाज के प्रबुद्ध वर्गों को जोड़कर एक सशक्त एवं शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक अभियान चलाएगा।उन्होंने कहा कि भारत में रहने वाले हिन्दू समाज के साथ-साथ विश्व के विभिन्न देशों में रहने वाले हिन्दुओं की सांस्कृतिक जड़ों को भी भारत की सनातन परंपरा से शक्ति मिलती है।इसलिए भारत की सनातन संस्कृति और विरासत का संरक्षण वैश्विक हिन्दू समाज के लिए भी महत्वपूर्ण है।

बैठक में निर्णय लिया गया कि नेशनल फेडरेशन फॉर हिन्दू राष्ट्र को देश के विभिन्न राज्यों तक विस्तारित किया जाएगा तथा समान विचार रखने वाले सामाजिक,धार्मिक एवं सांस्कृतिक संगठनों को फेडरेशन से जोड़ने का अभियान चलाया जाएगा।

नवनिर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मुन्ना कुमार शर्मा ने नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी संगठन की विचारधारा,उद्देश्यों और कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए मिलकर कार्य करें।उन्होंने कहा कि संगठन की शक्ति उसके कार्यकर्ताओं की एकता,अनुशासन और राष्ट्र एवं समाज के प्रति समर्पण में निहित है।उन्होंने देशवासियों से आह्वान किया कि भारत की सनातन सांस्कृतिक विरासत,धार्मिक परंपराओं और राष्ट्रीय हित से जुड़े विषयों पर स्वस्थ एवं लोकतांत्रिक संवाद को आगे बढ़ाने के लिए सभी लोग सकारात्मक भूमिका निभाएं। राष्ट्रीय महासचिव केदारनाथ श्रीवास्तव ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं तथा सभी उपस्थितजनों के प्रति आभार व्यक्त किया।

शुकदेव आगमन, कपिल अवतार और शिव-सती चरित से भक्तिमय हुआ नोएडा

नोएडा। भारत विकास परिषद, नोएडा द्वारा धर्म, संस्कार एवं सनातन संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से सेक्टर-33 स्थित शिल्प हाट के निकट हेलीपैड ग्राउंड में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस श्रद्धा और भक्ति का वातावरण देखने को मिला।

कथा व्यास पूज्य आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज ने श्रीमद्भागवत महात्म्य का भावपूर्ण वर्णन करते हुए श्री शुकदेव आगमन, श्री कपिल अवतार तथा श्री शिव-सती चरित के प्रसंगों का रसपूर्ण विवेचन किया।आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री ने कहा कि श्रीमद्भागवत केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि मानव जीवन को भक्ति, ज्ञान, वैराग्य और सदाचार की दिशा देने वाला दिव्य मार्गदर्शन है। उन्होंने पितृ पक्ष में श्रीमद्भागवत कथा श्रवण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान का स्मरण, कथा श्रवण और पितरों का श्रद्धापूर्वक स्मरण आध्यात्मिक दृष्टि से विशेष महत्व रखता ह ,कथा के दौरान पूरा पंडाल 'जय श्री राधे', '? नमो भगवते वासुदेवाय' और 'जय गोपी चित्तचोर प्रभु' के जयघोष से गूंज उठा। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सपरिवार कथा का श्रवण किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि आर.एन. मिश्रा, डीएसपी ट्रैफिक, नोएडा एव प्रवीण रंजन ने व्यास पीठ का नमन किया। पूज्य श्री कृष्णकांत शास्त्री जी महाराज एवं जगद्गुरु सुदामा कुटी जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की आध्यात्मिक गरिमा को और बढ़ाया। इस अवसर पर गोपाल कृष्ण अग्रवाल एवं मधुसूदन दादू ने पूज्य आचार्य श्री मृदुल कांत शास्त्री जी महाराज का माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया। कथा के मुख्य यजमान डॉ. वी.के. गुप्ता एवं श्रीमती रीना गुप्ता रहे।

भारत विकास परिषद, नोएडा के अध्यक्ष संजय कुमार गुप्ता ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए कथा स्थल पर पेयजल, पार्किंग, सुरक्षा एवं स्वच्छता की व्यवस्था की गई है। प्रतिदिन कथा के उपरांत भंडारा एवं प्रसाद की भी व्यवस्था है। उन्होंने श्रद्धालुओं से सपरिवार कथा में शामिल होकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में सचिव अखिलेश भदौरिया, कोषाध्यक्ष अक्षय पारीक, महिला सहभागिता संयोजिका श्रीमती सुनीता मित्तल, पूर्व अध्यक्ष एवं संरक्षक डॉ. टी.एन. गोविल, शाखा संरक्षक प्रताप मेहता, विपिन मल्हन, केशव गंगल, एन.के. अग्रवाल, रामरतन शर्मा, राकेश कत्याल, पंकज जिंदल, मुकुल वाजपेयी सहित परिषद के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

गाय को पॉलीथिन में रोटी खिलाने पर टोका तो जूस विक्रेता को पीटा

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के बरौला गांव में गाय को पॉलीथिन में रोटी खिलाने पर टोकने को लेकर हुए विवाद में दो युवकों ने जूस विक्रेता लाल पासवान की पिटाई कर दी। आरोपियों ने उसे जमीन पर गिराकर पीटा। घटना का 3 मिनट 55 सेकंड का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने मामले का संज्ञान लेकर आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना शनिवार सुबह करीब नौ बजे बरौला गांव में डबल एटीएम के पास की है। लाल पासवान यहां जूस की ठेली लगाता है। ठेली के पास दीवार से सटाकर उसने एक कैरेट रखा था, जिसमें संतरे और अनार के छिलके जमा करता था।

वह इन छिलकों को गाय को खाने के लिए देता था। शनिवार सुबह गांव का राहुल वहां पहुंचा और कैरेट में पॉलिथीन समेत कुछ डालने लगा। लाल पासवान ने इस पर आपत्ति जताई तो दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि विवाद के दौरान राहुल ठेली की तरफ पहुंचता है। इसी बीच गांव का प्रमोद दूध की डोलची लेकर वहां आ जाता है। कहासुनी बढ़ने पर राहुल जूस विक्रेता को थप्पड़ मारने लगता है, जबकि प्रमोद डोलची से उस पर हमला करता है। दोनों लाल पासवान को जमीन पर गिराकर पीटते हैं। मारपीट में जूस विक्रेता को चोटें आई हैं। घटना के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। इनमें महिलाएं भी शामिल थीं। मारपीट के कारण सड़क पर यातायात भी बाधित हो गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची तो दोनों पक्षों के बीच समझौते की बात सामने आई। इसके बाद घटना का वीडियो वायरल होने पर मामला चर्चा में आ गया। पुलिस का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच कैरेट में कूड़ा डालने को लेकर विवाद हुआ था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नोएडा में जापानी पार्क, अक्टूबर महीने में बच्चों और पर्यटकों को मिलेगा तोहफा

नोएडा। खुला पार्क और उसमें बच्चों के लिए खेलने के लिए साधन मिले तो यह काफी मजेदार होगा। वीकेंड पर छुट्टी के दिन घूमने की जगह मिल जाएगी और पिकनिक स्पॉट भी बन सकता है. नोएडा प्राधिकरण द्वारा ऐसा ही खुला पार्क तैयार किया जा रहा है। प्राधिकरण द्वारा करीब 9 एकड़ जमीन पर जापानी पार्क तैयार किया जा रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के मुताबिक, सेक्टर 94 में जापानी पार्क तैयार किया जा रहा है, जो अक्टूबर महीने में तैयार हो जाएगा. 9 एकड़ में बन रहे जापानी पार्क काफी अनूठा पार्क है, यह 14 करोड़ की लागत से बनाई जा रही है। प्राधिकरण के अधिकारियों ने बताया की आम जनता, बच्चों और पर्यटकों के लिए अक्टूबर महीने में ही खोल दिया जाएगा.इस बारे में प्राधिकरण की ओर से जानकारी दी गई है कि पार्क का थीम जापानी पार्क और इसकी संस्कृति को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है. जहां प्रकृतिक प्रेम, मानसिक शांति और अध्यात्म की झलक देखने को मिलेगी. पार्क के अंदर ऐसे चीजों को बनाया जा रहा है जो सीधे जापान स्थित पार्क का अहसास कराएगा।

बच्चों के लिए खास होगा जापानी पार्क: जापानी पार्क नोएडा के सेक्टर 94 में तैयार किया जा रहा है। इस पार्क में बच्चों के लिए काफी कुछ आकर्षक होगा. बच्चों के इंटरटेनमेंट के लिए खास जापानी झूले और ड्रैगन झूले लगाए जा रहे हैं. झूला काफी विशाल होगा। इसके अलावा झरने का निर्माण कराया जा रहा है और वॉटर बॉडी विकसित किए जा रहे हैं जो नदी जैसी होगी और उस पर छोटे-छोटे पुल भी होंगे। पार्क में सुबह-शाम को टहलने वालों के लिए वार्किंग ट्रैक बनाया जा रहा है जो काफी लंबा होगा।

पार्क में खास तकनीक से पौधे उगाए जा रहे हैं, इसके लिए मियावाकी तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है. जो कम समय से घने जाल का रूप ले लेता है। युवाओं और सोशल मीडिया लवर्स के लिए पार्क में कई आकर्षक सेल्फी पॉइंट बनाए गए हैं।

साइबर अपराध को लेकर नोएडा पुलिस और आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 ने की पहल, निवासियों को मिले सुरक्षा के 'मास्टर की' मंत्र

नोएडा। डिजिटल युग की तेज़ रफ़्तार के बीच जहाँ आधुनिक सुविधाओं का विस्तार हुआ है, वहीं शातिर साइबर अपराधियों की नित-नई चालों ने आम जनजीवन को गहरी चिंता में डाल रखा है। मासूम बच्चों, महिलाओं और जीवनभर की पूँजी लगाने वाले बुजुर्गों को झांसे में लेकर उनकी निजी जानकारी चुराने, ब्लैकमेल करने और वित्तीय डाका डालने वाले अपराधियों के मंसूबों को ध्वस्त करने के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस के 'साइबर जागरूकता माह' के अंतर्गत आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 द्वारा सामुदायिक केंद्र में एक भव्य, अत्यंत प्रभावी और आंखें खोल देने वाली विशेष साइबर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस जनहितैषी पहल की कमान संभालते हुए आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 ने न केवल पुलिस प्रशासन का अभूतपूर्व सहयोग किया, बल्कि सेक्टरवासियों को डिजिटल रूप से अभेद्य सुरक्षा कवच प्रदान करने में एक ऐतिहासिक भूमिका निभाई।

यह विशेष सत्र एसीपी साइबर क्राइम श्री विवेक रंजन राय जी एवं इंस्पेक्टर विंध्याचल तिवारी जी के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। पुलिस की तेजतर्रार साइबर टीम–इंस्पेक्टर विंध्याचल तिवारी, इंस्पेक्टर राजकुमार चंदेल, सब-इंस्पेक्टर अभिषेक सिंह, हेड कांस्टेबल सचिन, हेड कांस्टेबल रवीश शर्मा, हेड कांस्टेबल विनय कुमार एवं हेड कांस्टेबल रवि कुमार ने कार्यशाला में डिजिटल दुनिया के छिपे हुए खतरों की परत-दर-परत खोलकर रख दी।

?इस आयोजन की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें निवासियों को साइबर अपराध से जुड़े ऐसे चौंकाने वाले तथ्यों और बारीक तकनीकों की जानकारी मिली, जिनसे वे अब तक अनजान थे। विशेषज्ञों ने 'डिजिटल अरेस्ट' के नाम पर फैलाए जाने वाले खौफ का पर्दाफाश किया, फर्जी पुलिस व सीबीआई कॉल्स की सच्चाई उजागर की, क्यूआर कोड और यूपीआई स्कैम के छुपे फंदों को समझाया तथा सोशल मीडिया व पर्सनल डेटा लीक से बचने के अचूक व व्यावहारिक उपाय बताए। सत्र में मौजूद नागरिकों ने एक सुर में स्वीकार किया कि इस अभूतपूर्व ज्ञान से उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और उनका परिवार अब डिजिटल रूप से सुरक्षित महसूस कर रहा है। सभी उपस्थित निवासियों ने नोएडा पुलिस और आरडब्ल्यूए के इस अनूठे प्रयास की मुक्तकंठ से भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आरडब्ल्यूए अध्यक्ष श्री दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा) ने कहा कि साइबर अपराधी हमारी सबसे बड़ी कमजोरी–अज्ञानता और डर–का फायदा उठाते हैं। वे हमारे मासूम बच्चों और सम्मानित बुजुर्गों को निशाना बना रहे हैं, ऐसे में डरने के बजाय सही और सटीक जानकारी से लैस होना ही सबसे बड़ा हथियार है। उन्होंने दोहराया कि आरडब्ल्यूए सेक्टर 105 अपने हर एक निवासी की सुरक्षा और सम्मान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा यूपी पुलिस का यह विशेष अभियान सेक्टरवासियों को जागरूक, सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

इस जन-जागरूकता महाअभियान में आरडब्ल्यूए कार्यकारिणी और सेक्टर के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी व उत्साहजनक सहभागिता रही। कार्यक्रम में आरडब्ल्यूए अध्यक्ष दिव्य कृष्णात्रेय (दीपक शर्मा), महासचिव श्री राजीव दुबलिश, उपाध्यक्ष श्रीमती रानी गौतम, कार्यकारिणी सदस्य श्री उमेश माथुर तथा कार्यकारिणी सदस्य श्री महेश चौहान सहित सेक्टर के अधिकांश निवासियों ने सक्रियता से भाग लेकर साइबर सुरक्षा के गुर सीखे। सफल एवं ज्ञानवर्धक सत्र के समापन पर आरडब्ल्यूए की ओर से सभी निवासियों के लिए सौहार्दपूर्ण वातावरण में जलपान की उत्तम व्यवस्था की गई।

विशेषज्ञों ने शहर के सभी नागरिकों से अपील की है कि सतर्कता ही असली सुरक्षा है। यदि किसी के साथ साइबर धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट या वित्तीय ठगी का प्रयास होता है, तो बिना घबराए तत्काल राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करें या आधिकारिक पोर्टल cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज कराएं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

डूब क्षेत्र में बिजली का परमानेंट घरेलू कनेक्शन दिलाकर स्थगित हुआ किसान परिषद का धरना

नोएडा। भारतीय किसान परिषद के नेतृत्व में विगत 7 सितंबर 2026 से निरंतर जारी भूख हड़ताल और धरना-प्रदर्शन, जिसकी मुख्य मांग डूब क्षेत्र में रहने वाले लगभग ढाई से तीन लाख परिवारों को बिजली का मूल अधिकार दिलाना था, आज सफल हुआ। बिजली विभाग की ओर से एक्शन कमर्शियल एवं एक्शन टेक्निकल के साथ एडिशनल डीसीपी, एसीपी प्रथम एवं एसीपी तृतीय धरना स्थल पर उपस्थित हुए। भारतीय किसान परिषद के नेतृत्व में जारी संघर्ष के परिणामस्वरूप सरकारी आदेश की प्रति उपलब्ध कराई गई, जिसमें डूब क्षेत्र में रहने वाले लगभग 2.5 से 3 लाख लोगों को टेंपरेरी नहीं परमानेंट घरेलू कनेक्शन की बिजली सुविधा का अधिकार देने की बात कही गई है। घरेलू बिजली कनेक्शन में 5.50 प्रति यूनिट के अनुसार चार्ज लगाकर डूब क्षेत्र के लोगों को आम सुविधा दी जाएगी। एडिशनल डीसीपी मनीष शर्मा द्वारा जूस पिलाकर महिला शक्ति का अनशन तुड़वाया।

इस आदेश की जानकारी बिजली विभाग के अधिकारियों द्वारा धरना स्थल पर उपस्थित लगभग 5000 लोगों को माइक के माध्यम से विस्तार से दी गई। सभी को आश्वस्त किया गया कि डूब क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक परिवार को बिजली सुविधा का अधिकार दिया जाएगा। मौके पर उपस्थित महिला शक्ति के बीच यह समाचार फैलते ही खुशी की लहर दौड़ पड़ी। सभी मातृशक्ति ने एक स्वर में नारे लगाए– 'हमारा संघर्ष जिंदाबाद, बिजली-पानी लेकर रहेंगे।' अंततः बिजली का अधिकार प्राप्त करने का मार्ग भारतीय किसान परिषद के संघर्ष से सफल हो ही गया।

यह दिन भारतीय किसान परिषद के लिए एक बड़ा ऐतिहासिक दिन साबित हुआ, जिसमें कामगार वर्ग के लोगों को बिजली का अधिकार मिला और परिषद के हिस्से एक नई उपलब्धि आई।

सुखबीर खलीफा ने कहा कि हम प्रत्येक वर्ग के लोगों के हक और अधिकार के लिए निरंतर संघर्ष करते रहेंगे और समाज में एक अच्छा स्थान हासिल करेंगे।

बहलोलपुर में स्वर्गीय ब्रह्मपाल पहलवान की स्मृति में 29वें विशाल दंगल में बराबरी पर छूटी 7 लाख की कुश्ती

नोएडा। स्वर्गीय श्री ब्रह्मपाल पहलवान जी की स्मृति में शुक्रवार को गांव बहलोलपुर में 29वें विशाल दंगल का भव्य आयोजन किया गया। दंगल में दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान सहित देशभर से आए नामचीन पहलवानों ने हिस्सा लिया। लगभग 125 कुश्तियों ने दर्शकों को रोमांच और उत्साह से भर दिया। दंगल में पहलवानों के बीच शानदार मुकाबले देखने को मिले और सभी विजेता एवं प्रतिभागी पहलवानों को उचित इनाम देकर सम्मानित किया गया।

दंगल की सबसे बड़ी और आखिरी 7 लाख रुपये इनामी कुश्ती भारत केसरी पहलवान शेरा गुर्जर और भारत केसरी पहलवान दिनेश गुलिया के बीच हुई, जो बेहद रोमांचक मुकाबले के बाद बराबरी पर छूटी। वहीं 51 हजार रुपये इनामी कुश्ती में बहलोलपुर के अंकित पहलवान और डगरपुर के सिंटू पहलवान के बीच मुकाबला बराबरी पर रहा। तीसरे नंबर की 41 हजार रुपये इनामी कुश्ती में बहलोलपुर के ऋतिक पहलवान और डगरपुर के सुमित पहलवान आमने-सामने रहे और यह मुकाबला भी बराबरी पर समाप्त हुआ।

21 हजार रुपये इनामी कुश्ती में भोला खलीफा के पट्ठे आदेश पहलवान बहलोलपुर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गांव बमेटा स्थित जगदीश एकेडमी के हर्ष पहलवान को रोमांचक मुकाबले में मात देकर जीत हासिल की। इसी राशि की एक अन्य कुश्ती में जय पहलवान गढ़ी चौखंडी ने गांव शर्फाबाद के आकाश पहलवान को जबरदस्त मुकाबले में हराकर जीत दर्ज की।

दंगल का संचालन भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री जयवीर प्रधान जी ने किया। दंगल के संयोजक चेयरमैन सुखपाल पहलवान जी ने बताया कि सभी पहलवानों की कुश्तियां विधिवत बांधी गई थीं तथा पहलवानों के सम्मान और पुरस्कार का विशेष ध्यान रखा गया। आयोजक संतराम यादव पार्षद, ओमवीर यादव एवं टीटू पहलवान रहे।

इस अवसर पर ऑल इंडिया रेलवे फेडरेशन के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा जी, पूर्व मंत्री श्री डी.पी. यादव जी, गाजियाबाद सदर विधायक श्री संजीव शर्मा जी, नॉर्दर्न रेलवे के केंद्रीय अध्यक्ष एस.के. त्यागी जी, भारतीय किसान परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं किसान नेता श्री सुखवीर खलीफा जी, मैराथन दौड़ विजेता सत्या यादव, सत्तन पहलवान बम्हेटा, किसान नेता उदल आचार्य जी, सचिन एडवोकेट, जयपाल पहलवान, ललित यादव, पिंटू यादव, कोच रवि पहलवान, बॉबी पहलवान, मूले पहलवान, भोला खलीफा सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग, सभी पहलवान एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर तीन लोगों से 52 लाख की ठगी

नोएडा। ऑनलाइन निवेश में मोटा मुनाफा कमाने का लालच देकर साइबर ठगों ने तीन लोगों से करीब 52 लाख रुपये ठग लिए। आरोपियों ने पीड़ितों को निवेश पर अच्छे लाभ का भरोसा दिलाया था। पीड़ितों की शिकायत पर साइबर क्राइम थाना पुलिस ने मामले दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस लेनदेन से जुड़े साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। ऑनलाइन निवेश के नाम पर ठगी का पहला मामला 27 वर्षीय कारोबारी अनिश शर्मा का है। वह बिसरख थाना क्षेत्र की आम्रपाली लेजर वैली सोसाइटी में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 30 अप्रैल 2026 को व्हाट्सऐप के माध्यम से उनकी बातचीत निधि नाम की महिला से शुरू हुई। महिला ने शेयर बाजार से संबंधित जानकारी देने और निवेश में अच्छा मुनाफा कमाने का दावा किया। शुरुआत में अनिश ने उसके बताए कुछ सौदे अपने ब्रोकर खाते से किए, जिनमें उन्हें लाभ हुआ। इससे उनका भरोसा बढ़ गया।

दो अन्य लोगों को भी बनाया निशानाः इसके बाद महिला ने अनिश की बातचीत अनुराग नाम के व्यक्ति से कराई। अनुराग ने खुद को निवेश का संचालन करने वाला बताया और दूसरे लोगों के निवेश का प्रबंधन करने का दावा किया। उसकी बातों में आकर अनिश ने छोटी-छोटी रकम निवेश करनी शुरू कर दी। उन्हें लाभ के स्क्रीनशॉट दिखाए गए और ज्यादा रकम लगाने पर अधिक मुनाफे का लालच दिया गया। 30 अप्रैल से एक जुलाई 2026 के बीच उन्होंने 28 लेनदेन में अलग-अलग बैंक खातों और यूपीआई आईडी पर कुल 29 लाख 61 हजार 994 रुपये ट्रांसफर किए। रकम वापस मांगने पर आरोपी टालमटोल करने लगे। कई बार भुगतान का आश्वासन देने के बावजूद पूरी रकम वापस नहीं मिली। अनिश ने राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत भी दर्ज कराई थी। अब मामला साइबर क्राइम थाने में दर्ज हुआ है।

सेक्टर 34 में साइबर अपराध जागरूकता अभियान का आयोजन

नोएडा। बढ़ते डिजिटल फ्रॉड और ऑनलाइन घोटालों को देखते हुए फेडरेशन ऑफ़ आरडब्ल्यूए सेक्टर 34 द्वारा नोएडा पुलिस के सहयोग से कम्युनिटी सेंटर में एक विशेष 'साइबर अपराध जागरूकता अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में साइबर थाना प्रभारी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

सत्र के दौरान साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह राणा ने सेक्टर निवासियों को ऑनलाइन बैंक फ्रॉड, यूपीआई स्कैम, और फर्जी कॉल/मैसेज से सुरक्षित रहने के व्यावहारिक तरीके बताए। उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट्स को हैक होने से बचाने के लिए टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2-Factor Authentication) लगाने और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने की सलाह दी,विशेष तौर पर क्य लिंक पर क्लिक ना करने के लिए जानकारी दी ।

फेडरेशन आरडब्ल्यूए सेक्टर 34 के अध्यक्ष के के जैन और महासचिव धर्मेंद्र शर्मा ने इस पहल के महत्व पर जोर देते हुए कहा, 'आजकल जिस तरह से साइबर अपराधी नए-नए तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं, उसे देखते हुए हमारी सतर्कता ही हमारा सबसे बड़ा बचाव है। आरडब्ल्यूए भविष्य में भी निवासियों की सुरक्षा के लिए इस तरह के जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित करती रहेगी। '

साइबर थाना प्रभारी विजय सिंह राणा ने निवासियों को आश्वस्त किया कि यदि कोई व्यक्ति साइबर फ्रॉड का शिकार हो जाता है, तो उसे घबराने के बजाय तुरंत राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करना चाहिए या गृह मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल cybercrime.gov.in पर अपनी शिकायत दर्ज करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि वित्तीय फ्रॉड के मामलों में शुरुआती कुछ घंटे (गोल्डन आवर्स) बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, जिसमें त्वरित शिकायत से पैसे वापस मिलने की संभावना काफी बढ़ जाती है।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से आरडब्ल्यूए अध्यक्ष के के जैन महासचिव धर्मेन्द्र शर्मा उपाध्यक्ष कुलदीप मुंशी कोषाध्यक्ष एम सी भारद्वाज देवेन्द्र वत्स संजीव महतो अविनाश कुमार संतराज सिंह जितेंद्र कुमार पुलिस प्रशासन से साइबर थाना प्रभारी निरीक्षक विजय सिंह राणा चौकी प्रभारी विकाश राणा, उपनिरीक्षक समयपाल सिंह उप निरीक्षक मनोज कुमार उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

बालकनी में जलते दीये से आग लगी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ईकोविलेज-1 सोसाइटी के एस-3बी टावर की सातवीं मंजिल पर शनिवार को बालकनी में रखे सोफे में अचानक आग लग गई। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। गनीमत रही कि समय रहते सोसाइटी की मेंटेनेंस टीम मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया गया। आग दीये से सोफे में लगी थी। सोसाइटी के लोगों ने बताया कि बालकनी में बने मंदिर के पास जलता हुआ दीया रखा हुआ था। बताया जा रहा है कि दीये की लौ के संपर्क में आने से पास में रखा सोफा आग की चपेट में आ गया।

कुछ ही देर में आग तेजी से फैलने लगी। बालकनी से धुआं और आग की लपटें उठती देखकर लोगों ने तुरंत इसकी सूचना मेंटेनेंस टीम को दी। सोसाइटी निवासी रंजना सूरी भारद्वाज ने बताया कि बालकनी में दीया जलाने के कारण पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। इसके अलावा कई बार लोग बालकनी से जलती हुई सिगरेट के टुकड़े नीचे फेंक देते हैं, जिससे आग लगने का खतरा बना रहता है। उन्होंने बताया कि सिगरेट के टुकड़ों के कारण भी कई बार आग लगने की स्थिति पैदा हो चुकी है।

गोलीकांड मामले में पांच आरोपी बरी

ग्रेटर नोएड। दादरी थाना क्षेत्र में वर्ष 2015 में हुए मारपीट और जानलेवा हमले के मामले में अदालत ने पांच आरोपियों को बरी कर दिया। अदालत ने सुखवीर, उसके बेटों कपिल और अनिल एवं अन्य आरोपी भोलू उर्फ प्रशांत, सुरेन्द्र को सभी आरोपों से संदेह का लाभ देते हुए दोषमुक्त कर दिया।

अभियोजन के अनुसार वादी विनोद ने 10 मई 2015 को दादरी थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि वह और उसका भाई एनसीआर रिपोर्ट दर्ज कराकर घर पहुंचे तो सुखवीर, कपिल, अनिल, रोहित, भोलू और सुरेन्द्र तमंचे लेकर आए और जान से मारने की नीयत से गोली चलाने लगे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना के बाद आरोप-पत्र दाखिल किया था। अदालत ने माना कि घटना की तारीख को चोटें आई थीं, लेकिन यह अभियोजन साक्ष्य से स्थापित नहीं हुआ कि ये चोटें आरोपियों ने पहुंचाई। ऐसे में अभियोजन आरोपों को युक्तियुक्त संदेह से परे साबित नहीं कर सका।

हत्या के आरोपी ने साथियों संग घर में घुसकर हमला किया

नोएडा। हत्या के मामले में आरोपी ने साथियों के साथ मिलकर सेक्टर-126 थाना क्षेत्र के असगरपुर गांव के एक घर में घुसकर हमला किया। मारपीट के बाद कार के शीशे तोड़ दिए गए। पीड़ित ने आरोपियों से जान का खतरा बताते हुए पुलिस से कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी शिकायत में सुंदर सिंह ने बताया कि 18 सितंबर 2026 को विजय, सन्नी अवाना, अजब और अन्य अज्ञात युवकों ने उनके घर में घुसकर हमला किया था। इस दौरान वह बाल-बाल बच गए थे।

उन्होंने आरोपियों के खिलाफ पुलिस से शिकायत भी की थी। इसके बावजूद आरोपियों ने दोबारा हमला कर दिया। सुंदर सिंह के मुताबिक दो अक्तूबर की रात करीब तीन बजे विजय अपने साथियों के साथ कार और मोटरसाइकिल से उनके घर पहुंचा। आरोपियों ने घर में घुसकर हमला किया और उनकी कार के शीशे तोड़ दिए। पीड़ित ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस मौके पर पहुंची और उनकी कार को थाने ले गई। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी पहले से ही उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। उन्होंने विजय को कुख्यात अपराधी बताते हुए कहा कि उसके खिलाफ हत्या समेत गंभीर धाराओं में अलग-अलग थानों में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच कर रही है। इस मामले में विजय के साथ ही सन्नी अवाना, अजब और कृष्ण बैंसला को नामजद किया गया है।

लापता किशोरी के मामले में देरी से मुकदमा दर्ज करने का आरोप

नोएडा। फेज-दो थाना क्षेत्र के एक गांव में रहने वाली किशोरी 22 दिन से लापता है। परिजन ने पड़ोस में रहने वाले तीन युवकों पर दुष्कर्म कर गर्भवती करने, बहला-फुसलाकर ले जाने और पुलिस पर देरी से मामला दर्ज करने का आरोप लगाया है। पीड़ित पिता ने किशोरी के जल्द बरामद नहीं होने पर आत्मदाह की चेतावनी दी है। महोबा के रहने वाले व्यक्ति परिवार संग फेज-दो थाना क्षेत्र के एक गांव में रहते हैं। वह सिक्योरिटी गार्ड का काम करते हैं। उनकी 16 वर्षीय बेटी की 23 अगस्त को तबीयत खराब हुई थी। उपचार कराने पर पता चला था कि बेटी दो माह की गर्भवती है।

व्यक्ति का आरोप है कि पड़ोस में रहने सुमित और राहुल नाम के दो युवकों ने नशीला पदार्थ पिलाकर दुष्कर्म किया था। आरोप है कि फेज-दो थाना पुलिस से शिकायत की गई, लेकिन पुलिस टरकाती रही। बदलकर तहरीर देने का दबाव बनाया गया।इसी बीच 13 सितंबर को सभी आरोपी मिलकर उनकी नाबालिग बेटी को बहला-फुसलाकर ले गए। दोनों का साथ पड़ोस में ही रहने गोंडा नाम के युवक ने भी दिया। उसके बाद भी पुलिस कई दिन तक टरकाती रही। 22 सितंबर को अपहरण और पॉक्सो की धारा में मामला दर्ज किया। उन्होंने बेटी के साथ अनहोनी होने के आशंका जताई है। किशोरी के पिता ने सोशल मीडिया पर वीडियो जारी करके पुलिस से जल्द से जल्द बेटी को खोजने की गुहार लगाई है। ऐसा न होने पर आत्मदाह की चेतावनी दी है। पुलिस का कहना है किशोरी के पिता की शिकायत पर मुकदमा कर किशोरी को खोजने के लिए टीमें गठित हैं।

विधायक पंकज सिंह ने किया सेक्टर-51 और 52 मेट्रो स्टेशनों को जोड़ने वाले स्काईवॉक का लोकार्पण

नोएडा। नोएडा क्षेत्र में सेक्टर-52 स्थित डीएमआरसी मेट्रो स्टेशन एवं सेक्टर-51 स्थित एनएमआरसी मेट्रो स्टेशन को जोड़ने वाले नवनिर्मित स्काईवॉक का आज लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर नोएडा विधायक पंकज सिंह एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

लगभग 36.90 करोड़ की लागत से निर्मित इस स्काईवॉक की लंबाई 460 मीटर और चौड़ाई 6.50 मीटर है। पूर्णतः वातानुकूलित स्काईवॉक में यात्रियों की सुविधा के लिए 10 ट्रैवलेटर, अग्निशमन उपकरण, 5 अग्निशमन दरवाजे, 36 सीसीटीवी कैमरे तथा 500 केवीए का डीजी सेट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इसके निर्माण से प्रतिदिन लगभग 75 से 80 हजार मेट्रो यात्रियों को लाभ मिलने की संभावना है।

इस अवसर पर नोएडा विधायक पंकज सिंह ने कहा कि सेक्टर-51 और सेक्टर-52 मेट्रो स्टेशनों के बीच आवागमन को सुगम बनाने की दिशा में यह स्काईवॉक एक महत्वपूर्ण सुविधा है। दोनों मेट्रो नेटवर्क के बीच यात्रियों को पहले जिस

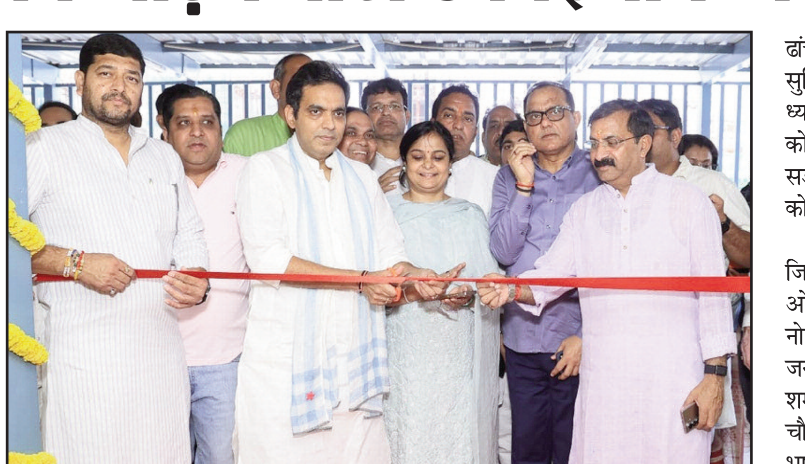

दूरी और यातायात के बीच आवागमन करना पड़ता था, उससे उन्हें काफी राहत मिलेगी।

उन्होंने कहा कि यह स्काईवॉक नोएडा के नागरिकों और प्रतिदिन मेट्रो से आवागमन करने वाले हजारों यात्रियों के लिए सुविधा, सुरक्षा और बेहतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। क्षेत्र में लगातार बढ़ते यातायात और सार्वजनिक परिवहन की आवश्यकता को देखते हुए इस प्रकार की आधुनिक सुविधाएं बेहद उपयोगी हैं। हमारा प्रयास है कि नोएडा में नागरिकों को बेहतर आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और सार्वजनिक परिवहन से जुड़ा आवागमन अधिक सुविधाजनक एवं सुरक्षित बने।

पंकज सिंह ने कहा कि नोएडा में बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ पैदल यात्रियों की सुविधा और सुरक्षित आवागमन पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। यह स्काईवॉक मेट्रो यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के साथ ही सड़क पार करने के दौरान होने वाली असुविधा को भी कम करेगा।

इस अवसर पर फुनर्वा अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा, जिला महामंत्री अमित त्यागी, चंदगीराम यादव, ओमवीर अवाना, संजय बाली, महेश चौहान, नोएडा प्राधिकरण से एसीईओ वंदना त्रिपाठी, जनरल मैनेजर एसपी सिंह, आर के शर्मा, राहुल शर्मा, रामकिशन यादव, पुनीत शर्मा, देवेंद्र चौहान, अनिता जोशी, सचिन गोयल, उमाशंकर, भूषण शर्मा, विनोद शर्मा, अर्पित गोयल, उमेश पहलवान, नवीन मिश्रा, देवेंद्र शर्मा, तेजिंदर भाटी, सुभरजीत मुखर्जी, विपुल शर्मा, संदीप जिंदल, अनुज शर्मा, नीलू जैन, ठाकुर देशराज, लालिमा मिश्रा, संदीप, मुक्तानंद प्रधान, रिंकू तंवर, नमिता चौबे, सुनीता शर्मा, अतुल ठाकुर, तेजेंद्र भाटी, उत्कर्ष सिन्हा, सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ग्रेटर नोएडा में कांग्रेसी गांव-गांव लोगों से संपर्क करेंगे

नोएडा। गौतम बुद्ध नगर जिला कांग्रेस कमेटी ने ग्रेटर नोएडा वेस्ट में बैठक की। इसमें 7 अक्टूबर को जेवर में होने वाली किसान पदयात्रा और 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च की तैयारियों पर चर्चा की। जिला अध्यक्ष दीपक भाटी चोटीवाला ने पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा तय की और अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपीं।

बैठक में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को जेवर क्षेत्र के गांवों में संपर्क करने के निर्देश दिए गए। ज्यादा से ज्यादा लोगों को कार्यक्रम से जोड़ने और आयोजन की तैयारियों को समय पर पूरा करने पर जोर दिया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि 'वोट बचाओ-देश बचाओ' मार्च के जरिए लोकतांत्रिक मूल्यों, निष्पक्ष चुनाव और नागरिकों के वोट के अधिकार से जुड़े मुद्दों को जनता तक पहुंचाया जाएगा।वहीं किसान पदयात्रा के जरिए किसानों की समस्याओं और उनके अधिकारों की आवाज उठाने की बात कही गई।

शहर की कानून व्यवस्था को लेकर डीडी आरडब्ल्यूए ने की बैठक

नोएडा। डीडी आरडब्ल्यूए फेडरेशन ने आज रविवार को सेक्टर 131 स्थित प्रोमेथियस स्कूल में पुलिस विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ शहर की कानून व्यवस्था पर एक बड़ी बैठक आयोजित की। बैठक में जिले की कानून-व्यवस्था, आपातकालीन प्रबंधन और बुनियादी ढांचे के विस्तार पर विस्तृत चर्चा हुई, बैठक में जिले की विभिन्न आरडब्ल्यूए फेडरेशन, समाजसेवी संस्थाओ ने भी बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया।

इस बैठक में पुलिस विभाग की ओर से एडिशनल कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (एसीपी 1 नोएडा) पी के सिंह और एडिशनल कमिश्नर आफ पुलिस (सेंट्रल) श्रीमती दीक्षा सिंह मौजूद रही। मीटिंग के दौरान विभिन्न संस्थाओं और आरडब्लूए द्वारा लिखित प्रार्थना पत्र पुलिस विभाग को दिए गए। जिसमें शहर की विभिन्न समस्याओं के समाधान हेतु अनुरोध किया गया।

मीटिंग के दौरान भी विभिन्न सेक्टरों की आरडब्लूए द्वारा शहर के लॉ एंड ऑर्डर, ट्रैफिक मैनेजमेंट, फायर सेफ्टी ऑडिट , फायर एन ओ सी, शहर में पनप रहा नशे का कारोबार, बिना नंबर प्लेट की गाड़ी का शहर में चलना इत्यादि मुद्दों पर प्रश्न किए गए। पुलिस अधिकारियों ने मीटिंग में आए सभी प्रतिभागियों के सवाल सुने और मंच से जवाब देकर समाधान करवाया और कुछ प्रश्नों को नोट किए गए और आश्वासन दिया गया कि इनका समाधान तुरंत करवाने का प्रयास किया जाएगा।

बैठक के मुख्य बिंदुः- 1-सुरक्षा व समन्वयः पुलिस-आर डब्ल्यू ए के बीच बेहतर तालमेल और आधुनिक आपातकालीन तंत्र की स्थापना पर जोर।

युवा विकास विजनः गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उभारने का संकल्प।

डीडी आरडब्लूए फेडरेशन द्वारा आयोजित इस मीटिंग में आयोजकों की भूमिका में प्रोमेथियस स्कूल संस्थापक अध्यक्ष मुकेश शर्मा ने बताया कि प्रोमेथियस स्कूल सिर्फ करिकुलर एक्टिविटी साथ-साथ को-करिकुलर एक्टिविटीज की और विशेष ध्यान दे रहा है।

बैठक को संबोधित करते हुए मुकेश शर्मा, प्रोमेथियस स्कूल, नोएडा ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और खेल के जरिए युवाओं को ओलंपिक जैसे वैश्विक मंचों तक पहुंचाने का विजन रखा तथा शहर के विकास के प्रति समर्पण दोहराया। इस बैठक मे डीडी आरडब्लूए अध्यक्ष एन. पी. सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कुमार, महासचिव शेर सिंह भाटी, मनोज गुप्ता (पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा नोएडा महानगर), उपाध्यक्ष अनिल खन्ना व अनिल सिंह, एसीपी प्रवीण सिंह, एसीपी दीक्षा सिंह, सांसद प्रतिनिधि संजय बाली, एम. पी. सिंह, सेक्टर 35 से राजीव चौधरी, केंद्रीय विहार सेक्टर 82 से ओमप्रकाश परमार, सेक्टर 30 से प्रमोद वर्मा, नव ऊर्जा संस्था से पुष्कर शर्मा, राजनीतिक विश्लेषक नवीन दुबे, श्रीमती अनीता पांडे, पी के सिंह, पवन शर्मा, ए के सरीन, श्रीमती पूनम चौहान, संजीव राठौड़, जितेंद्र भाटी, सतवीर मुखिया एवं विभिन्न सेक्टरों के आर डब्लू ए पदाधिकारी उपस्थित रहे।

4.88 करोड़ का बयाना लेकर टीडीआर आवेदन वापस लिया, जमीन भी तीसरे पक्ष को बेची; ईओडब्ल्यू ने दर्ज किया केस

नई दिल्ली, एजेंसी। गुरुग्राम के खिड़की दौला गांव की अधिग्रहित जमीन के बदले मिलने वाले ट्रांसफरेबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) को लेकर हुए विवाद में आर्थिक अपराध शाखा ने रमा जिंदल और मानव केबल्स एंड वायर्स लिमिटेड के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

शिकायतकर्ता अरुण सागर भाटिया ने आरोप लगाया है कि उनसे टीडीआर बेचने के समझौते के नाम पर करीब 4.88 करोड़ रुपये बयाना राशि के तौर पर लिए गए। बाद में आरोपितों ने टीडीआर आवेदन वापस लेने के साथ ही समझौते में शामिल जमीन का कुछ हिस्सा तीसरे पक्ष को बेच दिया। ईओडब्ल्यू ने मामले में 30 सितंबर को मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को मिली शिकायत के मुताबिक, रमा जिंदल ने भाटिया से दिल्ली के ओबराय होटल में कई बार मुलाकात कर खिड़की दौला गांव की करीब ढाई एकड़ अधिग्रहित जमीन के बदले मिलने वाले टीडीआर को बेचने की इच्छा जताई थी।

दोनों पक्षों के बीच 25 अगस्त 2024 को समझौता हुआ। टीडीआर की कुल बिक्री कीमत

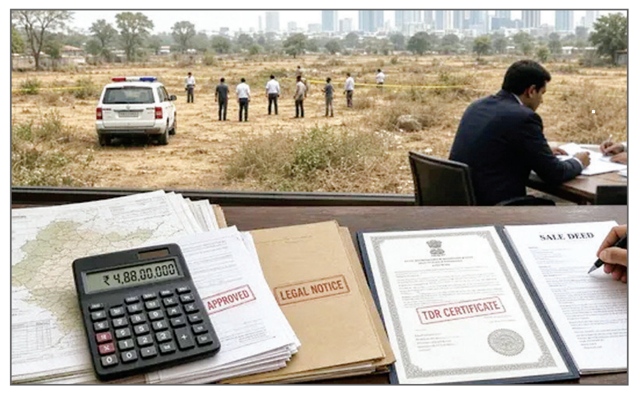

करीब 49.33 करोड़ रुपये तय हुई थी। इसके तहत भाटिया ने करीब 4.88 करोड़ रुपये बयाना राशि के रूप में दिए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसके बाद उन्होंने टीडीआर हासिल करने की पूरी प्रक्रिया में दस्तावेज तैयार करने, डीटीसीपी हरियाणा के पोर्टल पर आवेदन करने, अधिकारियों से समन्वय करने और अन्य जरूरी औपचारिकताओं में समय और पैसा खर्च किया। उनकी कोशिशों के बाद 28 नवंबर 2024 को डीटीसीपी ने रमा जिंदल और कंपनी के पक्ष में टीडीआर के लिए लेटर ऑफ इंटेंट (एलओआई) जारी किया। आरोप है कि एलओआई जारी होने के बाद भी आरोपितों ने आवश्यक शर्तें पूरी करने में टालमटोल की। भाटिया ने 11 फरवरी 2025 को कानूनी नोटिस भेजकर समझौते के मुताबिक लेनदेन पूरा करने को कहा। इसके बावजूद 27 फरवरी 2025 को आरोपितों ने उनकी जानकारी के बिना डीटीसीपी में टीडीआर आवेदन वापस लेने का अनुरोध कर दिया। शिकायतकर्ता ने बाद में सार्वजनिक सूचना जारी कर जमीन और टीडीआर को लेकर अपने अधिकारों की जानकारी दी। इसके बावजूद आरोप है कि इस वर्ष 27 फरवरी को रजिस्टर्ड सेल डीड के जरिये समझौते में शामिल जमीन का एक हिस्सा गुरजीत कौर नारंग और जगजीत सिंह को बेच दिया गया।

अब लोक कल्याण मार्ग पर एयरफोर्स गोल्फ कोर्स की जमीन वापस लेगी केंद्र सरकार, कानूनी प्रक्रिया शुरू

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने राजधानी दिल्ली में लोक कल्याण मार्ग पर स्थित वायुसेना गोल्फ कोर्स द्वारा इस्तेमाल की जा रही भूमि को वापस लेने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सरकार चाहती है कि यह जमीन आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय को वापस दी जाए। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने रक्षा मंत्रालय और वायुसेना सहित संबंधित सभी संस्थाओं को आधिकारिक रूप से सूचित कर दिया है। बता दें कि लोक कल्याण मार्ग स्थित यह प्रमुख भूखंड बेहद संवेदनशील और महत्वपूर्ण क्षेत्र में आता है। मंत्रालय को जमीन वापस सौंपे जाने के बाद इस स्थान के पुनर्विकास या अन्य रणनीतिक उपयोग को लेकर नई योजनाएं बनाई जा सकती हैं। वहीं, यह मुद्दा ऐसे वक्त सामने आया है, जब गृह मंत्रालय के अंतर्गत भूमि और विकास कार्यालय ने प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास के निकट स्थित उन जमीनों को वापस लेने की प्रक्रिया में तेजी लाई है, जिन्हें पहले पट्टे पर दिया गया था या जिन पर अतिक्रमण किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

झगड़े के बाद छत से कूदी ननद और दो महीने की गर्भवती भाभी, पुलिस की सूझबूझ से बची जान

नईदिल्ली। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस ने पीसीआर और दिल्ली फायर सर्विस के साथ मिलकर त्वरित कार्रवाई करते हुए दो महिलाओं की जिंदगी बचाई है। दो अक्टूबर को कालिंदी कुंज थाने में पीसीआर कॉल मिली कि एक महिला ने खुद के कमरे में बंद कर लिया है। सूचना मिलते ही टीम मौके पर रवाना हुई और फायर व मेडिकल टीम से भी समन्वय कर घटनास्थल पर बुलाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस पांच मिनट के भीतर खड्डा कॉलोनी, जैतपुर एक्सटेंशन पार्ट-दो के डी ब्लाक में पहुंची। तब तक एक महिला बालकनी से सड़क की ओर कूद चुकी थी। फायर टीम ने जब दरवाजा खोला तो पाया कि जो महिला अंदर भी उसने शाफ्ट में छलांग लगा चुकी थी। महिला दो महीने के गर्भ से थी, जिसे एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया। दक्षिणी पूर्वी जिला पुलिस उपायुक्त विनीत कुमार के मुताबिक एसओ राकेश सिंह की अगुवाई में दिल्ली फायर सर्विस की टीम घटनास्थल पर पहुंचे। साफ्ट में कूदी 24 वर्षीय महिला मुश्किल जगह में फंसी थी। टीम ने उसकी जान को खतरा देखते हुए बचाव अभियान शुरू किया। फायर ब्रिगेड की टीम की मदद से उसे सुरक्षित बाहर निकाला गया। शुरुआती जांच के अनुसार भाभी ने ननद की वीडियो बनाकर किसी को भेजी थी, जिसे लेकर दोनों में झगड़ा हुआ। बहस के दौरान ननद बालकनी से सड़क की तरफ कूदी और घायल हो गई। इसके बाद भाभी ने खुद को कमरे में बंद कर लिया और फिर घर के शाफ्ट में कूद गई। पुलिस टीम ने फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों के साथ मिलकर तुरंत कार्रवाई की और फ़ातिमा को शाफ़्ट से सफलतापूर्वक बाहर निकाला। पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई और पीसीआर व दिल्ली फायर सर्विस के कर्मचारियों के साथ बेहतर तालमेल की वजह से दोनों महिलाओं को सुरक्षित बचाया जा सका।

भारत में बढ़ी रोबोटिक सर्जरी की रफ्तार, एक साल में 30 से बढ़कर 50 हजार के पार पहुंचा आंकड़ा

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में रोबोटिक सर्जरी का तेजी से बढ़ता उपयोग देश में मेडिकल टूरिज्म को नई रफ्तार दे रहा है। अमेरिका और यूरोप की तुलना में कम खर्च में अत्याधुनिक रोबोटिक सर्जरी उपलब्ध होने से विदेशी मरीजों के लिए भारत उपचार का बड़ा केंद्र बनता जा रहा है। देश में हर वर्ष 50 हजार से अधिक रोबोटिक सर्जरी हो रही हैं, जबकि पिछले वर्ष यह संख्या करीब 30 हजार थी। अगले वर्ष इसके एक लाख से अधिक पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए एशिया का पहला तीन दिवसीय सोसाइटी ऑफ रोबोटिक सर्जरी (एसआरएस)-2026 सम्मेलन का आयोजन नई दिल्ली में हो रहा है। सम्मेलन में एसआरएस ने देश में प्रशिक्षित रोबोटिक सर्जन बढ़ाने के लिए रोबोटिक सर्जरी का प्रमाणित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम भी लांच किया है। सफदरजंग अस्पताल के यूरोलाजी, रोबोटिक और रीनल ट्रांसप्लांट विभाग के अध्यक्ष प्रो. डा. अनूप कुमार के अनुसार रोबोटिक सर्जरी से सर्जरी में अधिक सटीकता आती है। छोटे चीरे के साथ जटिल अंगों तक बेहतर पहुंच और बारीक काम करने की क्षमता मिलती है। इसका फायदा विशेष रूप से रीढ़, मस्तिष्क, हृदय, कैंसर, प्रोस्टेट जैसी जटिल सर्जरी में मिल रहा है। रोबोटिक तकनीक के विस्तार से अत्याधुनिक उपचार को बढ़ावा मिल रहा है। रोबोटिक सर्जरी से आपरेशन के दौरान रक्तस्राव भी कम होता है, इससे जटिल सर्जरी में पहले की तुलना में रक्त की आवश्यकता काफी कम हो गई है। मध्य-पूर्व के देशों के साथ पूर्व सोवियत संघ के उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान, कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, अजरबैजान और आर्मेनिया जैसे देशों से भी मरीज रोबोटिक सर्जरी के लिए भारत पहुंच रहे हैं। इसके अलावा यूरोप और अमेरिका से भी मरीज आ रहे हैं। एसआरएस इंडिया-2026 के आयोजन अध्यक्ष रोबोटिक सर्जरी विभाग मैक्स अस्पताल के निदेशक डॉ. विवेक बिंदल ने शनिवार को बताया कि देश में रोबोटिक सर्जरी के प्रशिक्षित सर्जनों की संख्या कम है। डॉ. एडुआर्डो पार्रा-डेविला ने भी प्रशिक्षण और तकनीकी दक्षता को रोबोटिक सर्जरी के विस्तार के लिए महत्वपूर्ण बताया।

महिला सुरक्षा और समानता को लेकर छात्राओं ने किया प्रदर्शन

नईदिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में महिला सुरक्षा और समानता को लेकर प्रदर्शन और मार्च किए जा रहे हैं।

दिल्ली के अलग-अलग जगहों पर महिलाएं अपनी सुरक्षा की मांग को लेकर सड़क पर प्रदर्शन कर रही हैं. इसी क्रम में दयाल सिंह कॉलेज के बाहर शनिवार को छात्राओं ने धरना प्रदर्शन किया। दयाल सिंह कॉलेज के बाहर बैठी छात्राओं के हाथों में 'वूमन मार्च फ्राम फियर टू फ्रिडम', 'नो मोर फियर, नो मोर साइलेंस' और 'नो मीन्स नो', 'तू बोलेगी, मुंह खोलेगी तभी तो जमाना बदलेगा' और 'ऐ मूर्ख अपनी नजर सुधार' जैसे संदेश लिखे पोस्टर नजर आए।

हाथों में पोस्टर और बैनर लेकर छात्राओं ने महिलाओं के प्रति भय और चुप्पी के खिलाफ आवाज उठाई। प्रदर्शन में छात्राओं ने महिलाओं को डर के माहौल से बाहर निकालकर सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण देने की मांग की है। मार्च निकालने की नही मिली इजाजत

आयोजकों ने बताया कि प्रदर्शन के साथ ही मार्च निकालने की भी तैयारी थी, लेकिन अनुमति नहीं मिलने के कारण कालेज के बाहर ही बैठकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया गया। छात्राओं ने बताया कि वे आने वाले समय में अन्य कालेजों में भी महिलाओं की सुरक्षा और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाएंगी।

छात्राओं ने प्रदर्शन के जरिए यह संदेश देने की कोशिश है कि महिलाएं उत्पीड़न के मामलों पर चुप नहीं रहेंगी और अपने अधिकारों व सुरक्षा को लेकर आवाज उठाती रहेंगी। उन्होंने कहा कि राजधानी के इलाकों में सुरक्षा बनाए रखने, पर्याप्त रोशनी, सुरक्षित परिवहन और शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की जरूरत है। सुरक्षा के नाम पर महिलाओं की आवाजाही सीमित करने के बजाय सार्वजनिक जगहों को सुरक्षित बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

गोवंश के कटे सिर-पैर मिलने से हिंदू संगठनों में उबाल, पुलिस को 48 घंटे का अल्टीमेटम

नईदिल्ली, एजेंसी। देश की राजधानी दिल्ली में प्रतिबंध के बावजूद गोवंश हत्या बदस्तूर जारी है। महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर को यहां 15-20 गोवंश के कटे हुए सिर व पैर मिले हैं। जिससे विहिप समेत हिंदू संगठनों में उबाल है। विहिप ने मामले में दोषियों तक पहुंचने के लिए पुलिस-प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

विहिप ने दक्षिण-पूर्व दिल्ली में लगातार सामने आ रही गोवंश की नृशंस हत्या व अवशेष मिलने की घटनाओं पर कड़ा रोष और गंभीर चिंता व्यक्त की है।

विहिप व बजरंग दल का एक प्रतिनिधिमंडल दक्षिण-पूर्व जिले के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) से भी मिला है और इस संबंध में ज्ञापन सौंपकर तत्काल उच्चस्तरीय जांच और दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की है। विहिप के अनुसार, पूर्व में सरिता विहार थाना क्षेत्र के अली गांव में 15-20 गोवंश के शव बरामद होने की वीभत्स घटना सामने आई थी। इसके तुरंत बाद दो अक्टूबर को थाना प्रहलादपुर क्षेत्र में लगभग 15-20 गोवंश के कटे हुए सिर व पैर बरामद होने की अत्यंत गंभीर घटना प्रकाश में आई है, जबकि उनके धड़ व अन्य अवशेष गायब पाए गए।

विहिप ने कहा कि यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, बल्कि करोड़ों हिंदुओं की धार्मिक व भावनात्मक आस्था पर सीधा आघात है। लगातार घट रही ऐसी घटनाओं के पीछे किसी संगठित गिरोह का हाथ होने की पूरी आशंका है, जिससे क्षेत्र में भारी

आक्रोश, भय और तनाव व्याप्त है।

त्वरित एफआईआर व कानूनी कार्रवाईः 2 अक्टूबर की प्रहलादपुर घटना के तथ्यों व साक्ष्यों के आधार पर तत्काल कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सीसीटीवी फुटेज व तकनीकी साक्ष्यों से गिरफ्तारीः घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज, वाहन नंबर, मोबाइल डेटा आदि तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर सभी संलिप्त अपराधियों को चिन्हित कर तुरंत गिरफ्तार किया जाए।

कड़ी जोड़कर विस्तृत जांचः अली गांव और प्रहलादपुर की घटनाओं के आपसी संबंधों की जांच की जाए ताकि संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश हो सके।

वरिष्ठ अधिकारी की निगरानीः पूरे मामले की जांच निष्पक्षता के लिए किसी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी की सीधी निगरानी में कराई जाए।

गश्त व कड़ी चौकसीः संवेदनशील इलाकों में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।

कॉर्पोरेट हब में भक्ति का 'ब्रू', साइबर सिटी में छा रहा भक्ति का नया रंग; फाइव स्टार तक गूंज रहे भजन

नईदिल्ली, एजेंसी। गगनचुंबी इमारतें, सड़कों पर दौड़तीं लक्जरी गाड़ियां और लाउड म्यूजिक से गुलजार रहने वाली नाइटलाइफ-मिलेनियम सिटी गुरुग्राम की यह पहचान अब एक बेहद खूबसूरत करवट ले रही है।

कल तक जिन युवाओं के हाथों में वीकेंड्स पर व्हिस्की के ग्लास दिखते थे, आज वहां सुकून बिखेरते कॉफी के मग और जुबां पर सूफियाना व भक्तिरस के सुर सज रहे हैं। कार्पोरेट की भागदौड़ और लाउड रॉक-पाप के शोर को पीछे छोड़, साइबर सिटी की नई पीढ़ी अब अपनी जड़ों और आध्यात्मिक शांति की ओर लौट रही है। युवाओं द्वारा खुद चुनी गई संस्कृति का यह सकारात्मक बदलाव न सिर्फ हैरान करने वाला है, बल्कि आधुनिकता और परंपरा के इस अनूठे संगम को एक बेहद अद्भुत, अद्वितीय और प्रेरक शक्ल दे रहा है। तभी तो आज देश के प्रधानमंत्री भी भजन क्लबिंग और भजन जैमिंग को सराह रहे हैं। ऐसी क्लबिंग में शिरकत कर रहे हैं।

आयाम जो नई पीढ़ी ने रच रहे

एक शाम बाजार की ओर निकलते हैं, वही गहमागहमी, वही रेहड़ियों से आती स्वाद की सुंगध, वहीं दुकानों से बाहर झांकते सामानों का आकर्षण जो हमेशा होता है। आगे बढ़ते हैं, शाम का रंग कुछ और गहरा होने लगता है, बाजार का माहौल बदलने लगता है, रोशनी मद्धम हो जाती है, शोर कुछ कम होने लगता है, लोगों के कदम रुकने लगते हैं और लोग एक ही दिशा में जाते नजर आते हैं, आखिर माजरा क्या है, कौन सा जादुई आकर्षण इन्हें इस कदर खींच रहा है, कुछ देर बाद आप अपनेआप को भी इसी आकर्षण में बंधा पाते हैं, यह आकर्षण होता है वहां के संगीत में, लोगों की भावों में, संगीत की सुर लहरियों में बंधे भक्तिसंगीत और उसके नए आयामों में, वह आयाम जो नई पीढ़ी ने रचे हैं।

सुर के, साधना के, सकारात्मकता आध्यात्म और बदलाव के। शब्द जाने पहचाने लेकिन सुर और सुरीले, संगीत और रसयुक्त और लोगों पर चढ़ा इसका खुमार और भी दर्शनीय...। हनुमान चालीसा, रामधुनें, कृष्णभक्ति की सुरीली प्रस्तुतियां और उसमें खोते, झूमते लोग। एक अलग ही समाज, एक अलग ही संस्कृति से रूबरू करवाते हैं जिसमें आधुनिकता भी है, उन्मुक्तता भी है और सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव भी। असल में यह दृश्य है भजन जैमिंग या भजन क्लबिंग का जो तेजी से ट्रेंड का रूप लेता जा रहा है। इस शब्द को प्रचलन में लाने वाली भी साइबर सिटी ही है जो आज एक नई रीत

चलाकर भावी पीढ़ी को सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ रही है। ये नजारा है आर्टिस्ट चौक का। यह कोई चौराहा नहीं, एक मंच है जो हर वर्ग के लोगों को, कलाकारों को एक साथ लाता है। लोग अपनी कला का प्रदर्शन करते हैं, संगीत के सुरों में भक्तिसंगीत को पिरोकर लोगों के सामने रखते हैं। गुरुग्राम के इस क्लब का अनुसरण अब हर जगह हो रहा है। गुरुग्राम और दिल्ली में कई स्थानों पर, सड़कों से लेकर फाइवस्टार होटल्स में ऐसे आयोजन हो रहे हैं।

इस ट्रेंड को शुरू करने वाले विवेक गुलाटी असल में केक डिजायर बेकरी कैफे के संचालक हैं। संगीत से लगाव रखने वाले विवेक का कहना है कि गुरुग्राम में आने वाले लोग अक्सर कारपोरेट में काम करते हैं, नीरसता की चक्की में बंधे, थके हारे लोग जब शाम को बाजारों का रुख करते तो कहां जाते, उन्हीं स्थानों पर जहां तेज संगीत होता, जाम छलकते हैं लेकिन अगले दिन फिर वही रूटीन, फिर वही बोझिलता, दिनचर्या की एकरसता।

लोग जुड़ते गए और कारवां बनता गया

ऐसे में सोचा कि क्यों न कुछ ऐसा किया जाए कि लोगों को ऐसी चीज दी जाए जिससे उनकी खुशियां, उनकी ऊर्जा बनी रहे। उन्होंने अपने ही कैफे के बाहर सेक्टर 22 में इस आयोजन को शुरू किया। उपलब्ध साजों सामान से ही भक्ति संगीत का गायन वादन शुरू किया। लोगों को यह भाने लगा, लोग जुड़ते गए और कारवां बनता गया। सिर्फ विवेक ही नहीं बल्कि अन्य लोग भी कह रहे हैं कि उनकी जिंदगी में, उनके सोच में खासे बदलाव आए हैं, वे अलकोहल नहीं, कॉफी को एंज्वाय करने लगे हैं।

देश विदेश में शो करने लगे

यहां अब निर्धारित आयोजनों में मंगलवार को भक्ति संगीत और वीकेंड पर बॉलीवुड म्यूजिक होता है। इस नए कल्चर ने लोगों का सोच ही नहीं, उनकी जिंदगी भी बदली है। इसका उदाहरण प्रयागराज से आए रोहित हैं। बताते हैं कि उनके अंदर का कलाकार व्यस्तताओं के बीच कहीं दब गया था लेकिन आर्टिस्ट चौक से जुड़ने के बाद न केवल वह बाहर निकला बल्कि सफलता के शिखर पर भी पहुंचा रहा है। यहां बहुत सी चीजें सीखने को मिली, संगीत और लोगों से जुड़ा और आज मेरा अपना बैंड है, देश विदेश में शो करने लगा हूं। जतिन पंडिता एक सूफी गायक हैं, इनका कहना है कि इस मंच से जुड़कर जीवन का मकसद पाया है। एक साल हो गया है इससे जुड़े, मैं इसका हिस्सा बनकर बहुत अच्छा महसूस कर रहा हूं, मुझे यहीं से एक पहचान मिली है। आज मैं अगर देश विदेश में शोज करता हूं तो इसी की बदौलत। भजन जैमिंग से जुड़े रतन की भी कुछ ऐसी ही कहानी है। कहते हैं जबसे इस मंच से जुड़ा हूं मेरे व्यक्तित्व में निखार आया है, मनःस्थिति में बदली है।

9 साल में कितना बदला मानसिक स्वास्थ्य- एम्स के सर्वे से सामने आएगी तस्वीर

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मानसिक रोगों का बोझ पिछले नौ वर्षों में कितना बदला है, इसका जवाब अब एम्स के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण-दो (एनएमएचएस-दो) से मिलेगा।

मानसिक रोग कितने लोगों को प्रभावित कर रहे हैं, कितने लोगों को उपचार की आवश्यकता है और कितने लोगों तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंच रही हैं, इन सभी पहलुओं की पड़ताल सर्वे में की जा रही है।

एम्स के सेंटर फार कम्युनिटी मेडिसिन के प्रो. डा. हर्षल रमेश साल्वे के अनुसार एनएमएचएस-दो का उद्देश्य मानसिक रोगों की व्यापकता के साथ उपचार में कमी, स्वास्थ्य सेवाओं के इस्तेमाल, अक्षमता और मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था का आकलन करना है।

इससे पहले नौ वर्ष पहले हुए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य सर्वेक्षण में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति की बड़ी तस्वीर सामने आई थी। अब एनएमएचएस-2 से यह पता चलेगा कि इस अवधि में दिल्ली में स्थिति किस दिशा में बदली है।

रोगियों की संख्या नहीं, उपचार की कमी भी पता लगेगी

प्रो. डा. हर्षल रमेश साल्वे के अनुसार एनएमएचएस-दो में मानसिक रोगों की व्यापकता के साथ यह भी देखा

जा रहा है कि बीमारी से प्रभावित लोगों में कितने उपचार ले रहे हैं और कितने स्वास्थ्य व्यवस्था से बाहर हैं।

राष्ट्रीय सर्वेक्षण की आधिकारिक जानकारी के अनुसार इसमें 18 वर्ष से अधिक उम्र के वयस्कों के साथ 13 से 17 वर्ष के किशोरों की मानसिक स्वास्थ्य स्थिति का भी आकलन किया जा रहा है।

दिल्ली की मानसिक स्वास्थ्य व्यवस्था की भी हुई जांच

एम्स ने मानसिक स्वास्थ्य प्रणाली का आकलन भी किया है। इसे लेकर 18 सितंबर को आयोजित कार्यशाला में विशेषज्ञों, स्वास्थ्यकर्मियों, सरकारी व संस्थागत प्रतिनिधियों तथा सामाजिक संगठनों ने हिस्सा लिया। इसमें मानव संसाधन, बुनियादी ढांचा, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता, प्रशिक्षण, जनजागरूकता और विभिन्न विभागों के बीच समन्वय सहित कई पहलुओं की समीक्षा की गई।

ऑपरेशन मिलाप को मिली बड़ी सफलता, दिल्ली पुलिस ने 80 लापता लोगों को ढूंढकर परिवारों से मिलाया

नईदिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस ने ऑपरेशन मिलाप के तहत 1 से 30 सितंबर के बीच 80 लापता लोगों को खोजकर परिजनों से मिलाया, जिनमें 22 लापता या अगवा बच्चे और 58 वयस्क शामिल थे। ऑपरेशन के दौरान जिन लोगों का पुलिस ने पता लगाया, उनमें 2021 से लापता व्यक्ति, 2024 से लापता नाबालिग और 2025 से गुम दो वयस्क शामिल हैं। बाकी 76 लोग 2026 में लापता हुए थे।

लापता लोगों की तस्वीरें लगाईं: दक्षिणी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त अमित गोयल के मुताबिक, गुमशुदगी की सूचना मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। टीमों ने स्थानीय स्तर पर पूछताछ की, सीसीटीवी फुटेज की जांच की और ऑटो स्टैंड, ई-रिक्शा स्टैंड, बस स्टैंड और रेलवे स्टेशनों पर लापता लोगों की तस्वीरें लगाईं। पुलिस के अनुसार, लापता लोगों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए बस ड्राइवरों, कंडक्टरों और वेंडरों से भी पूछताछ की गई।

एशियन गेम्स 2026 का समापन

भारत ने चौथे स्थान पर रहकर समाप्त किया अभियान

इस बार जीते कुल 85 पदक

कतर को सौंपी गई मेजबानी

आइची नागोया (एजेंसी)। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो गया है। निशानेबाज नीरू धांडा दो स्वर्ण और एक रजत पदक के साथ भारत की महिला ध्वजवाहक बनकर समारोह में पहुंचीं। भारत ने पुरुष हॉकी में स्वर्ण के साथ अभियान खत्म किया और 21 स्वर्ण समेत कुल 85 पदक जीतकर चौथे स्थान पर रहा। आइची-नागोया एशियाई खेलों का समापन समारोह समाप्त हो चुका है। नागोया में हो रहे इस समारोह के साथ 16 दिन तक चले एशियाई खेलों का आधिकारिक रूप से समापन हो गया। भारतीय दल की महिला ध्वजवाहक निशानेबाज नीरू ढांडा तिरंगा लेकर समारोह में पहुंचीं। नीरू हाथ में तिरंगा लेकर पूरे उत्साह के साथ उसे लहराती दिखीं। उनके चेहरे पर खुशी साफ नजर आई। नीरू के लिए यह एशियाड बेहद यादगार रहा। उन्होंने दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। नीरू ने अपने तीसरे पदक के रूप में किनान चेनाई के साथ ट्रैप मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद वह भारत लौट गई थीं, लेकिन शनिवार सुबह समापन समारोह के लिए दोबारा नागोया पहुंचीं।

● **पिछली बार की तुलना में कम आए पदक** - भारत का कुल पदक आंकड़ा पिछले संस्करण की तुलना में 21 कम हो गया, जबकि हांगझू 2022 खेलों की तुलना में स्वर्ण पदक की संख्या सात कम रही। भारत ने हांग्झू में कुल 106 पदक जीते थे और पहली बार 100 पदक के आंकड़े को पार किया था। आइची-नागोया अभियान एक मिला-जुला सफर रहा, जहां कुछ उम्मीद के मुताबिक आए परिणामों की जगह निराशाओं ने ले ली, लेकिन अंत में एक मजबूत फिनिश ने पूरे अभियान का रंग-रूप बदल दिया।

भारत के किस खेल में कौन से पदक

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
तीरंदाजी	5	2	2	9
एथलेटिक्स	1	9	14	24
बैडमिंटन	0	0	1	1
बॉक्सिंग	3	0	3	6
क्रिकेट	2	0	0	2
गोल्फ	1	1	0	2
हॉकी	2	0	0	2
कबड्डी	2	0	0	2
कुराश	0	0	1	1
मार्शल आर्ट्स	0	0	1	1
रोइंग	0	0	1	1
सेलिंग	0	1	2	3
सेपकटकरा	0	0	1	1
शूटिंग	3	8	4	15
सॉफ्ट टेनिस	0	0	1	1
स्क्वैश	0	2	3	5
टेबल टेनिस	0	0	1	1
वेटलिफ्टिंग	0	1	0	1
कुश्ती	2	2	2	6
वुशू	0	1	0	1

ध्वजवाहकों के बाद खिलाड़ी स्टेडियम में पहुंचे

ध्वजवाहक के बाद एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचे। इन सभी सितारों ने दो हफ्तों तक शानदार प्रदर्शन किया और अब वे अपनी उपलब्धियों पर गर्व के साथ नागोया से विदा लेते दिखे।। भारतीय दल भी एशियाई खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी में पहुंचा और अब मुख्य मंच पर ध्वजवाहक नीरू ढांडा के साथ शामिल हुआ। भारतीय दल भी अपने प्रदर्शन से काफी खुश दिखा। शुरुआत में ज्यादा एथलीट नजर नहीं आ रहे थे और ज्यादातर सपोर्ट स्टाफ ही दिखाई दे रहा था। फिर धीरे धीरे भारतीय एथलीट भी नजर आने लगे। कई एथलीट क्लोजिंग सेरेमनी से पहले स्वदेश लौट चुके। भारतीय महिला हॉकी टीम भी रविवार को भारत लौट आई थी।प्प

आखिरी दो दिनों में बदली भारत की तस्वीर

भारत का अभियान उतार-चढ़ाव से भरा रहा। गुरुवार तक भारत के खाते में सिर्फ 10 स्वर्ण पदक थे और टीम पदक तालिका में शीर्ष 10 से भी बाहर थी। लेकिन आखिरी दो दिनों में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी की। हॉकी और क्रिकेट में स्वर्ण पदक आए, जबकि तीरंदाजी, मुक्केबाजी और कुश्ती ने भी पदकों की संख्या बढ़ाई। अंतिम दो दिनों में भारत ने 11 और स्वर्ण पदक जीते। इस जोरदार वापसी ने भारत को फिर शीर्ष पांच में पहुंचाया और अभियान का अंत चौथे स्थान के साथ हुआ।

21 स्वर्ण और 85 पदक के साथ चौथे स्थान पर भारत

भारत ने शनिवार को पुरुष हॉकी फाइनल में मलयेशिया को 5-1 से हराकर स्वर्ण पदक जीता। इस जीत के साथ भारत के कुल पदकों की संख्या 85 हो गई, जिसमें 21 स्वर्ण शामिल रहे। भारत ने 27 रजत और 37 कांस्य पदक भी जीते। इस प्रदर्शन के साथ भारतीय दल पदक तालिका में चौथे स्थान पर रहा और लगातार एक और एशियाई खेलों में शीर्ष पांच में जगह बनाई। हालांकि, भारत का यह प्रदर्शन 2022 के हांगझोउ एशियाई खेलों से पीछे रहा था। हांगझोउ में भारत ने रिकॉर्ड 106 पदक जीते थे, जिसमें 28 स्वर्ण शामिल थे। यानी इस बार भारत के खाते में कुल पदक 21 कम और स्वर्ण सात कम रहे।

संक्षिप्त समाचार

फाइनल की हार से उबरने में समय लगा, अब ओलंपिक में जगह बनाने पर नजरें: अनाहत सिंह

नई दिल्ली (एजेंसी)। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली अनाहत सिंह फाइनल की हार से उबरकर अब 2028 लॉस एंजिलिस ओलंपिक में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं। सीधे क्वालीफिकेशन का मौका गंवाने के बाद 18 वर्षीय खिलाड़ी अगले 18 महीनों में अधिक टूर्नामेंट खेलकर पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़ना चाहती हैं।

अनाहत सिंह जानती थीं कि एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना 'बहुत यथार्थवादी' लक्ष्य नहीं था लेकिन खिताब से सिर्फ एक जीत दूर रह जाना इस भारतीय स्क्वाश खिलाड़ी के लिए निराशा के साथ-साथ प्रेरणा का भी कारण बना और अब उनकी नजरें 2028 ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने पर है। अनाहत एशियाई खेलों की व्यक्तिगत स्क्वाश स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं।

हालांकि उन्हें दुनिया की पांचवें नंबर की - मलयेशियाई खिलाड़ी सिवसांगरी सुब्रमण्यम के खिलाफ हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। अगर अनाहत फाइनल जीत जातीं तो उन्हें 2028 ओलंपिक में सीधे जगह मिल जाती लेकिन यह 18 वर्षीय खिलाड़ी अब पीएसए रैंकिंग में ऊपर चढ़कर लॉस एंजिलिस ओलंपिक में अपनी जगह पक्की करने की कोशिश करेगी। स्वदेश लौटने के बाद अनाहत ने कहा, 'मैं निशिचत रूप से काफी निराश थी। दोबारा खुश होने या थोड़ा बेहतर महसूस करने में मुझे कुछ दिन लगे। फाइनल में हारना अच्छा नहीं लगता, विशेषकर तब जब आप किसी बड़े मुकाबले में जीत हासिल करने के बाद खिताब के इतने करीब पहुंच जाते हैं।' उन्होंने कहा, 'मैं सकारात्मक पहलुओं को देखने की कोशिश करूंगी और इसे इस रूप में देखूंगी कि मुझे अभी बहुत कुछ सीखना है। अगर मैं शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन कर सकती हूं तो इसमें मेरे लिए कई अच्छी बातें भी हैं।'

गोल्ड जीतने वाली प्रणवी उर्स को आईजीयू देगा 10 लाख रुपये

गोल्फ टीम की सदस्यों को मिलेंगे तीन-तीन लाख

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय गोल्फ संघ ने एशियाई खेलों में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला प्रणवी उर्स के लिए 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की है। वहीं रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की अदिति अशोक और दीक्षा डागर को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे।

भारतीय गोल्फ संघ (आईजीयू) ने एशियाई खेलों में भारत की पहली महिला व्यक्तिगत स्वर्ण पदक विजेता प्रणवी उर्स के लिए रविवार को 10 लाख रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। प्रणवी एशियाई खेलों में व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण पदक जीतने वाली तीसरी भारतीय गोल्फर हैं। उनसे पहले लक्ष्मण सिंह ने 1982 के दिल्ली एशियाई खेलों और शिव कपूर ने 2002 के बुसान एशियाई खेलों में यह उपलब्धि हासिल की थी। एशियाई खेलों में रजत पदक जीतने वाली भारतीय गोल्फ टीम की प्रत्येक सदस्य को तीन-तीन लाख रुपये दिए जाएंगे। प्रणवी के अलावा भारतीय टीम में अदिति अशोक और दीक्षा डागर शामिल थीं। आईजीयू अध्यक्ष बृजिंदर सिंह ने कहा, '2026 एशियाई खेलों में शानदार स्वर्ण पदक जीतने के लिए प्रणवी को हार्दिक बधाई। एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना बहुत बड़ी उपलब्धि है और यह उनकी प्रतिभा, कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और खेल के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

24 साल बाद लड़कों से आगे हुई भारत की लड़कियां

4 गोल्ड ज्यादा जीते, हॉकी का ओलिंपिक टिकट मिला

नईदिल्ली (एजेंसी)। एशियन गेम्स 2026 में भारत का अभियान पूरा हो चुका है। आखिरी दिन घुड़सवारी के दो गोल्ड मेडल इवेंट हैं लेकिन इनमें कोई भारतीय खिलाड़ी शिरकत नहीं कर रहा है। भारत ने जापान के आइची-नागोया में 21 गोल्ड सहित कुल 85 मेडल जीते हैं। उज्बेकिस्तान ने भी भारत के बराबर ही गोल्ड जीते हैं लेकिन ज्यादा सिल्वर के आधार पर भारत चौथे स्थान पर है। रविवार को अगर उज्बेकिस्तान कोई गोल्ड नहीं जीतता है तो भारत चौथे स्थान पर ही फिनिश करेगा।

2002 के बाद पहली बार भारत की लड़कियों को ज्यादा मेडल - भारत ने इस बार लड़कियों के इवेंट में 11 तो लड़कों के इवेंट में 7 गोल्ड जीते। 3 गोल्ड मिक्स्ड इवेंट में आए। इससे पहले 2002 में बुसान में हुए एशियन गेम्स में भारत की लड़कियां आगे रही थीं। तब भारत ने लड़कियों के इवेंट में 6 और लड़कों के इवेंट में 5 गोल्ड जीते थे।

बॉक्सिंग, रेसलिंग में बेहतर हुआ प्रदर्शन, शूटिंग-एथलेटिक्स में पिछड़े

भारत ने 2023 में चीन के ग्वांगझू में हुए एशियन गेम्स में 28 गोल्ड के साथ 106 मेडल जीते थे। तब भारत ने शूटिंग में 7 और एथलेटिक्स में 6 गोल्ड जीते थे। इस बार शूटिंग में 3 और एथलेटिक्स में 1 ही गोल्ड आया। यानी इन दो खेलों में ही भारत को 9 गोल्ड का नुकसान हो गया। भारत ने पिछली बार स्कॉश में 2 और टेनिस, बैडमिंटन और घुड़सवारी में 1-1 गोल्ड जीता था। इन खेलों में इस बार भारत को कोई गोल्ड नहीं मिला। बॉक्सिंग और रेसिलिंग में अच्छे प्रदर्शन ने कुछ हद तक गोल्ड में कमी की भरपाई की है।

हार्दिक पंड्या ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर

मार्च में आखिरी इंटनरनेशनल मैच खेला था ; उनकी जगह सूर्यांश शेडगे को मौका

नईदिल्ली (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या चोट की वजह से ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। सीरीज इसी महीने 6 से 11 अक्टूबर के बीच पुडुचेरी में खेली जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उनकी जगह ऑलराउंडर सूर्यांश शेडगे को टीम में शामिल किया गया है। सूर्यांश ने बेगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वे पहले ही टीम के साथ जुड़ गए हैं। हार्दिक ने आखिरी बार आईपीएल 2026 में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट खेला था। उन्होंने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच मार्च में हुए टी-20 वर्ल्ड कप में खेला था।

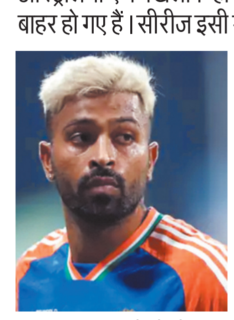

रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप जीता

● जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया; स्मरण का शतक, मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए

नईदिल्ली (एजेंसी)। रेस्ट ऑफ इंडिया ने 31वीं बार ईरानी कप का खिताब जीत लिया है। टीम ने जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। श्रीनगर में 1 से 5 अक्टूबर तक खेले गए मुकाबले में रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 और दूसरी पारी में 319 रन बनाए। इसके जवाब में जम्मू-कश्मीर की टीम पहली पारी में 278 और दूसरी पारी में 111 रन पर ऑलआउट हो गई।

मुकेश कुमार ने 6 विकेट लिए - दूसरी पारी में जम्मू-कश्मीर की बल्लेबाजी पूरी तरह लड़खड़ा गई। टीम 28.4 ओवर में 111 रन पर ऑलआउट हो गई। कामरान इकबाल ने 32 और शुभम खजूरिया ने 36 रन बनाए। इनके अलावा कोई बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका।

350 रन बनाने के बावजूद तीसरी बार हारा भारत, राहुल का शानदार शतक

न्यू चंडीगढ़ (एजेंसी)। वेस्टइंडीज ने भारत को तीसरे वनडे में 5 विकेट से हरा दिया। न्यू चंडीगढ़ में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 351 रन बनाए थे। इसके बावजूद उसे हार झेलनी पड़ी। यह तीसरा मौका है, जब टीम 350+ रन बनाकर भी हार गई। शनिवार को वेस्टइंडीज ने 48.2 ओवर में टारगेट हासिल किया। यह टीम का वनडे में सबसे बड़ा सफल रनचेज भी है।

रोहित सबसे तेज 10 हजार वनडे रन बनाने वाले ओपनर

रोहित शर्मा बतौर ओपनर सबसे तेज 10 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ा। भारत-वेस्टइंडीज तीसरे वनडे के टॉप रिकॉर्ड्स बने।

- **भारत 350+ रन भी डिफेंड नहीं कर सकी** - भारत को तीसरी बार 350+ रन बनाने के बाद भी हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2019 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ, 2025 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ ऐसा हुआ था।

- **सचिन-जयसूर्या का क्लब में शामिल हुए रोहित** - रोहित शर्मा ने वनडे में ओपनर के तौर पर 10 हजार रन पूरे किए। वे यह उपलब्धि हासिल करने वाले चौथे बल्लेबाज हैं। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, सनथ जयसूर्या और क्रिस ने यह उपलब्धि हासिल की।रोहित सबसे कम 202 पारियों में इस मुकाम तक पहुंचे। उनसे पहले सचिन ने 214 पारियों में 10 हजार रन बनाए थे।
- **रोहित 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए** - रोहित ने ऋतुराज के साथ तीसरे विकेट के लिए 137 रन की साझेदारी की। वे 75वीं बार 100+ रन की साझेदारी में शामिल हुए। सबसे ज्यादा शतकीय साझेदारी के मामले में वे तीसरे नंबर पर हैं।
- **भारत ने 7.43 के रनरेट से बल्लेबाजी की** - भारत ने वनडे सीरीज में 7.43 के रन रेट से रन बनाए। यह 3 या उससे ज्यादा मैचों वाली द्विपक्षीय वनडे सीरीज में सबसे ज्यादा रन रेट है। दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है। टीम ने 2015 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 7.15 के रनरेट से बल्लेबाजी की थी।
- **भारत ने 45वीं बार 350+ रन बनाया** - भारत ने 7 विकेट पर 351 रन बनाए। टीम ने 45वीं बार वनडे में 350+ का टोटल बनाया। साउथ अफ्रीका 36 बार के साथ दूसरे नंबर पर है।
- **भारत ने सीरीज में सबसे ज्यादा 45 छक्के लगाए** - भारत ने 3 मैचों में 45 छक्के लगाए। यह तीन मैचों की द्विपक्षीय वनडे सीरीज में किसी टीम के सबसे ज्यादा छक्के हैं। इससे पहले इंग्लैंड ने 2021 में तीन मैचों में भारत के खिलाफ ही 37 छक्के लगाए थे।भारत किसी भी द्विपक्षीय सीरीज में सबसे ज्यादा छक्के लगाने में इंग्लैंड के साथ चौथे नंबर पर है।